राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पताः- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेलः-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात,संस्करण गुरुवार 10 अक्टूबर 2024 वर्ष-7,अंक-258 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

जम्मू-कश्मीर में हारकर भी जीत गई बीजेपी....जाने कैसें

नई दिल्ली । जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में नेशनल कांफ्रेस और कांग्रेस के गठबंधन ने बहुमत का आंकड़ा पा लिया है। हालांकि उसके बाद भी वोटिंग प्रतिशत में वे बीजेपी से पिछड़ गई। 10 सालों बाद जम्मू कश्मीर में हुए विधानसभा चुनाव में बीजेपी वोटिंग प्रतिशत में शीर्ष पर है। जम्मू कश्मीर के 90 सीटों पर हुए चुनाव में बीजेपी ने अबतक का सबसे बेहतर प्रदर्शन किया। बीजेपी जम्मू कश्मीर में 29 सीट जीतकर मजबूत विपक्ष बन गई है। साथ ही वोटिंग प्रतिशत में उमर अब्दुल्ला की पार्टी नेशनल कॉन्फ्रेंस को भी पीछे छोड़ दिया है। चुनाव आयोग के अनुसार बीजेपी को सबसे अधिक 25.64 फीसदी वोट मिले हैं। जबकि नेशनल कॉन्फ्रेंस को 23.43 फीसदी वोट मिले हैं। बता दें कि पीएम मोदी ने जम्मू कश्मीर में बीजेपी के शानदार प्रदर्शन की सरहाना भी की। उन्होंने लिखा मुझे जम्मू-कश्मीर में भाजपा के प्रदर्शन पर गर्व है। मैं उन सभी लोगों का आभार व्यक्त करता हूं जिन्होंने हमारी पार्टी को वोट दिया और हम पर भरोसा जताया। मैं लोगों को भरोसा दिलाता हूं कि हम जम्मू-कश्मीर के कल्याण के लिए काम करते रहने वाले है। मैं अपने कार्यकर्ताओं के अथक प्रयासों की भी सराहना करता हूं।

विदेशी दौरा रद्द करने पर ट्रैवल कंपनी को एडवांस राशि जप्त करने का अधिकार

नई दिल्ली । राष्ट्रीय उपभोक्ता आयोग ने एक फैसला दिया है। उसके अनुसार विदेशी टूर पैकेज को लेकर ट्रैवल कंपनियों के बीच होने वाले विवाद के लिए इस महत्वपूर्ण माना जा रहा है। आयोग ने अपने फैसले में स्पष्ट किया है। विदेशी दौरे के लिए यदि ट्रैवल एजेंट को कोई एडवांस राशि दी गई है। उस दोरे को यदि किसी कारण से रद्द कर दिया जाता है। ऐसी स्थिति में वह ट्रैवल एजेंट से अपना एडवांस वापिस मांगने का हकदार नहीं होगा। राष्ट्रीय उपभोक्ता आयोग ने अपने फैसले में कहा है। विदेशी दौरे के लिए ट्रैवल एजेंसी को टूर के लिए बुकिंग पहले करनी पड़ती है। उसके लिए ट्रैवल एजेंसी को एडवांस देना पड़ता है।यदि दौरा रद्द होता है, तो एडवांस की राशि वापस नहीं होती है।विदेश में एडवांस पेमेंट 45 दिन पहले होता है।जो नॉन रिफंडेबल होता है। चेन्नई के डॉक्टर एस नागराजन ने परिवार के साथ यूरोप घूमने का प्लान बनाया था। 2010 में उन्होंने टूर बुक किया था।ट्रैवल एजेंसी को ₹90000 एडवांस दिए थे।वीजा नहीं मिलने पर टूर कैंसिल हो गया था। ट्रैवल कंपनी मेक माई ट्रिप ने एडवांस राशि वापस नहीं की। राष्ट्रीय उपभोक्ता आयोग ने अपने फैसले पर कंपनी पर लगाया हुआ जुर्माना रद्द करते हुए यह फैसला दिया है।

हरियाणा के बाद महाराष्ट्र पर पीएम मोदी का फोकस......7600 करोड़ रुपये से अधिक की सौगात

मुंबई । महाराष्ट्र में बहुत जल्द विधानसभा चुनाव होने है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को महाराष्ट्र को 7600 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं की सौगात दी है। पीएम मोदी ने कुल 7000 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाली डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर इंटरनेशनल एयरपोर्ट नागपुर के अपग्रेडेशन परियोजना की आधारशिला रखी। इस मौके प्रधानमंत्री मोदी ने शिरडी एयरपोर्ट पर 645 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से बनने वाले नए एकीकृत टर्मिनल भवन की आधारशिला रखी। इसके बनने से शिरडी आने वाले धार्मिक पर्यटकों के लिए विश्व स्तरीय सुविधाएं मिलेंगी। प्रस्तावित टर्मिनल के निर्माण की थीम साईं बाबा के आध्यात्मिक नीम के पेड़ पर आधारित है।पीएम मोदी ने इसके साथ ही मुंबई, अंबरनाथ (ठाणे), नासिक, जालना, अमरावती, गढ़चिरौली, बुलढाणा, वाशिम, भंडारा और हिंगोली में स्थित 10 सरकारी मेडिकल कॉलेजों के संचालन का शुभारंभ किया। ये कॉलेज अंडर ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट सीटों को बढ़ाने के साथ-साथ लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवा भी प्रदान करने वाले है। भारत क विश्व की कौशल राजधानी के रूप में स्थापित करने के अपने दृष्टिकोण के अनुरूप, प्रधानमंत्री भारतीय कौशल संस्थान (आईआईएस) मुंबई का भी उद्घाटन किया। इसके अलावा पीएम मोदी महाराष्ट्र के विद्या समीक्षा केंद्र (वीएसके) का भी उद्घाटन किया। वीएसके शिक्षकों, छात्रों और प्रशासकों को स्मार्ट उपस्थिति, सेल्फ स्टडी जैसे लाइव चैटबॉट के माध्यम से महत्वपूर्ण शैक्षणिक और प्रशासनिक डेटा तक पहुंच प्रदान करेगा।

हरियाणा चुनाव में दिखा नारी शक्ति का जलवा.....

13 महिला प्रत्याशी निर्वाचित ▸▸ विनेश फोगाट, सावित्री जिंदल और पूजा चौधरी के चर्चे

नई दिल्ली ।

हरियाणा में 90 सदस्यीय विधानसभा में इस बार 13 महिला प्रत्याशी निर्वाचित हुई हैं। राज्य में पांच अक्टूबर को हुए चुनाव में 464 निर्दलीय और 101 महिलाओं सहित कुल 1,031 उम्मीदवार मैदान में थे। राज्य विधानसभा में निर्वाचित हुईं पांच महिला विधायक भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी), सात कांग्रेस से और एक निर्दलीय हैं। विनेश फोगाट की चर्चा सबसे ज्यादाः कांग्रेस प्रत्याशियों में शामिल विनेश फोगाट ने जुलाना विधानसभा सीट से चुनाव जीता है। वह एक इंटरनैशनल कुश्ती खिलाड़ी हैं।

पति वरुण की हार का बदला पूराः

पूजा मुलाना विधानसभा सीट से जीतकर विधायक बनी हैं। पूजा चौधरी ने 12865 मतों से बीजेपी प्रत्याशी संतोष सारवान को हराया है। पूजा के पति पिछली बार चुनाव हार गए थे।

राव की बेटी जीतीं

आरती सिंह ने अटेली सीट से जीत हासिल की। वे केंद्रीय मंत्री राव इंदरजीत सिंह की बेटी हैं।

8वीं पास शैली चौधरी बनी विधायक

कांग्रेस की शैली चौधरी ने नारायणगढ़ सीट से जीती हैं। उन्होंने बीजेपी के पवन सैनी को हराया है। शैली महज 8वीं तक पढ़ी हैं।

रेनू ने सढौरा से बनाया रिकॉर्ड

रेनू बाला ने सढौरा सीट से जीत हासिल की है। रेनू बाला ने एक और रिकॉर्ड बनाया है। वह लगातार दो बार महिला विधायक बनने वाली जिले की पहली महिला बन गई हैं।

कांग्रेस की बागी श्रुति को बीजेपी ने दिया टिकट

भाजपा उम्मीदवार श्रूति चौधरी ने तोशाम से विजयी परचम लहराया। चौधरी भी भाजपा सांसद किरण चौधरी की बेटी हैं।

राई से जीतीं कृष्णा गहलावत

कृष्णा गहलावत ने राई विधानसभा सीट से जीत दर्ज की।

कालका पर शक्ति ने दिखाया दमः

भाजपा प्रत्याशी शक्ति रानी शर्मा ने कालका सीट से जीत दर्ज की।

लगातार 5वीं बार बनीं विधायक

पूर्व मंत्री एवं कांग्रेस प्रत्याशी गीता भुक्कल ने झज्जर सीट से जीत हासिल की। यह लगातार पांचवी बार है, जब गीता विधायक बनी हैं।

नवीन जिंदल की मां हैं सावित्री जिंदल

निर्दलीय प्रत्याशी सावित्री जिंदल ने हिसार सीट से जीत दर्ज की। उन्होंने कांग्रेस के राम निवास राड़ा को 18941 मतों के अंतर से हराया। जिंदल कुरुक्षेत्र से भाजपा सांसद एवं उद्योगपति नवीन जिंदल की मां हैं।

रेनू डाबला को हरा विधायक बनीं शकुंतला

शकुंतला खटक ने कलानौर सीट से जीत दर्ज की। उन्होंने बीजेपी की रेनू डाबला को हराया है।

कांग्रेस की पर्ल को हराकर जीतीं बिमला चौधरी

भाजपा की बिमला चौधरी ने पटौदी विधानसभा सीट से जीत दर्ज की। बिमला ने कांग्रेस की पर्ल चौधरी को हराया है।

बंपर जीत के बाद पीएम मोदी से मिले सैनी......
दोनों ने एक-दूसरे को दिया जीत का श्रेय

नई दिल्ली ।

हरियाणा विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद अब राज्य में सियासी हलचल तेज है। नई सरकार के गठन को लेकर भाजपा नेताओं में मुलाकात का दौरे शुरू हो गया है। इस बीच मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। दोनों नेताओं की मुलाकात प्रधानमंत्री आवास पर हुई। इस दौरान पीएम मोदी ने उन्हें शानदार जीत मिलने पर बधाई दी। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर मुलाकात की फोटो भी शेयर की है।

पीएम मोदी ने लिखा, हरियाणा के मुख्यमंत्री सैनी जी से मिला और चुनाव में भाजपा को मिली ऐतिहासिक जीत के लिए उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने लिखा, मुझे विश्वास है कि विकसित भारत के संकल्प में हरियाणा की भूमिका और महत्वपूर्ण होगी। इसके पहले हरियाणा के मुख्यमंत्री सैनी पीएम मोदी से मुलाकात के बाद मीडिया से रूबरू हुए। उन्होंने बताया कि इस प्रचंड जीत का श्रेय प्रधानमंत्री मोदी को जाता है जिन्होंने पिछले 10 वर्षों में ऐसी नीतियां और योजनाएं चलाई हैं जिसका लाभ गरीब व्यक्ति को सीधा लाभ मिला है, किसान को मिल रहा है, युवा को भी मिल रहा है, और महिला को मिल रहा है। यह पीएम मोदी की लोकप्रियता का परिणाम है, उन्हें देश के लोग प्यार करते हैं, जिसके परिणामस्वरूप भाजपा ने हरियाणा में तीसरी बार प्रचंड बहुमत से आई है।

सीएम सैनी ने कहा कि मैं हरियाणा की जनता का आभार व्यक्त करता हूं, जिन्होंने पीएम मोदी की नीतियों पर मुहर लगाई। हरियाणा भाजपा के सभी कार्यकर्ताओं का भी दिल से आभार व्यक्त करता हूं।

जिन्होंने इतनी कड़ी मेहनत की और डबल इंजन सरकार की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का काम किया है। उनकी मेहनत के कारण ही हम तीसरी बार सत्ता में आए हैं। इसके पहले पीएम मोदी ने हरियाणा विधानसभा चुनाव में भाजपा की शानदार जीत पर एक्स पोस्ट में लिखा, हरियाणा का हृदय से आभार! भारतीय जनता पार्टी को एक बार फिर स्पष्ट बहुमत देने के लिए मैं हरियाणा की जनशक्ति को नमन करता हूं। यह विकास और सुशासन की राजनीति की जीत है। मैं यहां के लोगों को विश्वास दिलाता हूं कि उनकी आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए हम कोई कोर-कसर नहीं छोड़ने वाले है।

भारत खरीद रहा एमके-54 लाइटवेट टॉरपीडो, घबराया चीन

- अमेरिका का यह टॉरपीडो प्रेसिजन-किल रॉकेट से है लैस

नई दिल्ली।

भारतीय नौसेना की गिनती दुनिया की टॉप 10 नेवी में होती है। अब इसकी और ताकत बढ़ाने के लिए भारत अमेरिका से 53 एमके-54 लाइटवेट टॉरपीडो खरीदेगा जिनकी कीमत 175 मिलियन डॉलर है। ये टॉरपीडो भारत के नए एमएच-60आर सीहॉक हेलीकॉप्टरों के लिए है। बाइडन प्रशासन का कहना है कि यह सौदा दोनों देशों के रिश्ते और मजबूत करेगा। इससे भारत की सुरक्षा और बेहतर होगी।

अमेरिका ने कहा कि भारत इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में शांति और स्थिरता के लिए अहम है। नए टॉरपीडो से भारत की नौसेना मजबूत होगी। वे पनडुब्बियों से होने वाले खतरों से निपटने में पूरी तरह सक्षम है। भारत ने मार्च में छह एमएच-60आर सीहॉक हेलीकॉप्टर शामिल किए थे। ये हेलीकॉप्टर हेलफायर मिसाइल, एमके-54 टॉरपीडो और प्रेसिजन-किल रॉकेट से लैस हैं।

अगले साल तक भारत को 24 और सीहॉक मिलेंगे। ये सभी हेलीकॉप्टर फरवरी 2020 में हुए 15,157 करोड़ के सौदे का हिस्सा हैं। सीहॉक हेलीकॉप्टर अत्याधुनिक हैं।

इनमें मल्टी-मोड रडार और नाइट-विजन उपकरण भी लगे हैं। ये हेलीकॉप्टर युद्धपोतों से संचालित हो सकते हैं। नौसेना अधिकारियों का कहना है कि सीहॉक दुश्मन पनडुब्बियों का पता लगाने और उन्हें मारने में सक्षम है। दोनों देश हिंद महासागर क्षेत्र में चीन की बढ़ती सैन्य गतिविधियों को लेकर चिंतित हैं।

दोहरी नागरिकता पर दोहरा टैक्स सहीः आयकर ट्रिब्यूनल

नई दिल्ली ।

हाल ही में आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण ने एक व्यक्ति जो भारत और अमेरिका दोनों का नागरिक था। इस मामले में,अपीलीय न्यायाधिकरण **(ITAT)** ने दोहरी नागरिकता के मामले में महत्वपूर्ण फैसला दिया है। अमेरिकी नागरिक ने 2012-13 में भारत में 183 से अधिक दिन बिताए। जिससे वह भारतीय कर के लिए जिम्मेदार हो गए।अमेरिकी नागरिकता के कारण वे अमेरिका में भी कर की देयता के लिए जिम्मेदार माने गए।

इस मामले में जिस व्यक्ति के ऊपर भारतीय कर अधिनियम के तहत करारोपण किया गया था। उसने तर्क दिया, उनके परिवार के अधिकांश सदस्य अमेरिकी नागरिक हैं। उनकी बड़ी निवेश राशि अमेरिका में है। उसने अमेरिकी नागरिक की स्थिति मे दलील दी,कहा अमेरिकी नागरिक होने के आधार पर उन पर भारत में आयकर नहीं लगाया जा सकता है। आयकर विभाग ने तर्क दिया, व्यक्ति का परिवार मुंबई में रहता है।वह भारत में एक निजी कंपनी के प्रबंध निदेशक हैं। आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण ने कहा, कर निर्धारण व्यक्तिगत और आर्थिक संबंधों के आधार पर किया जाता है। उन्होंने अपनी पत्नी के साथ 2009 में एक फिल्म वितरण कंपनी की सह-स्थापना की थी। इस करण आयकर विभाग ने जो कर

आरोपित किया है,वह सही है। इस निर्णय ने यह स्पष्ट किया, कर निर्धारण केवल नागरिकता पर आधारित नहीं होता है।व्यक्तिगत और व्यवसायिक संबंधों पर निर्भर करता है।

यह मामला अंतरराष्ट्रीय कराधान की जटिलता के कारण महत्वपूर्ण फैसला है। कर विशेषज्ञों का कहना है, ऐसे मामलों में कर निर्धारण के लिए स्पष्टता आई है।

हरियाणा विधानसभा चुनाव में भी मायावती के हाथ आयी निराशा, वोट प्रतिशत और गिरा

लखनऊ ।

उत्तर प्रदेश के बाद अब हरियाणा में भी बहुजन समाज पार्टी को भारी निराशा हाथ लगी है। हरियाणा विधानसभा चुनाव में इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) से गठबंधन किया था, लेकिन उसका यह दांव काम नहीं आया। गठबंधन के बावजूद बसपा यहां एक भी सीट नहीं जीत सकी और वोट प्रतिशत में भी बड़ी गिरावट आई है। बसपा को यहां 1.82 फीसीद वोट मिले हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में बसपा का वोट प्रतिशत 4.21 था। बसपा का काफी पहले से हरियाणा में जनाधार रहा है, लेकिन 2009 के बाद से इसमें गिरावट आई है। बसपा का वोट प्रतिशत 2009 में 6.76 था जो अब गिरकर 1.82 फीसदी पर आ गया है। बसपा ने 2009 में दो और 2014 में एक सीट पर जीत हासिल की थी। इसके बाद से वह एक सीट के लिए भी तरस रही है। बसपा इस बात पर जरूर संतोष कर सकती है कि लोकसभा चुनाव 2024 में हरियाणा में उसका वोट प्रतिशत 1.28 प्रतिशत था, जो अब 1.82 फीसदी हो गया है। हरियाणा विधानसभा चुनाव में बसपा प्रमुख मायावती ने इनेलो के साथ चार संयुक्त सभाएं की थीं। इस चुनाव में उन्होंने आकाश आनंद को आगे किया था। वह भी रथ लेकर निकले और गांव-गांव चौपाल लगाईं, लेकिन प्रदर्शन में कोई सुधार आने की जगह पहले से भी खराब रहा। इससे पहले लोकसभा चुनाव में भी आकाश ने सभाएं की थीं, लेकिन उनको चुनाव के

बीच में ही पद से हटा दिया गया था। हरियाणा चुनाव से पहले उनको एक बार फिर अहम जिम्मेदारी दी गई, लेकिन वह कुछ करिश्मा नहीं कर सके। उधर, बसपा के साथ गठबंधन करके इनेलो को जरूर फायदा हुआ है। पिछले विधानसभा चुनाव में इनेलो को एक सीट मिली थी। इस बार उसने दो सीटों पर जीत दर्ज की है, जबकि वोट प्रतिशत में भी इजाफा हुआ है। इनेलो को पिछले लोकसभा चुनाव में 2.41 फीसदी वोट मिले थे। इस बार उसे 4.14 फीसदी वोट मिले हैं।

चुनाव परिणामों पर राहुल गांधी की प्रतिक्रिया, घाटी का शुक्रिया

हरियाणा में आयोग से शिकायत

नई दिल्ली ।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने हरियाणा और जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के नतीजों पर प्रतिक्रिया दी है। एक ओर जहां राहुल गांधी ने जम्मू-कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस गठबंधन की जीत पर लोगों का शुक्रिया किया। वहीं हरियाणा चुनाव के अप्रत्याशित नतीजे का विश्लेषण करने की बात कही। साथ ही राहुल गांधी ने कहा कि अनेक विधानसभा क्षेत्रों से आ रही शिकायतों से चुनाव आयोग को अवगत कराएंगे। राहुल गांधी ने पोस्ट में लिखा, जम्मू-कश्मीर के लोगों का तहे दिल से शुक्रिया, प्रदेश में इंडिया की जीत संविधान की जीत है, लोकतांत्रिक स्वाभिमान की जीत है। उन्होंने लिखा, हम हरियाणा के अप्रत्याशित नतीजे का विश्लेषण कर रहे हैं। अनेक विधानसभा क्षेत्रों से आ रही शिकायतों से आयोग को अवगत कराएंगे। सभी हरियाणावासियों को उनके समर्थन और हमारे बब्बर शेर कार्यकर्ताओं को उनके अथक परिश्रम के लिए दिल से धन्यवाद।

इसके पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने लिखा, जम्मू और कश्मीर के लोगों को कांग्रेस पार्टी और नेशनल कॉन्फ्रेंस गठबंधन को सेवा का मौका देने के लिए धन्यवाद। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक और उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला को शानदार जीत की बधाई।

यह जनमत जम्मू और कश्मीर के लोगों ने भाजपा की जनविरोधी नीतियों, जनता के अधिकारों का हनन और उत्पीड़न तथा संवैधानिक संस्थाओं के दुरुपयोग के खिलाफ दिया है।

एक अन्य पोस्ट में उन्होंने लिखा, हरियाणा का परिणाम अप्रत्याशित है।

पार्टी इस जनमत का आकलन कर रही है। हमारे जमीनी कार्यकर्ताओं से बात कर, पूरी जानकारी मिलने और तथ्यों को जांच लेने के बाद पार्टी की तरफ से विस्तृत प्रतिक्रिया आएगी। हम हरियाणा के लोगों को कांग्रेस पार्टी को वोट देने के लिए आभार व्यक्त करते हैं। हमारे कर्मठ कार्यकर्ताओं को निराश होने की जरूरत नहीं है। तानाशाही से हमारी लड़ाई लंबी है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कुमारी पूजन से खुश हो जाती है मां!

(लेखक - डॉ श्रीगोपाल नारसन)

दुर्गा अष्टमी पर विशेष)

शारदीय नवरात्र पर मां को खुश करने का फलदायी महत्व है।तभी तो देवी उपवास में कुमारी पूजन को परम आवश्यक माना गया है।

तभी तो श्री दुर्गा सप्तशती का विधिपूर्वक पूजन करने के लिए मंत्र

नमो देव्यै महादेव्यै शिवायै सततं नमः।

नमः प्रकृत्यै भद्रायै नियताः प्रणताः स्म ताम् ।उच्चारित कर

पंचोपचार पूजन करके यथाविधि श्री दुर्गा सप्तशती का पाठ करना चाहिए। सामर्थ्य हो तो नवरात्रि में प्रतिदिन, अन्यथा समाप्ति के दिन नौ कुमारियों के चरण धोकर उन्हें देवी रूप मानकर गंध-पुष्पादि से अर्चन कर श्रद्धा भाव के साथ यथारुचि मिष्ठान भोजन कराना चाहिए एवं वस्त्रादि से उनका सत्कार करना चाहिए। कुमारी पूजन में दस वर्ष तक की कन्याओं का अर्चन विशेष महत्व रखता है। दो वर्ष की कन्या कुमारी, तीन वर्ष की त्रिमूर्तिनी, चार वर्ष की कल्याणी, पांच वर्ष की रोहिणी, छः वर्ष की काली, सात वर्ष की चंडिका, आठ वर्ष की शाम्भवी, नौ वर्ष की दुर्गा और दस वर्ष वाली सुभद्रा स्वरूपा मानी जाती है।

दुर्गा पूजा में प्रतिदिन की पूजा का विशेष महत्व है जिसमें प्रथम शैलपुत्री से लेकर नवम् सिद्धिदात्री तक नव दुर्गाओं की नव शक्तियों का और स्वरूपों का विशेष अर्चन किया जाता है।

दुर्गा सप्तशती की व्याख्या करे तो

दुर्गा अर्थात दुर्ग शब्द से दुर्गा बना है , दुर्ग =किला ,स्तंभ , शप्तशती अर्थात सात सौ . जिस ग्रन्थ को सात सौ श्लोकों में समाहित किया गया हो उसका नाम शप्तशती है .

जो कोई भी इसका पाठ करेगा 'माँ जगदम्बा' की उसके ऊपर असीम कृपा होती है ऐसी मान्यता है.

इस बारे में एक कथा भी है कि 'सुरथ और 'समाधी ' नाम के राजा एवं वैश्य का मिलन किसी वन में होता है ,और वे दोनों अपने मन में विचार करते हैं, कि हमलोग राजा एवं सभी संपदाओं से युक्त होते हुए भी अपनों से विरक्त हैं ,किन्तु यहाँ वन में, ऋषि के आश्रम में, सभी जीव प्रसन्नता पूर्वक एकसाथ रहते हैं 7 यह आश्चर्य लगता है ,कि क्या कारण है ,जो गाय के साथ सिंह भी निवास करता है, और कोई भय नहीं है,जब हमें अपनों ने परित्याग कर दिया, तो फिर अपनों की याद क्यों आती है ?

उन्हें ऋषि के द्वारा यह ज्ञात होता है ,कि यह उसी 'महामाया ' की कृपा है ,जिसे मां दुर्गा के रूप में पूरा संसार जानता है ।इस पर वे दोनों 'दुर्गा' की आराधना करते हैं ,और 'शप्तशती' के बारहवे अध्याय में आशीर्वाद प्राप्त करते हैं ,और अपने परिवार से उनका मिलन भी हो जाता हैं .

दुर्गा सप्तशती पाठ करने से अलग अलग अध्ध्याय का अलग अलग लाभ बताया गया है ।जैसे प्रथम अध्याय- हर प्रकार की चिंता मिटाने के लिए।

द्वितीय अध्याय- मुकदमा झगडा आदि में विजय पाने के लिए।

तृतीय अध्याय- शत्रु से छुटकारा पाने के लिये।

चतुर्थ अध्याय- भक्ति शक्ति तथा दर्शन के लिये।

पंचम अध्याय- भक्ति शक्ति तथा दर्शन के लिए।

षष्ठम अध्याय- डर, शक, बाधा हटाने के लिये।

सप्तम अध्याय- हर कामना पूर्ण करने के लिये।

अष्टम अध्याय- मिलाप व वशीकरण के लिये।

नवम अध्याय- गुमशुदा की तलाश, हर प्रकार की कामना एवं पुत्र आदि के लिये।

दशम अध्याय- गुमशुदा की तलाश, हर प्रकार की कामना एवं पुत्र आदि के लिये।

एकादश अध्याय- व्यापार व सुख-संपत्ति की प्राप्ति के लिये।

द्वादश अध्याय- मान-सम्मान तथा लाभ प्राप्ति के लिये।

त्रयोदश अध्याय- भक्ति प्राप्ति के लिये ।लेकिन चिंतन का विषय यह भी है कि इतनी पूजा पाठ के बाद भी आज शायद ही ऐसा कोई धर हो या बस्ती जहां नारी जिसे देवी माना गया है वह स्वयं को पूरी तरह से सुरक्षित महसूस कर सके। जबकि नारी के बिना समाज की कल्पना नही की जा सकती ।पुरूष प्रधान कहे जाने वाले इस समाज में नारी देवी के रूप में पुजनीय है। नारी को शक्ति स्वरूपा भी कहा गया है। लेकिन जब नारी को सम्मान देने की बारी आती है तो लोगो का पुरूषोत्व जाग उठता है और नारी फिर भोग्या समझ ली जाती है। हालाकि देश में रानी लक्ष्मीबाई समेत अनेक ऐसी विरांगनाएं हुई हैं, जिन्होंने राष्टभक्ति और बहादुरी का इतिहास रचा तथा नारी को आत्मस्वाभिमान के सिहासंन पर बैठाया। वहीं नारी को ममता की मूरत बताते हुए उसे कोमल हृदय कहा जाता है ।लेकिन फिर भी नारी का सम्मान और उसका अस्तित्व खतरे में है।

नारी को या तो कन्या भ्रूण हत्या के रूप में जन्म लेने से पहले ही समाप्त किया जा रहा है या फिर उसे दहेज की बलिवेदी पर जिंदा जला दिया जाता है। हद तो यह है कि नारी को जन्म लेने से पहले ही मार डालने और अगर जिंदा बच जाए तो विवाह होने पर दहेज के लिए प्रताडित करने में अधिकतर नारियों की भूमिका रहती है। हालांकि कहीं कहीं पुरूष भी पति देवर जेठ व ससुर के रूप में नारी को प्रताडित करने से बाज नहीं आते ।सबसे पहले हमें अपने घर,आसपास, गांव शहर जहां भी नारी वजूद में है,उनका सम्मान करना चाहिए ,तभी नवरात्र का आध्यात्मिक व धार्मिक महत्व सार्थक हो सकता है ।मौजूदा वासंतिक नवरात्र को सार्थक करने के लिए शास्त्रो में नवरात्र के पहले दिन मुखनिर्मालिका देवी के दर्शन का विधान है। कहते हैं देवी के निर्मल मुख के दर्शन से व्यक्ति के जीवन में भी निर्मलता का भाव उत्पन्न होता है। शक्ति के उपासक इस दिन शैलपुत्री देवी का दर्शन भी करते हैं।

दूसरा स्थान ज्येष्ठा गौरी का है। ज्येष्ठा गौरी के दर्शन पूजन से व्यक्ति की समस्त सद्कामनाएं पूर्ण होती हैं। ज्येष्ठा गौरी के दर्शन-पूजन से मुख्यतः व्यक्ति के हृदय में धर्म के प्रति अनुराग बढ़ता है।

वासंतिक नवरात्र की तृतीया तिथि पर सौभाग्य गौरी के दर्शन का विधान है। देवी के इस स्वरूप के दर्शन से व्यक्ति के जीवन में सौभाग्य की वृद्धि होती है। कहते हैं 108 दिन लगातार देवी के दर्शन से मनोरथ विशेष अवश्य पूर्ण होता है।

वासंतिक नवरात्र की चतुर्थी तिथि पर श्रृंगार गौरी के दर्शन पूजन का विधान है। मूलतः श्रृंगार गौरी वैभव और सौंदर्य की देवी हैं।

गौरी के विशालाक्षी स्वरूप का दर्शन पूजन वासंतिक नवरात्र में पंचमी तिथि पर किया जाता है। ऐसी मान्यता है कि देवी विशालाक्षी के दर्शन से जन्म जन्मांतर के पाप धुल जाते हैं। देवी का कमल के पुष्प अति प्रिय हैं। वासंतिक नवरात्र की षष्ठी तिथि पर ललिता गौरी के दर्शन पूजन का विधान है। कहते हैं देवी की आराधना से व्यक्ति को ललित कलाओं में विशेष उपलब्धि प्राप्त होती है। अड़ुहुल का फूल देवी को विशेष रूप से प्रिय है। वासंतिक नवरात्र के सातवें दिन भवानी गौरी का दर्शन पूजन किया जाता है ।बहुत से लोग इस दिन कालरात्रि देवी के दर्शन-पूजन भी करते हैं। वासंतिक नवरात्र की अष्टमी तिथि पर मंगला गौरी का दर्शन पूजन किया जाता है। देवी के दुर्गा स्वरूप की आराधना करने वाले भक्त इस दिन महागौरी अन्नपूर्णा के दर्शन करते हैं। मंगला गौरी का एक मंदिर काशी विश्वनाथ मंदिर में भी है। कहते हैं देवी की आराधना से व्यक्ति के समस्त प्रकार के अमंगलों का क्षय हो जाता है।

शारदीय नवरात्र के अंतिम दिन नवमी तिथि पर महालक्ष्मी गौरी के दर्शन-पूजन का विधान है। कहते हैं किसी भी नवमी तिथि पर देवी के दर्शन का फल कई गुना बढ़ जाता है। देवी की कृपा होने पर व्यक्ति को धन

की कमी नहीं होती ।लेकिन इस पूजा और देवी दर्शन का तभी लाभ है जब हम कन्या की रक्षा और उसके सम्मान का संकल्प आज के दिन ले ।तभी शक्ति स्वरूपा देवी मां प्रसन्न होगी।

आज कन्याओं का पूजन
हो रहा है घर घर में
नन्ही मुन्नी कन्याओ को
भोजन कराया जा रहा घर घर में
सबसे पहले मेरे घर आएं देवियाँ
सवेरे से यही होड़ मची है घर घर में
देवी साधक अधिक है
और कन्याएं रह गई कम
अब कहा से लाये कन्याये
यह चिंता बड़ी है घर घर में
दुर्गा अष्टमी पर माँ दुर्गा को
खुश करना आसान है
कन्या भूर्ण की रक्षा हो
यही एक फरमान है
जब भी कन्या को जन्म लेने से
रोकना रुक जायेगा
माँ दुर्गा की साधना का
संकल्प पूरा हो जायेगा।

(लेखक आध्यात्मिक चिंतक व वरिष्ठ पत्रकार है)

संपादकीय

नतीजों के निहितार्थ

जम्मू-कश्मीर ने कम और हरियाणा के नतीजों ने विशेषज्ञों को ज्यादा चौंकाया है। तमाम एग्जिट पोल के नतीजे खासकर हरियाणा में बुरी तरह से नाकाम हुए हैं और भारतीय जनता पार्टी ने यहां लगातार तीसरी बार जीत दर्ज करके इतिहास रच दिया है। भाजपा की यह जीत उसके मनोबल को बहुत बढ़ाएगी। वहां साल 2014 से लगातार भाजपा ही सत्ता में है, पिछली बार उसे बहुमत से कम सीटें मिली थीं, सरकार बनाने के लिए गठबंधन करना पड़ा था, पर इस बार उसे अकेले दम पर बहुमत हासिल होना बहुत मायने रखता है। अभी चार महीने पहले ही लोकसभा चुनाव के जो नतीजे आए थे, उसमें भाजपा और कांग्रेस के खाते में पांच-पांच सीटें गई थीं, जिससे यह अंदाजा लगाया गया था कि हरियाणा में लोग बदलाव चाहते हैं। एग्जिट पोल ने भी बदलाव का ही अनुमान लगाया था, पर हरियाणा में भाजपा के नेताओं को पूरा श्रेय देना होगा। पार्टी में असंतोष और शिकायतों के बावजूद उन्होंने अपनी सरकार बचा ली। दूसरी ओर, कांग्रेस को अति-आत्मविश्वास, नेताओं का असंतोष और शिकायतों का अंबार बहुत भारी पड़ा है। जम्मू-कश्मीर में दस साल बाद हुए चुनाव में नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस के गठबंधन ने बड़ी जीत दर्ज की है। एक समय तो ऐसा लग रहा था कि नेशनल कॉन्फ्रेंस अकेले दम पर ही बहुमत के आंकड़े तक पहुंच जाएगी। पीडीपी का प्रयोग नाकाम रहा है। अच्छी बात यह है कि यहां हवा अलगाववादियों के भी मुताबिक नहीं है। घाटी या कश्मीर के लोगों ने अब्दुल्ला परिवार पर पूरा विश्वास जताया है और उमर अब्दुल्ला जिस तरह से जमीनी आधार पर लोगों से वोट मांग रहे थे, उनका यह तरीका काम कर गया है। करीब पांच महीने पहले ही आम चुनाव में बुरी तरह हारने वाले उमर को विधानसभा चुनाव में अपनी दोनों ही सीटों पर मिली कामयाबी उनके खोए हुए आत्मविश्वास को लौटा देगी। मोटे तौर पर यह कहा जा सकता है कि कश्मीर में जहां लोग नेशनल कॉन्फ्रेंस के पक्ष में हैं, वहीं जम्मू में लोग भाजपा के साथ गए हैं। जम्मू में भाजपा की सफलता और मजबूती का असर यह होगा कि श्रीनगर में सत्ता का संतुलन बना रहेगा। लोगों ने संतुलन बना दिया है और उसी संतुलन के अनुरूप नेशनल कॉन्फ्रेंस-कांग्रेस को चलाना पड़ेगा। चुनाव का एक संदेश यह भी है कि अनुच्छेद-370 से घाटी के लोगों का अभी पूरा मोहभंग नहीं हुआ है। मगर ताजा चुनाव व उसके नतीजे एक नई शुरुआत की तरह हैं और पीछे मुड़कर न देखने में ही जम्मू-कश्मीर की भलाई है। समग्रता में अगर देखें, तो हरियाणा और जम्मू-कश्मीर, दोनों ही जगह भाजपा की मजबूत मौजूदगी बहुत मायने रखती है। अगर जम्मू में भाजपा की सीटें कम हो जातीं और हरियाणा भी अगर हाथ से निकल जाता, तो आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर भाजपा की चिंताएं बहुत बढ़ जातीं। सबसे बड़ा फायदा भाजपा को यह होगा कि महाराष्ट्र ही नहीं, झारखंड में उसका मनोबल बढ़ेगा। राजनीति में हर चुनावी नतीजे के पीछे गंभीर संदेश छिपे होते हैं। जहां कांग्रेस पार्टी को अपनी रणनीति का निर्माण नए सिरे से करना होगा, वहीं भाजपा अगर अपने आंतरिक असंतोष को काबू में रख ले, तो वह अच्छा प्रदर्शन कर सकती है। किसी पार्टी को सत्ता में लगातार रहने का जब मौका मिलता है, तो उसके लिए सबसे जरूरी यही होता है कि वह अपने जमीनी आधार को विकास कार्यों व कुशल व्यवहार से बल प्रदान करती रहे। लोग भी किसी पार्टी या सरकार से यही उम्मीद करते हैं।

बेहतर दुनिया बनाने के लिये मन को स्वस्थ करना जरूरी

(लेखक - ललित गर्ग)

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस- 10 अक्टूबर, 2024

मन की स्वस्थता शरीर की स्वस्थता से भी ज्यादा जरूरी है, क्योंकि जीवन की पूर्णता, सार्थकता एवं सफलता मानसिक स्वास्थ्य पर ही निर्भर है। मन से स्वस्थ व्यक्ति ही दुनिया का सबसे धनी व्यक्ति हो सकता है। मन स्वस्थ रहे एवं आगे से आगे मानसिक स्वास्थ्य बढ़ता जाये, इसी उद्देश्य से विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस हर साल 10 अक्टूबर को दुनिया भर में मनाया जाता है। यह दिवस मानसिक स्वास्थ्य पर प्रकाश डालने, मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाने और मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करने वाले लोगों का समर्थन करने के प्रयासों को प्रोत्साहित करने के लिए मनाया जाता है। इस दिवस का महत्व मानसिक स्वास्थ्य को वैश्विक प्राथमिकता बनाने के अपने मिशन में निहित है। यह दिन मानसिक स्वास्थ्य के बारे में खुली बातचीत को प्रोत्साहित करने और मानसिक स्वास्थ्य के लिए पहल को बढ़ावा देने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है। विश्व मानसिक स्वास्थ्य महासंघ ने विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस 2024 के लिए थीम 'कार्यस्थल पर मानसिक स्वास्थ्य' की घोषणा की है। मानसिक स्वास्थ्य मानसिक तंदुरुस्ती की एक ऐसी स्थिति है जो लोगों को जीवन के तनावों से निपटने, अपनी क्षमताओं को पहचानने, अच्छी तरह से सीखने और काम करने तथा अपने समुदाय में योगदान करने में सक्षम बनाती है। यह स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती का एक अभिन्न अंग है जो निर्णय लेने, संबंध बनाने और जिस दुनिया में हम रहते हैं उसे आकार देने की हमारी व्यक्तिगत और सामूहिक क्षमताओं को रेखांकित करता है।

सुरक्षित, मनोरम, हास्यवर्द्धक, भाररहित, सहायक कार्य वातावरण मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखने में सुरक्षात्मक भूमिका निभाते हैं। हालाँकि भेदभाव, उत्पीड़न, असुरक्षित और खराब कार्य स्थितियों जैसी अस्वस्थ स्थितियाँ मानसिक स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरे पैदा कर सकती हैं। ये चुनौतियाँ जीवन की समग्र गुणवत्ता, कार्य भागीदारी और उत्पादकता पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती हैं। भारतीय परिप्रेक्ष्य में कार्यस्थल पर मानसिक स्वास्थ्य को ताजा करने और एक स्वस्थ और खुशहाल कार्य वातावरण बनाने की ज्यादा अपेक्षा है। शोध के अनुसार, 6 व्यक्तियों में से 1 व्यक्ति कार्यस्थल पर मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का अनुभव करता है और हर साल 12 बिलियन कार्य दिवस अवसाद, तनाव और चिंता के कारण बर्बाद हो जाते हैं। देश में कार्यस्थलों में बेहतर मानसिक स्वास्थ्य सहायता की स्पष्ट आवश्यकता है, जिससे न केवल व्यक्ति को बल्कि संगठन को भी लाभ होगा। वास्तव में, जो कर्मचारी खुश रहते हैं वे 13 प्रतिशत अधिक उत्पादक होते हैं, इसलिए मानसिक स्वास्थ्य सहायता प्रदान करना व्यावसायिक रूप से समझदारी है। मानसिक स्वास्थ्य व्यक्तिगत, पारिवारिक, सामाजिक एवं राष्ट्रीय विकास की प्राथमिकता है। जैसे शरीर की सफाई दिन में कई बार आवश्यक है, वैसे ही मन की सफाई कई बार होनी चाहिए। मिल या अन्य औद्योगिक ईकाइयों में काम करने वालों का कपड़ा थोड़ा-थोड़ा करके शाम तक खराब हो जाता है, वैसे ही मन भी कार्यस्थलों पर तरह-तरह के संकटों, तनावों एवं परेशानियों से खराब होता है। इसके लिये लंबी, गहरी सांस से मानसिक स्वास्थ्य की क्षमता बढ़ाई जा सकती है। मन से लड़े नहीं, बल्कि उसे समझाएं। प्रमोदभाव-गुणात्मक दृष्टि का विकास करें। मन को वॉचमैन बनाकर रखिये। क्योंकि जीने का वास्तविक अर्थ है हर पल स्वयं के द्वारा स्वयं का निरीक्षण। देखना है कि मन कब राग-द्वेष, तनाव, अवसाद, विकास एवं कुंठाग्रस्त हो रहा है।

कार्यस्थल पर मानसिक स्वास्थ्य एक महत्वपूर्ण मुद्दा बनता जा रहा है। कार्यस्थल पर बढ़ते तनाव और उससे जुड़ी मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के साथ, नियोक्ताओं के लिए अपने कर्मचारियों के मानसिक स्वास्थ्य को पहचानना और उसे प्राथमिकता देना महत्वपूर्ण है। अध्ययनों से पता चला है कि कार्यस्थल पर ज्यादा से ज्यादा कर्मचारी दबाव और तनाव महसूस कर रहे हैं और इसकी संख्या बढ़ती जा रही है। 55 प्रतिशत कर्मचारियों को लगता है कि उनका काम ज्यादा तीव्र और मांग वाला होता जा रहा है। इसके अलावा, शोध से पता चलता है कि ब्रिटेन के पाँच में से एक कर्मचारी ने कार्यस्थल पर तनाव और दबाव को प्रबंधित करने में असमर्थता महसूस की। लगभग ऐसी ही स्थितियां भारत में भी देखने को मिल रही है। भारी कार्यभार, तंग समय सीमा और सहायता की कमी जैसे तनाव कर्मचारियों में चिंता, तनाव, अवसाद और बर्नआउट का कारण बन सकते हैं। कई कर्मचारी कमजोर समझे जाने, संभावित रूप से अपनी नौकरी खोने या मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से जुड़ी परेशानियों के कारण मानसिक स्वास्थ्य के बारे में बात करने से डरते हैं। नियोक्ता अपने कर्मचारियों के बीच मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं की आम बात को तेजी से पहचान रहे हैं और कर्मचारियों को उनके मानसिक स्वास्थ्य को समझने और प्रबंधित करने में मदद करने के लिए प्रयास कर रहे हैं। भारत में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड न्यूरो-साइंसेज के आँकड़ों के अनुसार, ज्ञान की कमी, मानसिक बीमारी के कलंक और देखभाल की उच्च लागत जैसे कई कारणों की वजह से 80 प्रतिशत से अधिक लोगों की देखभाल सेवाओं तक पहुँच नहीं है। वर्ष 2012-2030 के दौरान मानसिक स्वास्थ्य स्थितियों के कारण 1.03 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर का आर्थिक नुकसान होने का अनुमान है। भारत में मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों को प्रायः कलंकित किया जाता है और गलत समझा जाता है। कई व्यक्ति एवं परिवार सामाजिक भेदभाव के डर और मानसिक स्वास्थ्य स्थितियों के बारे में जागरूकता की कमी के कारण मदद लेने से झिझकते हैं।

(चिंतन-मनन)

पूर्णता से पूर्णता की ओर

मनुष्य का बाह्य जीवन वस्तुतः उसके आंतरिक स्वरूप का प्रतिबिम्ब मात्र होता है। जैसे ड्राइवर मोटर की दिशा में मनचाहा बदलाव कर सकता है। उसी प्रकार, जीवन के बाहरी ढर्रे में भारी और आश्चर्यकारी परिवर्तन हो सकता है। वाल्मीकि और अंगुलिमाल जैसे भयंकर डाकू क्षण भर में परिवर्तित होकर इतिहास प्रसिद्ध संत बन गये। गणिका और आम्रपाली जैसी वीरांगनाओं को सती-साध्वी का प्रातः स्मरणीय स्वरूप ग्रहण करते देर न लगी। वामित्र और भतृहरि जैसे विलासी राजा उच्च कोटि के योगी बन गये। नृशंस अशोक बौद्ध धर्म का महान प्रचारक बना। तुलसीदास की कामुकता का भक्ति भावना में परिणत हो जाना प्रसिद्ध है। ऐसे असंख्य चरित्र इतिहास में पढ़े जा सकते हैं। छोटी श्रेणी में छोटे-मोटे आश्चर्यजनक परिवर्तन नित्य ही देखने को मिल सकते हैं। इससे स्पष्ट है कि जीवन का बाहरी ढर्रा जो चिर प्रयत्न से बना हुआ होता है, विचारों में भावनाओं में परिवर्तन आते ही बदल जाता है। मित्र को शत्रु बनते, शत्रु को मित्र रूप में परिणत होते, दुष्ट को संत बनते, संत को दुष्टता पर उतरते, कंजूस को उदार, उदार को कंजूस, विषयी को तपस्वी, तपस्वी को विषयी बनते देर नहीं लगती।

आलसी उद्योगी बनते हैं और उद्योगी आलस्यग्रस्त होकर दिन बिताते हैं। दुगरुणियों में सद्गुण बढ़ते और सद्गुणी में दुगरुण उपजते देर नहीं लगती। इसका एकमात्र कारण इतना ही है कि उनकी विचारधारा बदल गई, भावनाओं में परिवर्तन हो गया। संसार का जो भी भला-बुरा स्वरूप हमें दृष्टिगोचर हो रहा है, समाज में जो कुछ भी शुभ-अशुभ दिखाई पड़ रहा है, व्यक्ति के जीवन में जो कुछ उत्कृष्ट-निकृष्ट है, उसका मूल कारण उसकी अंतःस्थिति ही होती है। धनी-निर्धन, रोग-नीरोग, अकाल मृत्यु-दीर्घ जीवन, मूर्ख-विद्वान, घृणित-प्रतिष्ठत और सफल-असफल का बाहरी अंतर देखकर उसके व्यक्तित्व का मूल्यांकन किया जाता है। यह बाहरी भली-बुरी परिस्थितियां मनुष्य के मनोबल, आस्था और अंतःप्रेरणाओं की प्रतीक हैं। भाग्य यदि कभी कुछ करता होगा तो निश्चय ही उसे पहले मनुष्य की मनोरुचि में ही प्रवेश करना पड़ता होगा, जिसकी अंतःगतिविधियां सही दिशा में चलने लगीं हैं। किंतु जिसका मानसिक स्तर चंचलता, अवसाद, अवास, आलस्य, आवेश, दैन्य आदि से दूषित हो रहा है, उसके लिए अच्छी परिस्थितियां और अच्छे साधन उपलब्ध होने पर भी दुर्गति का ही सामना करना पड़ेगा।

विचार मंथन

हरियाणा की जीत मोदी-शाह के लिए नया बूस्टर डोज

(लेखक - सनत जैन)

हरियाणा विधानसभा चुनाव के परिणाम सामने आ गए हैं। हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी की स्पष्ट बहुमत से सरकार बनने जा रही है। हरियाणा के नतीजों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह को एक नया बूस्टर डोज दिया है। ह रियाणा की यह जीत भारतीय जनता पार्टी संगठन की भगदड़ को रोकने के लिए भी एक बूस्टर डोज का काम करेगी। हरियाणा विधानसभा चुनाव के पहले भारतीय जनता पार्टी में भगदड़ की स्थिति देखने को मिली थी। हरियाणा की इस जीत से भाजपा को महाराष्ट्र और झारखंड के चुनाव में एक नई मजबूती मिलना तय है। हरियाणा के विधानसभा चुनाव ने भाजपा को ताकतवर बना दिया है। हरियाणा विधानसभा चुनाव का एक असर यह भी पड़ेगा, राज्यों में और केंद्र में भाजपा के जो सहयोगी दल हैं। उन्हें नियंत्रित करके रख पाने में अब प्रधानमंत्री मोदी सफल होंगे। इसकी एक बानगी दिख गई है, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने हरियाणा की जीत पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई दी है। हरियाणा के चुनाव परिणाम इंडिया गठबंधन के लिए एक सबक के रूप में भी देखे जा रहे हैं। महाराष्ट्र और झारखंड में इंडिया गठबंधन के सहयोगी दल शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट एनसीपी शरद पवार झारखंड मुक्ति मोर्चा इत्यादि के साथ इंडिया गठबंधन और कांग्रेस को विशेष सतर्कता बरतने का संदेश दे दिया है। लोकसभा चुनाव के नतीजे के बाद माना जा रहा था, कि भारतीय जनता पार्टी बहुत कमजोर हो गई है। मोदी और शाह को लगातार संगठन के अंदर से चुनौतियां मिलना शुरू हो गई थी। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के चुनाव को लेकर भी संघ परिवार ने दबाव बना लिया था। हरियाणा विधानसभा की जीत के बाद एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भाजपा संगठन में ताकतवर होकर उभरे हैं। सभी जगह यह माना जा रहा था, हरियाणा के विधानसभा चुनाव में भाजपा की हार तय है। लेकिन ह रियाणा की हारी हुई बाजी को जीतकर एक बार फिर नरेंद्र मोदी ने अपना जादू भाजपा संगठन और संघ परिवार को बता दिया है। इस जादूई करिश्मा के बाद संघ परिवार के लिए भी बहुत आसान नहीं होगा, कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपेक्षा कर सकें। हरियाणा विधानसभा चुनाव के परिणाम ने देश में एक नया राजनीतिक ध्रुवीकरण तैयार कर दिया है। चुनाव केवल धर्म और जाति के आधार पर नहीं लड़े जा सकते हैं। हरियाणा जैसे राज्य में जाट और गैर जाट का नारा देकर भाजपा ने एक नई रणनीति तैयार की है। इस नतीजे से कांग्रेस और इंडिया गठबंधन को सबक लेने की जरूरत है। जीत के 1000 कारण बताए जा सकते हैं। हार के भी 1000 कारण बताये जा सकते हैं। लेकिन जो जीता वही सिकंदर होता है। हरियाणा के विधानसभा चुनाव परिणाम के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सिकंदर के रूप में सामने आए हैं। उनकी जीत के जो कारण बताए जा रहे हैं। वह सही हैं या नहीं इसको लेकर कोई अंतिम तथ्य स्थापित नहीं किया जा सकता है। हां हरियाणा के विधानसभा चुनाव प रिणाम के बाद एक बार फिर चुनाव आयोग, ईवीएम मशीन की बैटरी और चुनाव आयोग की भूमिका एक बार फिर चर्चाओं में आ गई है। भारत का चुनाव आयोग किस तरह से काम कर रहा है। उस पर कैसे विश्वास किया जा सकता है। इसको लेकर पहले भी कई बार आरोप-प्रत्यारोप लग चुके हैं। पहले कोई भी राजनीतिक दल इस मामले में खुलकर सामने नहीं आया था। एडीआर और स्वयंसेवी संगठन ईवीएम मशीन और चुनाव आयोग की भू मिका पर आंदोलन-प्रदर्शन कर रहे थे। हरियाणा विधानसभा चुनाव परिणाम के बाद अब कांग्रेस ने चुनाव आयोग को निशाने पर लिया है। चुनाव प्रक्रिया पर सवाल उठाए हैं। चुनाव आयोग किसी की सुनता नहीं है। चुनाव आयोग में की गई शिकायतों पर आयोग चुप्पी साध लेता है। न्यायपालिका में भी सुनवाई नहीं होती है। ऐसी स्थिति में आगे कुछ होगा, इसको लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है। बहरहाल अभी राजनीति के समीकरण वर्तमान सत्ता के पक्ष में हैं। न्यायपालिका और चुनाव आयोग भी सरकार से प्रभावित है। ऐसी स्थिति में यही कहा जा सकता है। समरथ को नहीं दोष गुसाईं। अभी समर्थता सत्ता पक्ष के पास में है।

ऑटोमोबाइल कंपनी का आईपीओ आ रहा.....पैसा कमाने के लिए रहें तैयार

मुंबई । भारत में अब तक के सबसे बड़े पब्लिक इश्यू (आईपीओ) के आने की तारीख तय हो गई है। हुंडई मोटर इंडिया का आईपीओ दशहरे के बाद आएगा। कंपनी ने अपने पब्लिक इश्यू के लिए प्राइस बैंड सहित सभी शर्तों का ऐलान कर दिया है। हुंडई मोटर इंडिया आईपीओ के द्वारा 14.2 करोड़ इक्विटी शेयरों की बिक्री करेगी। खास बात है कि 2003 में मारुति सुजुकी के बाद भारत में सबसे बड़ी ऑटोमोबाइल कंपनी की लिस्टिंग होगी।

क्या है प्राइस बैंड

हुंडई मोटर इंडिया ने आईपीओ के लिए प्रति शेयर प्राइस बैंड 1,865-1,960 रुपये है। इस इश्यू में कंपनी ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) के तहत 27,000 करोड़ से ज्यादा के शेयर की ब्रिकी करेगी। आईपीओ में 7 शेयरों का एक लॉट होगा यानी एक लॉट खरीदने के लिए निवेशक को 13,720 रुपये खर्च करने होगा। यह इश्यू 15 से 17 अक्टूबर तक के लिए खुलेगा। हालांकि, एंकर निवेशकों के लिए यह आईपीओ 14 अक्टूबर से ओपन हो जाएगा। हुंडई के आईपीओ में 35 फीसदी हिस्सा रिटेल निवेशकों के लिए रिजर्व होगा।

स्पाइसजेट ने बीबीएएम के साथ सुलझाया विवाद

मुंबई । स्पाइसजेट ने विमान पट्टे पर देने वाली कंपनी बैबकॉक एंड ब्राउन एयरक्राफ्ट मैनेजमेंट (बीबीएएम) के साथ 13.2 करोड़ अमेरिकी डॉलर का विवाद सुलझाने की बुधवार को घोषणा की। स्पाइसजेट ने कहा, होराइजन एविएशन 1 लिमिटेड, होराइजन II एविएशन 3 लिमिटेड और होराइजन III एविएशन 2 लिमिटेड के साथ 13.18 करोड़ डॉलर (1,107 करोड़ रुपये) का विवाद 2.25 करोड़ डॉलर में सुलझाया गया है। ये सभी पट्टेदार बीबीएएम के प्रबंधन के अधीन हैं। कंपनी ने कहा, यह समझौता स्पाइसजेट के पिछले माह पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) के द्वारा 3,000 करोड़ रुपये की नई पूंजी प्राप्त करने के बाद किया। इससे स्पाइसजेट को अपना बही-खाते मजबूत करने और समग्र देनदारियों को कम करने में मदद मिली है। स्पाइसजेट के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक अजय सिंह ने कहा, बीबीएएम के साथ यह समझौता हमें अपनी देनदारियों को काफी हद तक कम करने में मदद मिलेगी। क्यूआईपी के द्वारा जुटाई गई धनराशि के साथ वृद्धि पर ध्यान केंद्रित करने, अपने बेड़े को बढ़ाने और अपनी सेवाओं का विस्तार करने के लिए अच्छी स्थिति में हैं।''

नई स्पोर्ट्स बाइक जीएसएक्स-8आर लॉन्च

नई दिल्ली। भारत में वाहन निर्माता कंपनी सुजुकी ने अपनी नई स्पोर्ट्स बाइक सुजुकी जीएसएक्स-8आर लॉन्च की है। जीएसएक्स-8आर ट्रायम्फ डेटोना 660, कावासाकी निंजा 650 और अप्रिलिया आरएस660 जैसी बाइक्स को कड़ी टक्कर देगी। इस बाइक की एक्स-शोरूम कीमत 9,25,000 रुपये रखी गई है। इस बाइक में 776सीसी का पैरेलल-ट्विन इंजन दिया गया है, जो 82पीएस की पावर और 78 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। इंजन को 6-स्पीड गियरबॉक्स के साथ जोड़ा गया है और इसमें बाई-डायरेक्शनल क्विकशिफ्टर भी है, जो गियर शिफ्टिंग को आसान बनाता है। इसके ब्रेकिंग सिस्टम में 310एमएम फ्रंट डुअल डिस्क और 240एमएम रियर डिस्क शामिल है, जो बेहतर सुरक्षा और कंट्रोल प्रदान करते हैं। इसकी आधुनिक तकनीक और शानदार फीचर्स इसे भारतीय बाजार में एक मजबूत विकल्प बनाते हैं। सुजुकी जीएसएक्स-8आर में डुअल-चैनल एबीएस, ट्रैक्शन कंट्रोल, विभिन्न राइडिंग मोड्स, आसान स्टार्ट सिस्टम और लो आरपीएम असिस्ट जैसे एडवांस फीचर्स दिए गए हैं।

आरबीआई गर्वनर ने यूपीआई को लेकर किए दो ऐलान....आपका काम होगा आसान

मुंबई ।

यूपीआई की बढ़ती लोकप्रियता और इस बढ़ावा देने के मकसद से भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने यूपीआई लाइट वॉलेट की सीमा 2,000 से बढ़ाकर 5,000 रुपये और प्रति लेन-देन सीमा बढ़ाकर 1,000 रुपये करने का प्रस्ताव किया है। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा पेश कर कहा कि लगातार नवोन्मेष और स्वीकार्यता के साथ यूपीआई ने डिजिटल भुगतान को आसान और बेहतर किया है। उन्होंने कहा, इसके उपयोग को और प्रोत्साहित करने को लेकर यूपीआई भुगतान में प्रति लेनदेन सीमा 5,000 रुपये से बढ़ाकर 10,000 रुपये करने का प्रस्ताव किया है। साथ ही यूपीआई वॉलेट की सीमा 2,000 रुपये से बढ़ाकर 5,000 करने और प्रति लेन-देन की सीमा को 1,000 रुपये करने का निर्णय किया गया है। वर्तमान में यूपीआई लाइट वॉलेट की सीमा 2,000 रुपये और प्रति लेन-देन 500 रुपये है। आरबीआई के बयान के अनुसार, ऑफलाइन डिजिटल माध्यम से छोटे मूल्य के भुगतान की सुविधा के लिए यूपीआई लाइट से जुड़ी रिजर्व बैंक की रूपरेखा में उपयुक्त संशोधन किया जाएगा। इसके अलावा,

'यूपीआई 123 पे' की सुविधा अब 12 भाषाओं में उपलब्ध होगी। इसके साथ, एनईएफटी (नेशनल इलेक्ट्रॉनिक कोष अंतरण) और आरटीजीएस (रियल टाइम ग्रास सेटलमेंट सिस्टम) में कोष अंतरण को अंतिम रूप देने से पहले यूपीआई और आईएमपीएस (तत्काल भुगतान सेवा) की तरह खाताधारक के नाम के सत्यापन की सुविधा मिलेगी। वर्तमान में, यूपीआई और आईएमपीएस (तत्काल भुगतान सेवा) के तहत पैसा भेजने से पहले भेजने वाले को प्राप्तकर्ता (लाभार्थी) के नाम को सत्यापित करने की सुविधा मिलती है।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में आया बदलाव

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड (कच्चे तेल) की कीमतों में गिरावट दर्ज की गयी है। वहीं इसका असर भारतीय बाजार पर भी पड़ा है। कुछ जगहों पर दाम कम हुए हैं जबकि कुछ में बढ़े हैं। कर्नाटक, केरल और एमपी समेत अन्य प्रदेशों में पेट्रोल-डीजल के दाम घटे हैं। वहीं, असम, बिहार, छत्तीसगढ़ और गोवा समेत कुछ राज्यों में भी कीमतें बढ़ी हैं। गाजियाबाद में पेट्रोल 94.65 रुपये और डीजल 87.75 रुपये प्रति लीटर पर है। लखनऊ में पेट्रोल 94.65 रुपये और डीजल 87.76 रुपये प्रति लीटर और जयपुर में पेट्रोल 104.88 रुपये और डीजल 90.36 रुपये प्रति लीटर हो गया है. चार महानगरों की बात करें तो केवल चेन्नई में पेट्रोल की कीमतें बढ़ी हैं। दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये और डीजल 89.97 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 100.85 रुपये और डीजल 92.44 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर पर मिल रहा है।

जुलाई-सितंबर तिमाही के दौरान आवासीय बिक्री में गिरावट

मुंबई । देश के शीर्ष आठ शहरों में जुलाई-सितंबर तिमाही के दौरान आवासीय बिक्री में पांच प्रतिशत की गिरावट देखी गई है। एक ब्रोकरेज फर्म की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, यह गिरावट नई पेशकश में कमी और कीमतों में तेजी से है। रिपोर्ट में बताया गया कि इस अवधि में कुल 96,544 इकाइयां बेची गईं, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में बेची गई 1,01,221 इकाइयों से पांच प्रतिशत कमी आई हैं। नए आवासीय इकाइयों की पेशकश में भी कमी आई है, जो सालाना आधार पर 1,23,080 इकाइयों से घटकर 91,863 इकाई रह गई। वहीं शीर्ष आठ शहरों में मकानों की कीमतों में औसतन 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। केवल एनसीआर में बिक्री में वृद्धि हुई है, जहाँ बिक्री सालाना आधार पर 29 प्रतिशत बढ़कर 10,098 इकाई हो गई। हालांकि, अन्य प्रमुख शहरों में बिक्री में गिरावट देखी गई है। अहमदाबाद, बेंगलुरू, चेन्नई, हैदराबाद, कोलकाता और मुंबई में बिक्री में कमी आई है। मुंबई महानगर क्षेत्र में बिक्री 30,299 इकाइयों से घटकर 30,010 इकाई रह गई।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई । घरेलू शेयर बाजार बुधवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। आरबीआई के ब्याज दरों में बदलाव नहीं करने के फैसले से भी बाजार पर दबाव बढ़ा है। इसके अलावा दिग्गज कंपनियों रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक के शेयर 1 फीसदी से अधिक गिरे जिससे भी बाजार पर दबाव आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 0.21 अंक करीब 167.71 अंक नीचे आकर 81,467.10 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 50 31.20 अंक तकरीब 0.12 फीसदी टूटकर 24,981.95 के स्तर पर बंद हुआ। आज चीन के शेयरों में सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की गयी। चीन की आर्थिक इकाई ने किसी बड़े प्रौत्साहन पैकेज की घोषणा नहीं की जिससे भी बाजार पर दबाव आया। इसका प्रभाव भारतीय बाजार पर भी पड़ा।

आज निफ्टी एफएमसीजी, ऑयल एंड गैस और मेटल सेक्टर में सबसे बड़ी गिरावट नजर आयी। एफएमसीजी स्टॉक्स आज 1.37 फीसदी नीचे आये। इसके अलावा, बाकी सभी सेक्टर्स आज भी लाभ पर बंद हुए। सबसे ज्यादा, 2.26 फीसदी उछाल निफ्टी रियल्टी सेक्टर में देखने को मिला। निफ्टी फार्मा के शेयर भी 2.12 फीसदी बढ़त रही। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स के 15 शेयर लाभ पर बंद हुए। टाटा मोटर्स के शेयर में 2.10 फीसदी की सबसे अधिक बढ़त देखी गयी। इसके अलावा, टेक महिंद्रा, एसबीआई, मारुति सुजूकी, बजाज फिनसर्व, बजाज फाइनेंस, एक्सिस बैंक, भारती एयरटेल और एचसीएल टेक के शेयर 1 फीसदी से ज्यादा बढ़े। निफ्टी के 31 शेयरों में बढ़त रही। 2.58 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ सिप्ला आज का सबसे अधिक बढ़त वाला शेयर रहा। इसके अलावा, ट्रेंट, टाटा मोटर्स, एसबीआईढ्ढ, टेक महिंद्रा जैसे शेयर सबसे ऊपर रहे। सेंसेक्स और निफ्टी-50, दोनों पर सबसे अधिक नुकसान में आईटीसी का शेयर रहा। आईटीसी का शेयर 3 फीसदी से ज्यादा गिरा। इसके अलावा, सेंसेक्स पर नेस्ले इंडिया के शेयर आज -2.44 फीसदी नीचे आये ओएनजीसी रिलायंस इंडस्ट्रीज, हिंदुस्तान यूनिलिवर, ब्रिटानिया और एलएंडटी के शेयर एक फीसदी से ज्यादा गिरे।

इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला। बाजार में ये बढ़त दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही लिवाली हावी होने से आई है। सुबह सेंसेक्स 167.59 अंक करीब 0.21 फीसदी ऊपर आकर 81,802.40 पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 50 43.55 अंक तकरीबन 0.17 फीसदी बढ़कर 25,056.70

पर कारोबार करता दिखा। सुबह गिफ्ट निफ्टी भी 25 अंकों की बढ़त के साथ 25,157 पर कामकाज करते दिखे। इसके अलावा एशिया-प्रशांत क्षेत्र के बाजारों में भी तेजी आई।

मंगलवार को अमेरिका में वॉल स्ट्रीट के प्रमुख सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुए, जिससे पिछले सत्र में हुआ नुकसान कम हुआ। निवेशकों ने फिर से तकनीकी शेयरों की ओर रुख किया और अब उनका ध्यान आगामी मुद्रास्फीति के आंकड़ों और तीसरी तिमाही की आय रिपोर्ट पर लगा है। जापान का निक्केई 225 एक फीसदी बढ़ा, जबकि टॉपिक्स सूचकांक में 0.5 फीसदी की बढ़त दर्ज की गयी। हांगकांग के हैंग सेंग सूचकांक में भी बढ़त रही और ये 20,964 पर पहुंच गया। इससे पहले सूचकांक में 16 साल की सबसे बड़ी गिरावट आई थी, जिसमें यह 9.41 फीसदी नीचे आकर 20,926.79 पर बंद हुआ था।

वित्त वर्ष 25 की दूसरी तिमाही आरआईएल के लिए कमजोर साबित होगी

चार ब्रोकरेज फर्म का अनुमान

मुंबई।

मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) के मामले में सितंबर 2024 में समाप्त हुई तिमाही (वित्त वर्ष 25 की दूसरी तिमाही) एक और कमजोर तिमाही साबित हो सकती है, क्योंकि रिफाइनिंग मार्जिन में गिरावट दिखी गई है। ब्रोकरेज कंपनियों आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज, कोटक सिक्योरिटीज और नुवामा को इसकी आशंका है कि वित्त वर्ष 25 की दूसरी तिमाही में दर्ज किए गए लाभ में एक साल पहले के मुकाबले एक से लेकर 13 प्रतिशत की गिरावट आ सकती है। विश्लेषकों के उपलब्ध अनुमानों के आधार पर इस अवधि के दौरान राजस्व में अधिकतम 10 प्रतिशत तक की वृद्धि हो सकती है।

उपलब्ध विश्लेषक अनुमानों के आधार पर, इसी अवधि के लिए राजस्व में अधिकतम 10 प्रतिशत तक की वृद्धि हो सकती है। नुवामा के विश्लेषकों ने कहा कि उन्हें ओ2सी (तेल से लेकर रसायन) श्रेणी में नरमी के कारण कंपनी के समेकित एबिटा में छह प्रतिशत की गिरावट के आसार नजर आ रहे हैं। आंशिक रूप से इसकी भरपाई उपभोक्ता कारोबारों तथा तेल और गैस श्रेणी में मजबूत प्रदर्शन से की जा रही है। ब्रोकरेज कंपनी को उम्मीद है कि ओ2सी कारोबार के मामले में एबिटा एक साल पहले की तुलना में 27 प्रतिशत कम होगा। ओ2सी आरआईएल की तेल से लेकर रसायन वाली श्रेणी है। तेल से लेकर दूरसंचार तक में कारोबार करने वाला यह समूह 14 अक्टूबर को वित्त वर्ष 25 की दूसरी तिमाही के अपने वित्तीय परिणामों की घोषणा करने वाला है। अगर विश्लेषकों के अनुमान सही साबित होते हैं, तो आरआईएल के समेकित शुद्ध लाभ में गिरावट वाली यह लगातार तीसरी तिमाही होगी। जून 2024 में समाप्त तिमाही में आरआईएल के समेकित लाभ में एक साल पहले की तुलना में 5.5 प्रतिशत की गिरावट आई थी। ब्लूमबर्ग की रायशुमारी में छह विश्लेषकों ने 2.39 लाख करोड़ रुपये के राजस्व का अनुमान लगाया और तीन विश्लेषकों ने 20,045 करोड़ रुपये की समायोजित शुद्ध आय का अनुमान लगाया है। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज ने आरआईएल के सकल रिफाइनिंग मार्जिन में तिमाही आधार पर 0.8 डॉलर प्रति बैरल की गिरावट का अनुमान लगाया है।

चीन को लेकर क्यों सच साबित हुईं आंशकाएं

मुंबई। चीन के शेयर बाजारों में करीब 10 दिन से जारी तेजी पर ब्रेक लग गया है। चीनी सरकार ने इकॉनमी में जान डालने के लिए बड़े प्रोत्साहन पैकेज की घोषणा की थी। इसके बाद भारत से विदेशी निवेशकों ने भारी बिकवाली कर चीन में पैसा लगाया था। लेकिन आशंका थी कि चीन की हवाई घोषणाओं का जमीन पर असर देखने को नहीं मिलेगा। इसमें इनवेस्को लिमिटेड, जेपी मॉर्गन एसेट मैनेजमेंट, एचएसबीसी ग्लोबल प्राइवेट बैंकिंग एंड वेल्थ और नोमुरा होल्डिंग्स इंक शामिल थे। आखिरकार उनकी आशंका सही साबित हुई। बुधवार को चीन के शेयर बाजार में गिरावट आई। एक हफ्ते की छुट्टी के बाद मंगलवार को जब चीन के बाजार खुले थे, तब उसमें काफी तेजी दिखाई दी थी। हालांकि हॉन्ग कॉन्ग के शेयर बाजार में गिरावट आई। सितंबर के अंत से चीनी शेयरों में तेजी आई क्योंकि शी सरकार ने आर्थिक, वित्तीय और बाजार-समर्थन उपायों की बौछार से निवेशकों के विश्वास को फिर से मजबूत किया। हैंग सेंग चाइना एंटरप्राइजेज इंडेक्स में हॉन्ग कॉन्ग में लिस्टेड चीनी शेयर शामिल हैं। हाल में इसमें 35 प्रतिशत से अधिक उछाल आई। इस बीच घरेलू शेयर बाजार में लगातार दूसरे दिन तेजी आई है। पिछले हफ्ते इसमें पांचों दिन गिरावट आई थी और सोमवार को भी बाजार गिरा था। मंगलवार को बाजार में तेजी लौटी और बुधवार भी यह तेजी के साथ ट्रेड कर रहा है।

इलेक्ट्रिक मोटर, सीसीटीवी और स्मार्ट हेल्थकेयर बाजार में ताइवानी कंपनियों के लिए बंपर मौका

मुंबई ।

मोदी सरकार द्वारा एंड-टू-एंड इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों के स्थानीय विनिर्माण पर जोर दिया जा रहा है। इस बीच, नई रिपोर्ट के अनुसार, ताइवानी कंपनियों के लिए प्रिंटेड सर्किट बोर्ड (पीसीबी), इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों में 15 अरब डॉलर के बड़े अवसर मौजूद हैं।

फेडरेशन ऑफ इंडियन चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) की रिपोर्ट के मुताबिक, इलेक्ट्रिक मोटर, सीसीटीवी और स्मार्ट हेल्थकेयर (फिटनेस ट्रैकर, स्मार्टवॉच, हृदय गति मॉनिटर) जैसे अन्य क्षेत्र भी ताइवान के लिए आशाजनक हैं। भारत में ताइवान के लिए इन सभी क्षेत्रों में 60 बिलियन डॉलर का लक्षित बाजार है। ताइवान इंडस्ट्री इन क्षेत्रों में घरेलू बाजार के साथ निर्यात के लिए भी निवेश कर सकती है। रिपोर्ट में बताया गया है कि 2030 तक पांच प्रमुख क्षेत्रों में बाजार की मांग 170 बिलियन डॉलर रहेगी। ताइवान और भारत के बीच मजबूत साझेदारी के पारस्परिक लाभ हैं। निष्कर्ष बताते हैं कि कैसे ताइवानी कंपनियां भारत के तेजी से होते विकास का लाभ उठा अपनी उच्च तकनीकी विशेषज्ञता का योगदान दे सकती हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है, ताइवान की तकनीकी प्रगति और भारत के बढ़ते बाजार के संयोजन से दोनों देशों के लिए एक साथ समृद्ध होने का रणनीतिक मार्ग तैयार होगा। भारत सेमीकंडक्टर मिशन (आईएसएम) और पीएलआई योजना सहित निवेश-समर्थक पहल बुनियादी ढांचे और लॉजिस्टिक्स पर जोर के साथ ताइवानी कंपनियों के लिए भारत को एक आदर्श साझेदार बनाती है। फिक्की की रिपोर्ट में कहा गया है कि इन रणनीतिक साझेदारी की जरूरतों को पूरा करने में भारत कई दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों की तुलना में बेहतर है। अपने लार्ज स्किल्ड वर्कफोर्स, अनुकूल कारोबारी माहौल और मजबूत सरकारी नीतियों के साथ, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण, हरित ऊर्जा, ईवी, स्मार्ट शहरों और सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) जैसे क्षेत्रों में निवेश के लिए एक शीर्ष गंतव्य के रूप में उभर रहा है।

नई स्पोर्ट्स कार बीएमडब्ल्यू एम4 सीएस की कीमत है 1.89 करोड़ रुपये

नई दिल्ली ।

लग्जरी कार निर्माता कंपनी बीएमडब्ल्यू ने अपनी नई स्पोर्ट्स कार बीएमडब्ल्यू एम4 सीएस को भारतीय बाजार में लॉन्च कर दिया है। इस नई कार की एक्स-शोरूम कीमत 1.89 करोड़ रुपये रखी गई है। एम4 सीएस को और तेज बनाने के लिए इसमें कई मैकेनिकल बदलाव किए गए हैं।यह बीएमडब्ल्यू की पहली सीएस मॉडल कार है जिसे भारत में लॉन्च किया गया है। इसमें पुरानी एम4 जैसा 3.0-लीटर ट्विन-टर्बो स्ट्रेट-सिक्स इंजन दिया गया है, जो 550 एचपी की पावर और 650 एनएम का टॉर्क जेनरेट करता है। यह कार 0-100 किमी/घंटे की रफ्तार महज 3.4 सेकंड में पकड़ सकती है और इसकी टॉप स्पीड 302 किमी/घंटा है। बीएमडब्ल्यू एम4 सीएस में 14.9 इंच का टचस्क्रीन, 12.3 इंच का डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और बीएमडब्ल्यू ऑपरेटिंग सिस्टम 8.5 दिया गया है। यह कार उन्नत तकनीक और सुरक्षा फीचर्स के साथ पेश की गई है, जो इसे भारतीय बाजार में एक प्रीमियम विकल्प बनाती है।कार के फीचर्स में कार्बन बकेट सीट, 6 एयरबैग, एबीएस के साथ ब्रेक असिस्ट, डायनेमिक स्टेबिलिटी कंट्रोल (डीएससी), इलेक्ट्रोमैकेनिकल पार्किंग ब्रेक, इसोफिक्स चाइल्ड सीट माउंटिंग, टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम और साइड-इम्पैक्ट प्रोटेक्शन शामिल हैं।

आरबीआई ने ब्याज दरों में नहीं किया बदलाव, 6.5 फीसदी पर बनी रहेगीं दरें

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक यानी आरबीआई नें एक बार फिर राहत भरा फैसला लिया है। इससे न तो लोन की ईएमआई बढ़ेगी और न ही लोन महंगे होंगे। ये इसलिए संभव हुआ है कि आरबीआई ने 10वीं बार ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं करने का फैसला किया है। यह निर्णय 7 अक्टूबर से चल रही मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक में लिया गया, जिसकी जानकारी आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने बुधवार को दी। अंतिम बार फरवरी 2023 में ब्याज दरों में 0.25 प्रतिशत की वृद्धि की गई थी। बता दें कि बैंक ने लगातार 10वीं बार ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया है। गवर्नर शक्तिकांत दास ने बैठक में बताया कि आने वाली तिमाहियों में भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति काफी अच्छी रह सकती है। इस परिप्रेक्ष्य में, उन्होंने अपने आर्थिक अनुमान में इजाफा किया है। तीसरी तिमाही में जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 7.4प्रतिशत रखा गया है, जबकि पहले यह 7.2प्रतिशत था। चौथी तिमाही के लिए भी ग्रोथ का अनुमान 7.4प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो पहले 7.3प्रतिशत था। वहीं, अगले वित्त वर्ष की पहली तिमाही में ग्रोथ का अनुमान 7.3प्रतिशत रखा गया है, जबकि पहले यह 7.2प्रतिशत था। आरबीआई ने मौजूदा वित्त वर्ष की ग्रोथ अनुमान में कोई बदलाव नहीं करते हुए 7.2प्रतिशत पर कायम रखा है। दूसरी ओर, दूसरी तिमाही के ग्रोथ अनुमान को 7.2प्रतिशत से घटाकर 7प्रतिशत कर दिया गया है। आरबीआई ने महामारी के दौरान मार्च 2020 से अक्टूबर 2020 तक ब्याज दरों में दो बार 0.40प्रतिशत की कटौती की थी। इसके बाद अगली 10 बैठकों में, सेंट्रल बैंक ने 5 बार ब्याज दरों में बढ़ोतरी की, चार बार कोई बदलाव नहीं किया और एक बार अगस्त 2022 में 0.50 प्रतिशत की कटौती की। इससे पहले, 18 सितंबर को अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरों में 0.5 प्रतिशत की कटौती की थी। चार साल बाद की गई इस कटौती के बाद, अमेरिका की ब्याज दरें 4.75प्रतिशत से 5.25प्रतिशत के बीच हो गईं। अमेरिका की आर्थिक स्थिति का असर दुनियाभर की अर्थव्यवस्थाओं पर पड़ता है। हालांकि, देश के नागरिकों ने **RBI** से ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदें लगाई थीं, खासकर जब जुलाई और अगस्त के महंगाई के आंकड़े 4प्रतिशत से नीचे आए थे। लेकिन, विशेषज्ञों का मानना है कि इस वित्त वर्ष में आरबीआई रेपो रेट में कोई कटौती नहीं करेगा। यह संकेत भी है कि आने वाले समय में, जब तक जियो-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की कीमतें बढ़ती रहेंगी, आरबीआई सतर्कता बरतेगा। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि यह जरूरी नहीं है कि सभी सेंट्रल बैंक एक जैसा निर्णय लें, क्योंकि भारत की भूगोल और जनसांख्यिकी अन्य देशों से भिन्न है।

नौ नए दिग्गज लार्जकैप शेयर मिडकैप श्रेणी में शामिल होंगे

अदाणी टोटाल गैस, श्री सीमेंट, यूबीआई, मैनकाइंड और आईडीबीआई बैंक आदि होंगे शामिल

नई दिल्ली ।

एम्फी हर साल जनवरी के शुरू में और जुलाई में इस सूची में संशोधन करता है। शेयरों के पिछले 6 महीने के प्रदर्शन के आधार पर उनकी श्रेणी में बदलाव किया जाता है। पिछले 6 महीने के दौरान औसत बाजार पूंजीकरण के आधार पर शीर्ष-100 कंपनियां लार्जकैप, उसके बाद की 150 कंपनियां मिडकैप, जबकि शेष को स्मॉलकैप के तौर पर वर्गीकृत किया जाता है। इन कंपनियों के टॉप 100 की सूची में शामिल होने से नौ मौजूदा लार्जकैप शेयर मिडकैप श्रेणी में चले जाएंगे। संभावित स्थानांतरण में अदाणी टोटाल गैस, श्री सीमेंट, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, मैनकाइंड फार्मा और आईडीबीआई बैंक आदि शामिल हैं। लार्जकैप, मिडकैप और स्मॉलकैप श्रेणियों में शेयरों के वर्गीकरण से फंड प्रबंधकों को लेबल के प्रति ईमानदार बने रहने में मदद मिलती है। इक्विटी एमएफ श्रेणियों ने लार्जकैप, मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में निवेश के अनुपात पर सीमाएं तय की हैं। जिन स्मॉलकैप शेयरों के मिडकैप श्रेणी में शामिल होने की संभावना है, उनमें जीई टीऐंडटी इंडिया, 360 वन डब्ल्यूएएम, आदित्य बिड़ला फैशन ऐंड रिटेल, चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट ऐंड फाइनैंस कंपनी और इमामी मुख्य रूप से शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार हाल में सूचीबद्ध हुए तीन नए शेयरों- प्रीमियर एनर्जीज, ओला इलेक्ट्रिक और ब्रेनबीज सॉल्युशंस को भी मिडकैप सूची में जगह मिलने की संभावना है। दिलचस्प बात यह है कि यदि भारतीय इक्विटी में इस वर्ष अब तक दर्ज की गई वृद्धि जारी रहती है, तो जनवरी 2025 में नई समीक्षा के बाद लार्जकैप के रूप में शेयरों के लिए कट-ऑफ यानी पात्रता संबंधित सीमा लगभग 1 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकती है।

लार्जकैप सूची में प्रवेश के लिए एमकैप संबंधित कट-ऑफ जनवरी 2020 में 25,587 करोड़ रुपये पर थी, जो जुलाई 2024 तक बढ़कर 84,000 करोड़ रुपये के पार पहुंच गई। मिडकैप के मामले में यह सीमा समान अवधि के दौरान तीन गुना से ज्यादा बढ़कर 27,560 करोड़ रुपये हो गई। मौजूदा समय में कई मिडकैप आकार में लार्जकैप के तुलना योग्य हैं, जबकि बड़े स्मॉलकैप अब मिडकैप के तौर पर श्रेणीबद्ध हो रहे हैं। लार्जकैप के लिए बढ़ते कट-ऑफ के कारण लार्जकैप श्रेणी में शेयरों की संख्या मौजूदा 100 से बढ़ाने की जरूरत है।

आईसीसी रैंकिंग : अर्शदीप ने गेंदबाजों की सूची में शीर्ष 10 में बनाई जगह

दुबई (एजेंसी)। भारत के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह लगातार अच्छे प्रदर्शन की बदौलत बुधवार को जारी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में गेंदबाजों की सूची में शीर्ष 10 में जगह बनाते हुए आठवें पायदान पर पहुंच गए।

बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप ने पिछले रविवार को ग्वालियर में बांग्लादेश के खिलाफ पहले टी20 मुकाबले में 14 रन देकर तीन विकेट चटकाए थे। वह 642 रेटिंग अंकों के साथ आठ पायदान की छलांग लगाकर आठवें स्थान पर पहुंच गए। वह शीर्ष 10 में शामिल एकमात्र भारतीय गेंदबाज हैं। इंग्लैंड के आदिल राशिद सबसे छोटे प्रारूप में शीर्ष रैंकिंग वाले गेंदबाज बने हुए हैं जबकि वेस्टइंडीज के अकील हुसैन दूसरे और अफगानिस्तान के राशिद खान तीसरे स्थान पर हैं।

आईसीसी ने अपनी वेबसाइट पर कहा, 'ताजा रैंकिंग अपडेट में अर्शदीप को भी काफी फायदा हुआ है, बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने टी20 गेंदबाजों की अपडेट की गई सूची में आठ पायदान की छलांग लगाई है और बांग्लादेश के खिलाफ तीन विकेट लेने के बाद अपने करियर की सर्वोच्च रेटिंग हासिल की है।'

बांग्लादेश के खिलाफ 16 गेंद में पांच चौकों और दो छक्कों की मदद से नाबाद 39 रन की पारी खेलने वाले हार्दिक पंड्या बल्लेबाजों की सूची में सात पायदान ऊपर चढ़कर 60वें स्थान पर पहुंच गए। इस शीर्ष भारतीय ऑलराउंडर ने 26 रन देकर एक विकेट भी चटकाया और ऑलराउंडरों की सूची में चार पायदान ऊपर चढ़कर तीसरे स्थान पर पहुंच गए। इंग्लैंड के लियाम लिविंगस्टोन ऑलराउंडरों की सूची में शीर्ष पर हैं और नेपाल के दीपेंद्र सिंह ऐरी दूसरे स्थान पर हैं।

भारत के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल बल्लेबाजों की सूची में एक पायदान नीचे पांचवें स्थान पर आ गए। उन्हें पाकिस्तान के बाबर आजम ने पीछे छोड़ दिया। जायसवाल बांग्लादेश के खिलाफ तीन टी20 मैच की श्रृंखला के लिए भारतीय टीम का हिस्सा नहीं हैं। वाशिंगटन सुंदर ने भी अपनी रैंकिंग में सुधार किया है और वह टी20 गेंदबाजों की सूची में चार पायदान ऊपर चढ़कर 35वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

भारतीय टीम की जीत का श्रेय गंभीर नहीं रोहित को दें: गावस्कर

मुम्बई (एजेंसी)। महान क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने कहा है कि बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट में जीत का श्रेय कोच गौतम गंभीर को नहीं कप्तान रोहित शर्मा को दिया जाना चाहिये। गावस्कर ने कहा कि रोहित की कप्तानी में भारतीय टीम पिछले कुछ साल में आक्रामक रणनीति से उतरते हुए जीत दर्ज कर रही है। रोहित के इस निडर प्रयास से टीम की शैली बदल रही है।

गावस्कर ने कानपुर टेस्ट में भारत की जीत के लिए लिए गंभीर को अधिक मान्यता देने को गलत बताया है। साथ ही कहा कि ये एक प्रकार की चापलूसी है। गावस्कर ने लिखा, जबकि कप्तान बेन स्टोक्स और कोच मैकुलम के आने के बादद तहत इंग्लैंड की बल्लेबाजी का तरीका पूरी तरह से बदल गया, वहीं हमने पिछले कुछ वर्षों में देखा है कि रोहित भी इसी तरह से बल्लेबाजी कर रहे हैं और अपनी टीम को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। गंभीर को कोचिंग दिए हुए अभी कुछ महीने ही हुए हैं, इसलिए इस रवैये को गंभीर का बताना गलत है। साथ ही कहा कि गंभीर ने शायद ही कभी इस तरह से बल्लेबाजी की हो, जैसा मैकुलम किया करते थे। अगर कोई श्रेय दिया जाना चाहिए, तो वह केवल रोहित को है और किसी और को नहीं। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार इंग्लैंड के आक्रामक अंदाज के लिए बाजबॉल शब्द का प्रयोग हो रहा वह टेस्ट क्रिकेट के लिए अच्छा है। इसमें बल्लेबाज आउट होने का डर नहीं रखता और खुलकर खेलता है।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में यशस्वी के होने से भारत को पुजारा की कमी नहीं खलेगी: वॉटसन

मेलबर्न (एजेंसी)। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर शेन वॉटसन ने कहा है कि इस बार बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम के पास चेतेश्वर पुजारा जैसा बल्लेबाज नहीं है। वॉटसन के अनुसार इसके बाद भी भारतीय टीम को परेशानी नहीं होगी क्योंकि उसके पास यशस्वी जायसवाल जैसा युवा सलामी बल्लेबाज है। पुजारा के बारे में बात करते हैं, तो वह कोई गलती नहीं करते। जबकि आपने भारत के कई ऐसे बल्लेबाजों को देखा है जो काफी हद तक ऐसे ही हैं। जैसे कि शीर्ष क्रम के बल्लेबाज यशस्वी उन्होंने बहुत तेजी से रन बनाए हैं, लेकिन उन्होंने कोई गलती नहीं की है। उन्होंने विपक्षी टीम को अब तक बहुत कम ऐसे मौके दिए कि वे उन्हें आउट करने में सक्षम हो पाएं। मुझे लगता है कि अगर ऐसे बल्लेबाज ऑस्ट्रेलिया आकर आक्रामकता के साथ खेलें और खराब गेंदों पर पर बड़े स्ट्रोक लगाये तो गेंदबाजों पर दबाव आ जाएगा। पिछले कुछ समय में भारतीय टीम लगाता बेहतर हुई है। सीमित ओवरों के बाद अब टीम टेस्ट फॉर्मेट में भी अपनी श्रे?ठता साबि?त कर रही है। बॉडर-गावस्कर ट्रॉफी के पिछले दो दौरे भारत के नाम रहे, और उसमें पुजारा ने अहम भूमिका निभाई थी पर इस बार वह टीम में नहीं हैं। यशस्वी टीम में मुख्य बल्लेबाज की भूमिका में नजर आयेंगे। शानदार फॉर्म में चल रही भारतीय टीम आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की रेस में अपना अभियान ऑस्ट्रेलिया में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के साथ समाप्त करेगी। रोहित शर्मा की कप्तानी वाली टीम ऑस्ट्रेलिया रवाना होने से पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर तीन मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी। आस्ट्रेलिया के साथ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज 22 नवंबर को पर्थ में शुरू होगी। भारत के पास ऑस्ट्रेलिया में तीन टेस्ट सीरीज जीतने वाली इस सदी की दूसरी टीम बनने का मौका होगा। भारत ने ऑस्ट्रेलियाई धरती पर पिछला दो टेस्ट सीरीज जीता है और अब वह अपनी जीत की लय को आगे बढ़ाना चाहेगा। हालांकि पुजारा की गैर हाज?री में भारतीय टीम के लिए यह इतना आसान नहीं हो सकता। टीम से बाहर चल रहे पुजारा ने भारत की दोनों सीरीज जीत में अहम भूमिका निभाई थी। 2018-19 और 2020-21 के दौरों पर पुजारा ने 2186 गेंदों का सामना करते हुए 792 रन बनाए थे। 2018/19 सीरीज में वह सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी थे। भारत ने ऑस्ट्रेलिया में अपनी पहली टेस्ट सीरीज जीती थी।

पिछले सत्र में विवादास्पद तरीके से हटने के बाद ईशान किशन की झारखंड के कप्तान के तौर पर वापसी

रांची (एजेंसी)। । भारतीय बल्लेबाज ईशान किशन की झारखंड रणजी टीम में कप्तान के रूप में वापसी हुई जिन्हें पिछले सत्र में विवादास्पद तरीके से हटने के बाद भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के केंद्रीय अनुबंध से बाहर कर दिया गया था। दिसंबर 2022 में ऋषभ पंत की सड़क दुर्घटना के बाद भारत की सफेद गेंद वाली टीम में नियमित रूप से शामिल हुए ईशान ने पिछले साल भारत के दक्षिण अफ्रीका दौरे के दौरान ब्रेक लिया था। ब्रेक के बाद उन्होंने बीसीसीआई के किसी भी आधिकारिक मैच में हिस्सा नहीं लिया जबकि बोर्ड ने खिलाड़ियों को घरेलू क्रिकेट को प्राथमिकता देने पर जोर दिया था।

इस 26 वर्षीय खिलाड़ी ने फरवरी में वापसी की और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से पहले निजी तौर पर आयोजित डीवाई पाटिल टी20 कप में खेले। इससे फ्रेंचाइजी क्रिकेट और राज्य प्रतिबद्धताओं के बीच संतुलन को लेकर बहस शुरू हो गई। घरेलू क्रिकेट से इस दौरान उनकी अनुपस्थिति ने उन्हें बीसीसीआई के 2023-24 केंद्रीय अनुबंध से बाहर कर दिया। हालांकि ईशान ने घरेलू क्रिकेट में मजबूत प्रदर्शन से बीसीसीआई का ध्यान आकर्षित किया। पिछले महीने उन्होंने दलीप ट्रॉफी में भारत सी के लिए शतक जड़ा। फिर उन्होंने ईरानी कप में शेष भारत का भी प्रतिनिधित्व किया और एकमात्र पारी में 38 रन बनाए।

अब झारखंड की 16 सदस्यीय टीम के कप्तान के रूप में वह युवा टीम का नेतृत्व करने के लिए तैयार हैं। पिछले सत्र के कप्तान विराट सिंह उप कप्तान और कुमार कुशाग्र विकेटकीपर होंगे। झारखंड एलीट ग्रुप डी में गुवाहाटी में असम के खिलाफ अपना रणजी ट्रॉफी अभियान शुरू करेगा। पिछले सत्र में झारखंड ग्रुप ए में नीचे से तीसरे स्थान पर रहा था। उसने अपने सात मैचों में से दो जीते, दो हारे और तीन ड्रॉ किए। झारखंड की चयन

समिति के अध्यक्ष सुब्रतो दास ने 'ईएसपीएनक्रिकइन्फो' से कहा, ''ईशान एक अनुभवी खिलाड़ी हैं और उनके पास अंतरराष्ट्रीय अनुभव है। हमने युवा टीम चुनी है। सौरभ तिवारी, शाहबाज नदीम और वरुण आरोन सभी ने पिछले सत्र के बाद संन्यास ले लिया इसलिए हमें अपनी रणनीति पर फिर से विचार करना पड़ा।

विराट को आदर्श मानते हैं नित्या पंड्या

चेन्नई ।ऑस्ट्रेलिया की अंडर19 टीम के खिलाफ दूसरे यूथ टेस्ट में 94 रन बनाने वाले भारतीय अंडर-19 टीम के खिलाड़ी नित्या पंड्या अपना आदर्श विराट कोहली को मानते हैं। नित्या के अनुसार विराट की तरह स्लेज करो और किंग की तरह बल्लेबाजी करो। नित्या ने ऑस्ट्रेलिया की अंडर19 टीम के खिलाफ दूसरे यूथ टेस्ट में 94 रन बनाये थे। नित्या की इस पारी से ही भारतीय अंडर-19 टीम ने मैच के पहले दिन ही 5 विकेट पर 316 रन बना लिए थे। नित्या ने इससे पहले यूथ टेस्ट मैच में 9 और 51 रन बनाये थे। नित्या के कोच दिग्विजय ने कहा, 'वह अपना स्वाभाविक खेल खेलता है और दबाव में नहीं आता।' वह शुरू से ही विराट से प्रभावित रहा है। उन्होंने कहा, 'मैदान पर लगातार बातें करना या स्लेज करना उसने कोहली को देखकर ही सीखा है। वह कोहली की तरह बनना चाहता है। कोहली के जैसे शॉट खेलना, आक्रामक रहना उसे सबसे अधिक पसंद है। इसलिए अगर वह मैदान पर शांत है तो समझ लीजिए कि उसके दिमाग में कुछ चल रहा होगा।'

जो रूट ने एलिस्टेयर कुक का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ा, टेस्ट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बने

मुल्तान । इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज जो रूट ने बुधवार को मुल्तान क्रिकेट स्टेडियम में पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट के तीसरे दिन 12,473 रन बनाकर एलिस्टेयर कुक को पीछे छोड़ दिया है। रूट टेस्ट क्रिकेट में इंग्लैंड के लिए सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। रूट ने दिन की शुरुआत पाकिस्तान की पहली पारी के 556 रनों के जवाब में 32 रन से की और इंग्लैंड के दिग्गज कुक (12472 रन) को पीछे छोड़कर सर्वकालिक टेस्ट सूची में पांचवें स्थान पर पहुंचने के लिए उन्हें सिर्फ 39 रन की जरूरत थी। उन्होंने आगे बढ़कर एक शानदार ऑन-ड्राइव खेला जो तेजी से बाउंड्री तक पहुंचा और रिकॉर्ड बनाया। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने सिर्फ 147 टेस्ट और 268 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की, जबकि कुक ने 161 टेस्ट और 291 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की थी। टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक रनों की सूची में रूट से आगे सिर्फ सचिन तेंदुलकर, रिकी पोंटिंग, दक्षिण अफ्रीका के जैक्स कैलिस और राहुल द्रविड़ हैं। इससे पहले रूट ने अगस्त में श्रीलंका के खिलाफ लॉर्ड्स टेस्ट के दौरान अपना 33वां और 34वां टेस्ट शतक जड़कर कुक को पीछे छोड़ दिया था। इस तरह वे टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले इंग्लैंड के खिलाड़ी बन गए थे।

युवराज ने की अभिषेक की खिंचाई, दिमाग का सही इस्तेमाल करें

ग्वालियर ।युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा बांग्लादेश के खिलाफ पहले टी20 मैच में अच्छी शुरुआत के बाद भी बड़ी पारी नहीं खेल पाये। अभिषेक 7 गेंदों पर 16 रन बनाकर रन आउट हो गए। इससे वह बेहद निराश नजर आये।अभिषेक ने सोशल मीडिया में पोस्ट साझा कर लिखा, हर रन, हर गेंद-यह सब टीम के लिए है।इसी को लेकर पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने भी उनकी खिंचाई की है। युवराज ने लिखा कि हमें दिमाग का सही इस्तेमाल करना चाहिये। गौरतलब है कि कुछ समय पहले ही अभिषेक ने अपना पहला टी20 शतक लगाया था। बीसीसीआई द्वारा जारी एक वीडियो में अभिषेक ने शतक के बाद युवराज सिंह के साथ अपनी बातचीत के बारे में बताया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि जब वह शून्य पर आउट हुए थे तो युवराज बहुत खुश थे।उन्होंने कहा था, उन्होंने कहा कि मुझे नहीं पता क्यों, लेकिन जब मैं शून्य पर आउट हुआ तो वह बहुत खुश थे। उन्होंने कहा कि यह एक अच्छी शुरुआत है। मुझे लगता है कि उन्हें मेरे परिवार की तरह ही मुझ पर बहुत गर्व होना चाहिए। युवराज और अभिषेक के बीच का रिश्ता काफी गहरा है। ये ऐसा ही है जो एक पूर्व और एक मौजूदा भारतीय क्रिकेटर के बीच होता है।अभिषेक ने एक वीडियो में कहा था, मैं उनकी वजह से इस स्तर पर खेल रहा हूं।उन्होंने मुझ पर बहुत मेहनत की है।

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का फाइनल पाकिस्तान में नहीं दुबई में होगा! भारत के हिसाब से बदलेगा वेन्यू

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का आयोजन अगले साल फरवरी-मार्च में पाकिस्तान में होना है। भारतीय टीम के पाकिस्तान जाने को लेकर बीसीसीआई सचिव जय शाह ने पहले ही साफ-साफ इनकार कर दिया है और हाइब्रिड मॉडल के तहत टूर्नामेंट खेले जाने को लेकर मांग की है।

वहीं इस बीच टेलीग्राफ यूके की एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत के चैंपियंस ट्रॉफी के मैच पाकिस्तान से बाहर कराए जा सकते हैं। अगर भारतीय टीम फाइनल में जगह बनाने में कामयाब हुई तो इसे भी बाहर ही कराया जाएगा।

दरअसल, पाकिस्तान में अगले साल आयोजित होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारत के पाकिस्तान जाने को लेकर चर्चा काफी तेजी से हो रही है। टेलीग्राफ यूके कि रिपोर्ट के मुताबिक, अगर भारत फाइनल में पहुंचता है तो चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल लाहौर से दुबई कराया जा सकता है।

ऐसे में चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल से कुछ दिन पहले तक आयोजन वेन्यू को लेकर सस्पेंस बना रहेगा। भारत अपने मैच पाकिस्तान में नहीं खेलेगा क्योंकि कथित तौर पर पड़ोसी देशों के बीच राजनीतिक तनाव के कारण बीसीसीआई टीम भेजने को तैयार नहीं है।

अभी तेज गेंदबाजी से अधिक निरंतरता पर ध्यान दे रहे मयंक यादव

ग्वालियर । युवा तेज गेंदबाज मयंक यादव ने कहा है अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निरंतरता जरूरी है।इसलिए वह अभी उसी पर ध्यान दे रहे हैं हालांकि गेंद की गति भी हमेशा से ही उनके दिमाग में रही है।मयंक ने चोट से वापसी के बाद बांग्लादेश के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज के पहले ही टी 20 मुकाबले में शानदार प्रदर्शन किया था। इस तेज गेंदबाज ने कहा कि तेज गति से वह प्रभावित रहे हैं पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में फिटनेस बनाये रखने के लिए अभी वह सिर्फ निरंतरता पर ध्यान दे रहे हैं।इस साल आईपीएल में 150 किलोमीटर प्रति घंटा से अधिक की गति से गेंदबाजी कर रिकार्ड बनाने वाले इस गेंदबाज ने अपनी गति से बांग्लादेश के बल्लेबाजों पर अंकुश लगा दिया था। उनका पहला ओवर मेडन रहा। उन्होंने अपने चार ओवर 14 डॉट गेंद डाली और 21 रन देकर एक विकेट हासिल किया। मयंक ने कहा, 'मैं डेब्यू को लेकर उत्साहित था पर थोड़ा घबराया भी हुआ था। इसका कारण है कि पिछले कुछ समय में मुझे प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेलने के अधिक अवसर नहीं मिले थे और अचानक ही मुझे भारतीय टीम से बुलावा आ गया। मुझे मौका मिला। मैं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदार्पण कर रहा था इसलिए थोड़ा घबराया हुआ था।आईपीएल में लखनऊ सुपरजायंट्स के लिए खेलते हुए लगातार दो मैचों में मैन ऑफ द मैच रहे मयंक को पेट की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण बाहर होना पड़ा था। मयंक जानते है कि उन्हें पहचान तेज गेंदबाजी से मिली है, इसलिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मे बने रहने के लिए वह लाइन व लेंथ में निरंतरता जरूरी मानते हैं। उन्होंने कहा, 'मेरी गति हमेशा मेरे दिमाग में रहती है पर अपनी आईपीएल यात्रा के दौरान मैंने सीखा है कि इस प्रारूप में और खासकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निरंतरता सबसे अहम है। इस गेंदबाज ने कहा, 'लाइन और लेंथ महत्वपूर्ण हैं। लगातार सही लाइन और लेंथ से गेंदबाजी करने से वास्तव में मदद मिलती है क्योंकि बल्लेबाज खुलकर नहीं खेल पाते हैं। मैं अपनी लाइन और लेंथ को सटीक रखने पर अधिक ध्यान केंद्रित कर रहा हूं। मयंक ने कहा कि उनके लिए चोट से उबरने के दौरान पिछले चार महीने काफी चुनौतीपूर्ण थे।उन्होंने कहा, 'मेरी चोट के दौरान का समय वास्तव में कठिन था क्योंकि पिछले चार महीनों में मुझे कई चरणों से गुजरना पड़ा, उतार-चढ़ाव देखना पड़ा। आईपीएल के दौरान उन्होंने लेंथ और अत्यधिक गति पर ध्यान केंद्रित किया लेकिन बांग्लादेश के खिलाफ इस गेंदबाज ने धीमी गेंदों को भी फेंका।उन्होंने कहा, 'मैंने आईपीएल के दौरान धीमी गेंदों का अधिक उपयोग नहीं किया क्योंकि उनकी वास्तव में आवश्यकता नहीं थी। साथ ही कहा कि पिच से अगर मदद मिले तो मैं ज्यादा विविधता पर ध्यान नहीं देता हूं।

एशियाई टेटे चैंपियनशिप: भारतीय पुरुष टीम ने लगातार तीसरा पदक सुनिश्चित किया, महिला टीम को कांस्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पुरुष टेबल टेनिस टीम ने बुधवार को क्वार्टर फाइनल में कजाखस्तान को 3-1 से हराकर एशियाई चैंपियनशिप में अपना लगातार तीसरा पदक पक्का कर लिया। पुरुषों की टीम स्पर्धा में पदक तब सुनिश्चित हुआ जब महिला टीम सेमीफाइनल में जापान से हार गई और उसे पहली बार कांस्य पदक मिला।

पुरुषों के क्वार्टर फाइनल में विश्व के 60वें नंबर के खिलाड़ी मानव ठक्कर ने कजाखस्तान के शीर्ष रैंकिंग के विश्व के 41वें नंबर के खिलाड़ी किरिल गेरासिमेंको को 3-0 (11-9, 11-7, 11-6) से हराकर उलटफेर किया। कजाखस्तान के एलन कुरमंगलियेव (विश्व रैंकिंग 183) ने अपनी टीम को वापसी दिलाते हुए हरमीत देसाई को 3-0 (11-6, 11-5, 11-8) से हराया और मैच को 1-1 से बराबर कर दिया।

भारत के दिग्गज खिलाड़ी अनुभवी शरत कमल ने तीसरे मैच में ऐडोस केंजिगुलोव को 3-0 (11-4, 11-7, 12-10) से आसानी से हराया और भारत की बढ़त 2-1 हो गई। हरमीत ने चौथे मैच में गेरासिमेंको को हराकर भारत की जीत तय की। अस्थिर शुरुआत के बाद विश्व के 91वें नंबर के खिलाड़ी हरमीत ने अपने पैर जमाए। उन्होंने दूसरे और चौथे गेम जीतने के बाद पांचवें गेम में 6-1 की बढ़त बनाई।

गेरासिमेंको ने वापसी की कोशिश की लेकिन हरमीत ने पांचवां और निर्णायक गेम जीतकर भारत को सेमीफाइनल में जगह दिलाई। भारत की पुरुष टीम ने 2023 और 2021 में पिछले दो सत्र में कांस्य पदक जीता था। भारत ने इस जीत के साथ एशियाई चैंपियनशिप में अपना सातवां पदक सुनिश्चित किया। भारत गुरुवार को सेमीफाइनल में चीनी ताइपे और जापान के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से खेलेगा। इससे पहले भारतीय महिला टेबल टेनिस खिलाड़ियों ने यहां कांस्य पदक जीता जो इस स्पर्धा में उनका पहला पदक है।

भारतीय टीम को सेमीफाइनल में जापान ने 3-1 से हराया था। भारत की अयहिका मुखर्जी ने जापान की मिवा हरीमोतो को कड़ी टक्कर दी लेकिन 8-11, 11-9, 8-11, 13-11, 7-11 से हार गई। वहीं मनिका बत्रा ने सत्सुकी ओडो को दूसरे मैच में 11-6, 11-5, 11-8 से हराया। अगले मैच में सुतीर्था मुखर्जी के खिलाफ जापान की मिमा इतो ने 11-9, 11-4, 15-13 से जीत दर्ज की। दी। मिमा ने इसके बाद मनिका को 11-6, 6-11, 11-2, 11-3 से हराकर अपनी टीम को जीत दिलाई।

संन्यास के आपके फैसले से हैरान हूं : खेलमंत्री मांडविया ने जिम्नास्ट दीपा कर्माकर को लिखा पत्र

नई दिल्ली(एजेंसी)। नई दिल्ली - खेलमंत्री मनसुख मांडविया ने बुधवार को जिम्नास्ट दीपा कर्माकर को पत्र लिखकर खेल से संन्यास लेने के उनके फैसले पर हैरानी जताई। ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाली पहली भारतीय महिला जिम्नास्ट बनी दीपा रियो ओलंपिक 2016 में चौथे स्थान पर रही थी। उन्होंने सोमवार को खेल को अलविदा कह दिया।

मांडविया ने दीपा को लिखे पत्र में कहा, 'मुझे पता चला कि आपने जिम्नास्टिक से संन्यास ले लिया है। आपके फैसले पर मैं आश्चर्यचकित हूं लेकिन मुझे पूर्ण विश्वास है कि आपने जीवन की महत्वपूर्ण प्राथमिकताओं और अनुभवों को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया होगा। मैं आपके इस निर्णय का पूर्ण सम्मान करता हूं।' उन्होंने कहा, 'आपकी जिम्नास्टिक की यात्रा जो मात्र छह वर्ष की आयु से प्रारंभ हुई, अत्यंत ही प्रेरणादायक रही। आपने इस खेल में अनेक कठिनाइयों का सामना करते हुए सफलता के उच्च शिखरों को छुआ और देश को गौरवान्वित किया। मेजर ध्यानचंद खेल रत्न और पद्मश्री जैसे प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित होना आपके अद्वितीय योगदान का प्रमाण है।'

उन्होंने आगे लिखा, 'आपका ओलंपिक में हिस्सा लेकर भारतीय जिम्नास्टिक्स में एक नया अध्याय जोड़ना और इस खेल में भाग लेने वाली प्रथम भारतीय महिला बनना न केवल आपके व्यक्तिगत परिश्रम का परिणाम बल्कि पूरे देश के लिये गर्व का विषय है। विशेष रूप से प्रोडुनोवा वॉल्ट में आपका प्रदर्शन अद्वितीय रहा है। आपकी उपलब्धियों ने न केवल खेलप्रेमियों को प्रेरित किया है बल्कि विशेष रूप से हमारी बेटियों को भी खेलों में अपने सपनों को साकार करने का साहस प्रदान किया है।'

उन्होंने कहा, 'ओलंपिक के वह ऐतिहासिक क्षण जब आप मात्र 0.15 अंकों से पदक से चूक गई, फिर भी आपने अपने धैर्य और समर्पण से पूरे राष्ट्र का दिल जीत लिया।' मांडविया ने लिखा, 'आपकी यह यात्रा देश के लिए अनमोल धरोहर है और मैं आशा करता हूं कि आप अपनी इस अद्वितीय प्रतिभा और अनुभव को आने वाली पीढ़ी के साथ साझा करेंगी।'

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में हेड को सलामी बल्लेबाज के तौर पर न भेजें : इयान चैपल

सिडनी ।भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच अगले माह शुरु हो रही बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी को लेकर दिग्गज क्रिकेटरों की बयानबाजी जारी है। इसी कड़ी में आज ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान इयान चैपल ने कहा है कि इस सीरीज में ट्रेविस हेड को पारी की शुरुआत के लिए नहीं भेजा जाना चाहिये। चैपल ने पांच मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम को सुझाव दिया है कि वह इस प्रकार की गलती नहीं करे। चैपल का मानना है कि हेड एकदिवसीय और टी20 में एक जबरदस्त सलामी बल्लेबाज हैं पर टेस्ट क्रिकेट इससे अलग है और उन्हें इसका कम ही अनुभव है। गौरतलब है कि डेविड वॉर्नर के संन्यास के बाद ऑस्ट्रेलिया को उनकी जगह पर सलामी बल्लेबाज के तौर पर अभी तक कोई अच्छा बल्लेबाज नहीं मिल पाया है।इस कारण स्टीवन स्मिथ और हेड पारी की शुरुआत कर रहे हैं। स्मिथ सलामी बल्लेबाज के तौर पर अब तक सफल नहीं हुए हैं। सलामी बल्लेबाज के तौर पर उनका औसत 30 से भी कम रहा है, जबकि नंबर तीन और चार पर वे 60 से ज्यादा के औसत से खेलते रहे हैं।

धरती का स्वर्ग कश्मीर

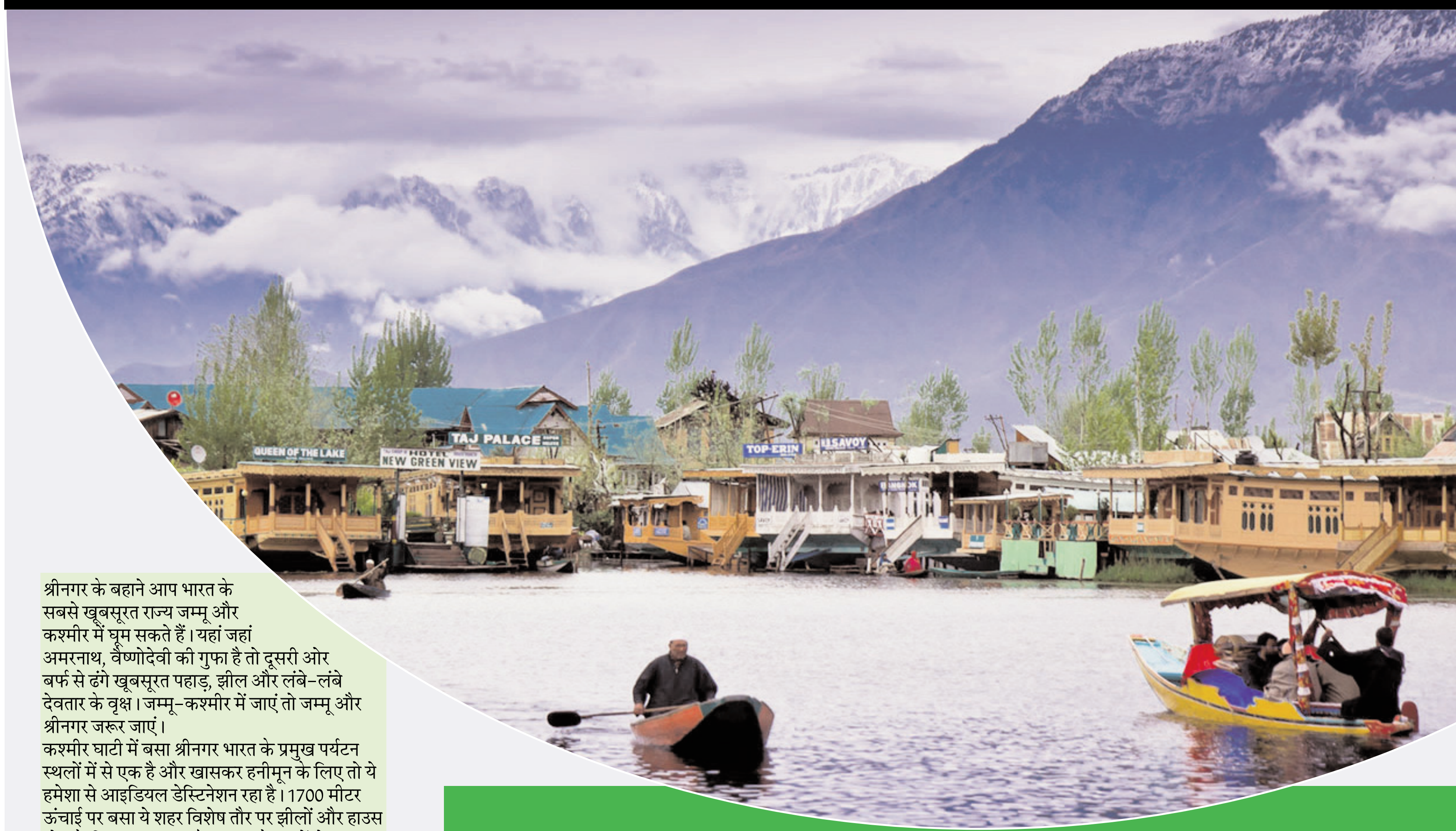

श्रीनगर के बहाने आप भारत के सबसे खूबसूरत राज्य जम्मू और कश्मीर में घूम सकते हैं। यहां जहां अमरनाथ, वैष्णोदेवी की गुफा है तो दूसरी ओर बर्फ से ढंगे खूबसूरत पहाड़, झील और लंबे-लंबे देवतार के वृक्ष। जम्मू-कश्मीर में जाएं तो जम्मू और श्रीनगर जरूर जाएं।

कश्मीर घाटी में बसा श्रीनगर भारत के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है और खासकर हनीमून के लिए तो ये हमेशा से आइडियल डेस्टिनेशन रहा है। 1700 मीटर ऊंचाई पर बसा ये शहर विशेष तौर पर झीलों और हाउस बोट के लिए जाना जाता है। कमल के फूलों से सुसज्जित डल झील पर कई खूबसूरत नावों पर तैरते घर हैं जिन्हें हाउस बोट कहा जाता है।

अगर आपको भीड़-भाड़ से दूर एकदम शांत वातावरण में किसी हाउस बोट में रहने की इच्छा है तो आप नागिन लेक या झेलम नदी पर खडे हाउस बोट में ठहर सकते हैं। नागिन झील भी कश्मीर की सुंदर और छोटी-सी झील है। आमतौर पर यहां विदेशी सैलानी ही ठहरना पसंद करते हैं।

खूबसूरत झील के बाद बात आती है आकर्षक बाग-बगीचों की। यहां मौजूद मुगल गार्डन इतने बेहतरीन और सुनियोजित ढंग से तैयार किया गया है कि मुगलों का उद्यान-प्रेम इनकी खूबसूरती के रूप में यहां आज भी झलकता है। इसके अलावा शालीमार बाग, निशात बाग जैसे कई महत्वपूर्ण उद्यानों को देखे बिना श्रीनगर का सफर अधूरा-सा लगता है। इन उद्यानों में चिनार के पेड़ों के अलावा और भी छायादार वृक्ष हैं। रंग-बिरंगे फूलों की तो इनमें भरमार रहती है। इन उद्यानों के बीच बनाए गए झरनों से बहता पानी भी बेहद आकर्षक लगता है।

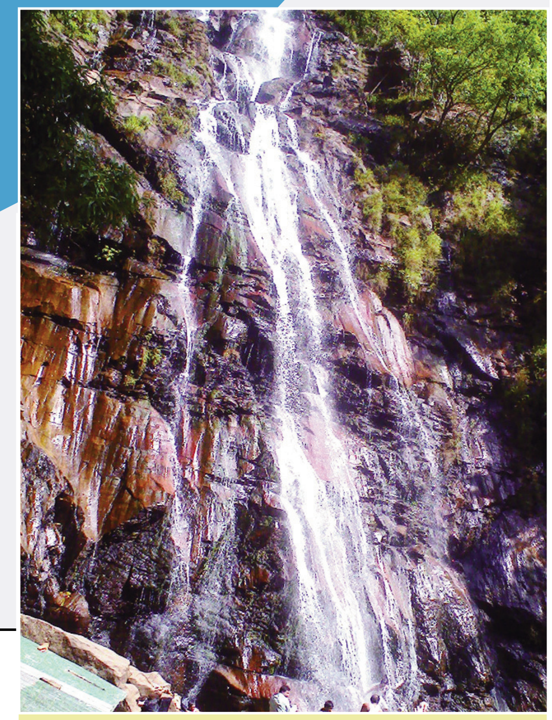

मनाली प्रकृति का अद्भूत नजारा

मनाली भारत के हिमाचल प्रदेश प्रान्त का एक शहर है। मनाली कुल्लु घाटी के उत्तर में स्थित हिमाचल प्रदेश का लोकप्रिय हिल स्टेशन है। समुद्र तल से 2050 मीटर की ऊंचाई पर स्थित मनाली व्यास नदी के किनारे बसा है। गर्मियों से निजात पाने के लिए इस हिल स्टेशन पर हजारों की तादाद में सैलानी आते हैं। सर्दियों में यहां का तापमान शून्य डिग्री से नीचे पहुंच जाता है। आप यहां के खूबसूरत प्राकृतिक दृश्यों के अलावा मनाली में हाइकिंग, पैराग्लाइडिंग, राफ्टिंग, ट्रैकिंग, कायकिंग जैसे खेलों का भी आनंद उठा सकते है। यहां के जंगली फूलों और सेब के बगीचों से छनकर आती सुगंधित हवाएं दिलो दिमाग को ताजगी से भर देती हैं।

अर्जुन गुफा

इस गुफा को देखने के लिए देशभर से सैलानी यहां आते हैं। यह गुफा पिरनी गांव में है। मान्यता है कि महाभारत काल में अर्जुन ने यहां ठहर करके पशुपति अस्त्र हासिल किया था।

नेहरू कुंड

रोहतांग मार्ग पर बना यह सुन्दर प्राकृतिक झरना मनाली से महज 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है, जहां सुबह-शाम सैलानियों का जमावड़ा रहता है।

सोलंग घाटी

सोलंग घाटी मनाली से 13 किलोमीटर की दूरी पर है। यहां बर्फ व ग्लेशियरों के अद्भुत नजारे देखने को मिलते हैं। स्कीइंग के लिए मशहूर यहां की ढलानों पर सैलानी इस खेल का खूब आनन्द लेते हैं।

आसपास के दर्शनीय स्थल

मनाली से कुछ दूरी पर है कुल्लू घाटी। यहां कलकल करती नदियां, पहाडियों से गिरते झरने, देवदार के घने वृक्ष कुल्लू घाटी के प्राकृतिक सौन्दर्य को बयां करते हैं। कुल्लू में ढेर सारे दर्शनीय स्थल हैं, जिनमें प्रमुख हैं मणिकर्ण। यहां कुदरती गर्म पानी के चश्मे (झरने) हैं। मणिकर्ण की दूरी कुल्लू से 40 किलोमीटर है। मणिकर्ण से 30 किलोमीटर आगे बर्फ से ढका ग्रेट हिमालयन नेशनल पार्क है, जिसमें कलरव करते रंग-बिरंगे पक्षी, कस्तूरी मृग, तेंदुए तथा तीतर भी देखे जा सकते हैं। इसके अलावा व्यास नदी के किनारे फलों के बागों की खूबसूरती देखते ही बनती है। 'कुल्लू' का दशहरा भी विश्व प्रसिद्ध है। यह त्योहार दशहरे के बाद शुरू होता है और करीब पन्द्रह दिन तक चलता है।

ऐसे पहुंचे

सड़क मार्ग

कुल्लू मनाली, दिल्ली से 600 किलोमीटर की दूरी पर है। यह शिमला से सीधे सड़क मार्ग से जुड़ा है। दिल्ली, शिमला व चंडीगढ़ से मनाली के लिए हिमाचल परिवहन निगम की बसें उपलब्ध हैं। साधारण किराया 480 रुपए, डीलक्स बस का किराया 850 रुपए है।

रेल मार्ग

यहां के लिए सीधी रेल सुविधा उपलब्ध नहीं है। निकटतम रेलवे स्टेशन चंडीगढ़ है। चंडीगढ़ से मनाली 260 किलोमीटर दूर है। आप शिमला होते हुए मनाली पहुंच सकते हैं। पिंजौर तक रेल द्वारा जाया जा सकता है। दिल्ली से कालका का किराया 150 रुपए है।

वायु मार्ग

कुल्लू मनाली वायु मार्ग द्वारा भी जाया जा सकता है। यहां का निकटतम हवाई अड्डा भुयंक है, जो मनाली से 50 किलोमीटर दूरी पर है। हवाई जहाज का किराया लगभग 6000 रुपए है।

हिडिम्बा मंदिर

लकड़ी से बना हिडिम्बा मन्दिर मनाली का मुख्य आकर्षण है। चार मंजिल का यह मंदिर 1553 में बनाया गया था, जो भीम की पत्नी हिडिम्बा को समर्पित है। पूरे मंदिर में काष्ठ पर हिन्दू मिथकों से ली गई गाथाएं उकेरी गयी हैं। ढूंगरी वन विहार में स्थित इस मंदिर में मई के महीने में भव्य उत्सव होता है। मनाली से दो किलोमीटर उत्तर पश्चिम में स्थित पुराना मनाली भी पर्यटकों को मुग्ध कर देता है। यह स्थान गेस्ट हाउसों और फूलों के बागीचों के लिए प्रसिद्ध है। यहां पर स्थित है मनु महर्षि मंदिर। मान्यता है कि आदिपुरुष मनु ने यहीं पर ध्यान लगाया था। मनाली में माल रोड से करीब चार किलोमीटर दूरी पर वशिष्ठ नामक एक छोटा-सा गांव बसा हुआ है। इस गांव में मुनि वशिष्ठ और भगवान राम को समर्पित कई पुराने मंदिर हैं। यहीं पर ठंडे और गर्म चश्मे हैं, जहां आप भी स्नान कर सकते हैं। इसके अलावा तिब्बती शरणार्थियों द्वारा 1960 में निर्मित गाधन थेकचोलिंग गोम्पा स्थित है। पारम्परिक गोम्पाओं की तरह चटख सुनहरे और लाल रंग से सजे इस बौद्ध मंदिर में शाक्य मुनि बुद्ध की प्रतिमा विराजमान है। गोम्पा की बाहरी दीवार पर तिब्बत में 1987 से 1989 के बीच चीनी कार्रवाई में मारे गए नागरिकों के नाम लिखे हुए हैं। दरअसल मनाली का मुख्य आकर्षण रोहतांग दर्रा ही है। ज्यादातर लोग रोहतांग दर्रा की वजह से यहां आते हैं। यहां पर अक्तूबर से फरवरी के मध्य बर्फ पड़ती है। रोहतांग से लेह का राष्ट्रीय राजमार्ग भी छह महीने के लिए बन्द कर दिया जाता है, क्योंकि यहां मौसम पल-पल बदलता रहता है। बर्फ का लुत्फ उठाने के लिए सैलानी यहां पर आते हैं। गिरती हुई बर्फ को देख कर सैलानियों का मन आकाश की ऊंचाइयों को छूने लगता है।

एडवेंचर/ट्रेकिंग

मनाली न केवल प्राकृतिक दृश्यों के कारण पर्यटकों को बांधे रखने में सक्षम है, बल्कि यहां उपलब्ध एडवेंचर टूरिज्म के कारण बार-बार यहां आने का मन करता है। एक ओर हिमाचल प्रदेश पर्यटन विभाग लर्जी, कटरैन तथा कसौल में मछली के शिकार की सुविधा देता है तो वहीं रोहतांग-ला में आप माउन्टेन बाइकिंग का मजा ले सकते हैं। मई से मध्य जून, सितम्बर से मध्य अक्तूबर तक व्यास नदी में राफ्टिंग का लुफ्त लिया जा सकता है। अगर आप अधिक रोमांच चाहते हैं तो मनाली के उत्तर में सोलांग नल्ला बाहें पसारे आपका स्वागत करता है। यहां पर पर्वतारोहण, ट्रैकिंग के लिए भी ढेर सारी जगहें हैं।

मध्य भारत का खूबसूरत पर्यटन स्थल पचमढ़ी

मध्यप्रदेश के होशंगाबाद जिले में स्थित पचमढ़ी मध्य भारत का सबसे खूबसूरत पर्यटन स्थल है। यहां के हरे-भरे और शांत वातावरण में बहुत-सी नदियों और झरनों के गीत पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देते हैं। इसके साथ ही यहां शिवशंकर के कई मंदिर भी है, जो आपको तीर्थयात्रा का सुकून देते हैं। वैसे तो ऐसा बहुत कम होता है कि आप कहीं छुट्टी मनाने जाएं और लगे हाथ आपकी तीर्थयात्रा भी हो जाए। लेकिन यकीन मानिए, अगर आप मध्यप्रदेश के एकमात्र पर्वतीय पर्यटन स्थल पचमढ़ी जाएंगे, तो प्रकृति का भरपूर आनंद उठाने के साथ आपकी तीर्थयात्रा भी हो जाएगी।

लोकप्रिय जलप्रपात

यहां आप कई जलप्रपात का मजा ले सकते हैं जिसमें रजत प्रपात, बी फॉल्स तथा डचेज फॉल्स सबसे लोकप्रिय हैं। इसका बी फॉल्स नाम इसलिए पड़ा है क्योंकि पहाड़ी से गिरते समय यह झरना बिलकुल मधुमक्खी की तरह दिखता है। यह पिकनिक स्पॉट भी है, जहां आप नहाने का भी मजा ले सकते हैं। रास्ते में आम के पेड़ बहुतायत में दिखते हैं। डचेज फॉल पचमढ़ी का सबसे दुर्गम स्पॉट है। यहां जाने के लिए करीब डेढ़ किलोमीटर का सफर पैदल तय करना पड़ता है। इसमें से 700 मीटर घने जगलों के बीच से और करीब 800 मीटर का रास्ता पहाड़ पर से सीधा ढलान का है।

महादेव का दूसरा घर पचमढ़ी

दरअसल, पचमढ़ी को कैलाश पर्वत के बाद महादेव का दूसरा घर कह सकते हैं। पौराणिक कथाओं के अनुसार, भस्मासुर (जिसे खुद महादेव ने यह वरदान दिया था कि वह जिसके सिर पर हाथ रखेगा वह भस्म हो जाएगा और भस्मासुर ने यह वरदान खुद शिवजी पर ही आजमाना चाहा था) से बचने के लिए भगवान शिव ने जिन कंदाराओं और खोहों की शरण ली थी वह सभी पचमढ़ी में ही हैं। शायद इसलिए यहां भगवान शिव के कई मंदिर दिखते हैं। पचमढ़ी पांडवों के लिए भी जानी जाती है। यहां की मान्यताओं के अनुसार पांडवों ने अपने अज्ञातवास का कुछ काल यहां भी बिताया था और यहां उनकी पांच कुटिया या मढ़ी या पांच गुफाएं थीं जिसके नाम पर इस स्थान का नाम पचमढ़ी पड़ा है।

सतपुड़ा की रानी

पौराणिक कथाओं से बाहर आकर आज की बात करें तो मध्यप्रदेश के होशंगाबाद जिले में स्थित पचमढ़ी समुद्रतल से 1,067 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। सतपुड़ा की पहाड़ियों के बीच होने और अपने सुंदर स्थलों के कारण इसे सतपुड़ा की रानी भी कहा जाता है। सतपुड़ा राष्ट्रीय उद्यान का भाग होने के कारण यहां चारो ओर घने जंगल हैं। पचमढ़ी के जंगल खासकर जंगली भैंसे के लिए प्रसिद्ध हैं। इस स्थान की खोज कैप्टन जे. फॉरसोथ ने 1862 में की थी। पचमढ़ी की गुफाए पुरातात्विक महत्व की हैं क्योंकि इन गुफाओं में शैलचित्र भी मिले हैं। पचमढ़ी से निकलकर जब आप सतपुड़ा के घने जंगलों में जाएंगे तो आपको बाघ, तेंदुआ, सांभर, चीतल, गौर, चिंकारा, भालू आदि अनेक प्रकार के जंगली जानवर मिलते हैं।

ऐसे पहुंचे

अगर आप दिल्ली से जा रहे हैं तो आपको पहले भोपाल पहुंचना होगा। यहां से पचमढ़ी की दूरी 211 किलोमीटर है और यह दूरी तय करने के लिए बसें मिलती रहती हैं। ये 211 किलोमीटर अगर अपनी गाड़ी से तय करें तो अति उत्तम। वैसे पचमढ़ी का नजदीकी रेलवे स्टेशन पिपरिया है जो कि पचमढ़ी से 52 किलोमीटर दूर है।

कहां ठहरें

मध्यप्रदेश का प्रमुख पर्यटन स्थल होने के कारण होटलों के मामले में पचमढ़ी बेहद समृद्ध है। यहां पंजाबी के अलावा जैन, गुजराती और मराठी व्यंजन भी आसानी से उपलब्ध हैं, क्योंकि साल में एक बार यहां मेला लगता है जिसमें पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र और गुजरात के लोगों की भागीदारी सबसे अधिक होती है। मध्यप्रदेश टूरिज्म के होटलों के अलावा यहां प्रायवेट होटल भी बहुतायत में हैं।

संक्षिप्त समाचार

जॉर्डन ने लेबनान से 44 नागरिकों को सुरक्षित निकाला

अम्मान, एजेंसी। जॉर्डन ने अपने 44 नागरिकों को लेबनान से सुरक्षित बाहर निकाल लिया है। ये सभी सैन्य बलों के विमान से स्वदेश लौटे। शिन्हुआ ने जॉर्डन की सरकारी पेट्रा समाचार एजेंसी के हवाले से बताया कि, जॉर्डन सशस्त्र बल–अरब सेना द्वारा संचालित निकासी विमान, मानवीय सहायता पहुंचाने के लिए सोमवार सुबह लेबनान के राफिक हरीरी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचा। जॉर्डन के क्वीन आलिया अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर विमान के पहुंचने पर, जॉर्डन के उप प्रधान मंत्री और विदेश मामलों के मंत्री अयमान सफादी ने कहा कि यह समूह लेबनान में जॉर्डन के सबसे बड़े लोगों का प्रतिनिधित्व करता है, जो बढ़ते क्षेत्रीय संघर्षों के बीच घर लौटना चाहते हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पोस्ट में जॉर्डन के विदेश मामलों और प्रवासी मंत्रालय द्वारा सफादी के हवाले से कहा गया, पहली प्राथमिकता लेबनान के खिलाफ आक्रामकता को रोकना है, और दूसरी, या समानांतर प्राथमिकता, लेबनान की तत्काल जरूरत के मद्देनजर सहायता पहुंचाना है। सफादी ने गाजा और वेस्ट बैंक दोनों में युद्ध विराम का भी आह्वान किया। मंत्रालय के अनुसार, अगस्त से अब तक 3,219 जॉर्डन के लोग विमान से लेबनान से स्वदेश लौटे हैं।

इथियोपियाई संसद ने विदेश मंत्री को बनाया नया राष्ट्रपति

अदीस अबाबा, एजेंसी। इथियोपियाई संसद के दोनों सदनों ने सोमवार को विदेश मंत्री ताये अत्सके सेलासी को नया राष्ट्रपति नियुक्त किया। यह नियुक्ति वर्तमान राष्ट्रपति साहले–वर्क जेवडे के कार्यकाल की समाप्ति के बाद की गई, जिन्होंने देश के राष्ट्राध्यक्ष के रूप में छह वर्ष तक सेवा की थी। नवनियुक्त राष्ट्रपति ने सोमवार को इथियोपिया के हाउस ऑफ पीपुल्स रिप्रेजेंटेटिव्स और हाउस ऑफ फेडरेशन के सदस्यों के समक्ष अफ्रीका के दूसरे सबसे अधिक आबादी वाले देश के नए नेता के रूप में शपथ ली। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, तीन दशकों के राजनयिक करियर के साथ, जिसमें संयुक्त राष्ट्र में इथियोपिया के स्थायी प्रतिनिधि के रूप में उनकी भूमिका भी शामिल है, अत्स्के सेलासी ने इस वर्ष फरवरी से अपनी नई नियुक्ति तक देश के विदेश मंत्री के रूप में कार्य किया है। बता दें कि देश के विदेश मंत्री के रूप में नियुक्ति से पहले, उन्होंने प्रधानमंत्री अबी अहमद के विदेश नीति सलाहकार का पद भी संभाला था। जेवडे को अक्टूबर 2018 में इथियोपिया की पहली महिला राष्ट्रपति के रूप में चुना गया था।

मेक्सिको में पदभार संभालने के 6 दिन बाद मेयर की हत्या

मेक्सिको सिटी, एजेंसी। मेक्सिको के गुएरेरो राज्य के चिलपानसिंगो शहर के मेयर एलेजांद्रो आर्कोस की पदभार ग्रहण करने के छह दिन बाद हत्या कर दी गई। यह जानकारी स्थानीय अधिकारियों ने दी। गुएरेरो राज्य की गवर्नर एवलिन सालगाडो ने सोशल मीडिया पर लिखा, उनके निधन से पूरा गुएरेरो समाज शोक में है। हम आक्रोश से भर गए हैं। सिन्हुआ समाचार एजेंसी ने बताया कि आर्कोस को जून में विपक्षी गठबंधन के प्रतिनिधि के रूप में चुना गया था जिसमें इंस्टिट्यूशनल रिवोल्यूशनरी पार्टी (पीआरआई) शामिल थी। उनकी हत्या के बाद, पीआरआई ने अपराध को कायरतापूर्ण बताते हुए इसकी निंदा की और इंसाफ की मांग की। पीआरआई के अध्यक्ष एलेजांद्रो मोरेनो के अनुसार, आर्कोस की हत्या चिलपेंसिंगो के नगर परिषद के सचिव फ्रांसिस्को तापिया की हत्या के तीन दिन बाद हुई। राज्य अटॉर्नी जनरल के कार्यालय ने कहा कि उसने आर्कोस की हत्या की जांच शुरू कर दी है। ग्युरेरो, मेक्सिको के सबसे गरीब राज्यों में से एक है। इस राज्य ने ड्रग उत्पादन और तस्करी पर नियंत्रण के लिए लड़ने वाले कार्टेलों के बीच के हिंसक संघर्षों को वर्षों तक झेला है।

अमेरिका ने कहा– बांग्लादेश में सुरक्षित नहीं अल्पसंख्यक, अंतरिम सरकार करे अधिकारों की रक्षा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है। अमेरिका ने कहा है कि वह चाहता है कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यक समुदायों की रक्षा हो। देश में अल्पसंख्यक समुदाय से आने वाले हिंदू अपना सबसे बड़ा त्योहार दुर्गा पूजा मना रहे हैं। अमेरिका का यह बयान बांग्लादेश में तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफे और अगस्त में उनके भारत चले जाने के बाद अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय पर बढ़ते हमलों के मद्देनजर आया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने अपने दैनिक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''निश्चित ही, हम बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा होते देखना चाहते हैं। मिलर से कुछ धार्मिक कट्टरपंथियों द्वारा हिंदू समुदाय को उनके सबसे बड़े त्योहार दुर्गा पूजा के दौरान दी जा रही धमकियों के बारे में सवाल पूछा गया था जिसके जवाब में उन्होंने ये बातें कहीं। भारत ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार से दक्षिण एशियाई देश में हिंदू समुदाय के लिए शांतिपूर्ण धार्मिक आयोजन सुनिश्चित करने का आग्रह किया है। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार, बांग्लादेश में हिंसक विरोध प्रदर्शनों के दौरान हिंदुओं सहित 600 से अधिक लोग मारे गए जिसके परिणामस्वरूप हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग सरकार को सत्ता से बाहर होना पड़ा।

बलूच मानवाधिकार कार्यकर्ताओं ने पाकिस्तान पर लगाए अपहरण करवाने के आरोप

इस्लामाबाद, एजेंसी। बलूच अधिकार कार्यकर्ता महरंग बलूच और सम्मी दीन बलूच ने पाकिस्तान सरकार पर बड़े आरोप लगाए हैं. उनका कहना है कि पाकिस्तान सरकार ने उन्हें न्यूयॉर्क जाने से रोक दिया. दोनों कार्यकर्ताओं को टाइम मैगजीन के समारोह में शामिल होना था. टाइम मैगजीन की ओर से सबसे प्रभावशाली उभरते नेताओं के रूप में नामित कर उन्हें अन्य नेताओं के साथ आमंत्रित किया गया था. इतना ही नहीं उनका आरोप है कि पाकिस्तानी पुलिस ने उनका अपहरण करने की कोशिश की. हालांकि, दोनों किसी तरह सुरक्षित घर पहुंची. एक्स पर एक पोस्ट में महरंग बलूच ने आरोप लगाया कि उन्हें बिना किसी कानूनी औचित्य के हवाई अड्डे पर हिरासत में लिया गया और इसे आवागमन की स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार का उल्लंघन बताया. उन्होंने बलूच की आवाजों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुनने से रोकने और बलूचिस्तान में दशकों से हो रहे मानवाधिकारों के हनन को छिपाने का प्रयास बताया. महरंग बलूच ने एक्स पर कहा, आज, मुझे न्यूयॉर्क जाना था, टाइम मैगजीन के समारोह में भाग लेने के लिए. मैगजीन के समारोह में मुझे अन्य नेताओं के साथ आमंत्रित किया गया था. जिन्हें टाइम पत्रिका द्वारा वर्ष के सबसे प्रभावशाली उभरते नेताओं के रूप में नामित किया गया था. हालाँकि, मुझे बिना किसी कानूनी या वैध कारण के कराची अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर अन्यायपूर्ण तरीके से रोक दिया गया. यह

आवागमन की स्वतंत्रता के मेरे मौलिक अधिकार का स्पष्ट उल्लंघन है. यह कार्रवाई बलूच आवाजों के प्रति राज्य के बढ़ते डर और असुरक्षा को दर्शाती है. मेरी यात्रा को रोकने का कोई वैध उद्देश्य नहीं था, सिवाय इसके कि बलूच आवाजों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुनने से रोका जाए, बलूचिस्तान की स्थिति के बारे में सूचना के प्रवाह को नियंत्रित किया जाए और बलूचिस्तान में दशकों से हो रहे मानवाधिकारों के हनन को छुपाया जाए. मुझे यात्रा करने के अधिकार से वंचित करके, पाकिस्तानी सरकार मुझे अपनी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और आवागमन के अधिकारों का प्रयोग करने से रोकना चाहती है. यह मनमाना यात्रा प्रतिबंध बलूच मानवाधिकार रक्षकों और कार्यकर्ताओं पर बढ़ती कार्रवाई का हिस्सा है. मैं अपने आवागमन के अधिकारों पर इस अन्यायपूर्ण प्रतिबंध के खिलाफ लड़ूंगी. आगे कहा, मुझे सिंध में न्यूयॉर्क जाने वाली फ्लाइट में चढ़ने से रोक दिया गया, जो भुट्टो जरदारी का गृह प्रांत है, जो खुद को लोकतंत्र और मानवाधिकारों के चैंपियन के रूप में पेश करते हैं. विडंबना यह है कि मेरे अधिकारों का यह उल्लंघन उनके ही निगरानी में हो रहा है. मुझे दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में से एक टाइम द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए जाना था.

मानवाधिकार कार्यकर्ता सम्मी दीन बलूच ने पाकिस्तानी पुलिस पर लगाए बड़े आरोप : मानवाधिकार कार्यकर्ता सम्मी दीन बलूच ने पाकिस्तान के पुलिस प्रशासन पर बड़े आरोप लगाए हैं. उन्होंने कहा कि लौटने के दौरान रास्ते में पुलिस द्वारा उन्हें परेशान किया गया. उन्होंने एक्स पर लिखा, हम सुरक्षित और स्वस्थ घर पहुंच गए हैं. डॉ. महरंग बलोच मेरे साथ हैं और वे सुरक्षित हैं. कराची एयरपोर्ट से निकलने के कुछ ही मिनटों बाद सादे कपड़ों में कुछ पुरुष पुलिस अधिकारियों ने हमें गायब करने के इरादे से हमारी कार को रोक दिया. हमारे बहुत प्रतिरोध के बाद वे हमें सुनसान अंधेरी सड़क पर छोड़कर चले गए. सम्मी दीन ने आगे कहा, पुरुष पुलिस अधिकारियों और कुछ सिविल ड्रेस में कुछ लोगों ने हमारे कपड़े और दुपट्टे खींचे, हमारी तलाशी ली, अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया और हमारे सामान की जांच की. उन्होंने महरंग बलोच का मोबाइल फोन, पासपोर्ट और अन्य सामान जब्त कर लिया।

ईरान ने परमाणु परीक्षण किया? भूकंप के झटकों से अटकलें हुई तेज

तेहरान, एजेंसी। इजरायल के साथ बढ़ते संघर्ष के बीच 5 अक्टूबर को ईरान के सेमनान प्रांत में रिक्टर पैमाने पर 4.5 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया. भूकंप का केंद्र कथित तौर पर सतह से लगभग 10 किलोमीटर नीचे और एक ईरानी न्यूक्लियर एनर्जी प्लांट के करीब था. भूकंप के समय और परमाणु सुविधा के करीब होने के कारण इस बात की अटकलें लगाई जा रही हैं कि ईरान ने परमाणु बम का परीक्षण किया है.

हालांकि, किसी भी ईरानी अधिकारी ने इन अटकलों की पुष्टि या खंडन नहीं किया है, लेकिन लोगों के एक वर्ग ने नक्शे और ग्राफ शेयर किए हैं, जिनमें बताया गया है कि यह एक परमाणु घटना कैसे हो सकती है. एक सोशल मीडिया यूजर के अनुसार भूकंप के झटके भूमिगत बम परीक्षण स्थल पर परमाणु हथियार हो सकते हैं, या हो सकता है ईरान ने पारंपरिक हथियारों का उपयोग करके फेक परमाणु परीक्षण किया हो. एक अन्य यूजर ने लिखा, कल ईरान में 4.5 तीव्रता का भूकंप आया. अफवाहें हैं कि यह परमाणु परीक्षण था. फरवरी 2013 में उत्तर कोरिया में आए भूकंप को भी परमाणु परीक्षण बताया गया था. नवंबर 2017 में ईरान में आए भूकंप को भी परमाणु परीक्षण बताया गया था।

पाकिस्तान में परेशान हो गया जाकिर नाइक, भारत और हिंदुओं की करने लगा तरीफ

इस्लामाबाद, एजेंसी। भारत के खिलाफ जहर उगलने वाले जाकिर नाइक ने यात्रा के दौरान छूट नहीं देने के लिए

पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस की आलोचना की है। विवादित इस्लामी उपदेशक मलेशिया से पाकिस्तान की यात्रा के दौरान अतिरिक्त सामान के लिए शुल्क माफ नहीं करने से परेशान था। आपको बता दें कि आर्थिक तंगी झेल रहे पीआईए ने उसके सामानों पर सिर्फ 50 प्रतिशत की छूट की पेशकश की थी। जाकिर नाइक 1 अक्टूबर को पाकिस्तान पहुंचा और 28 अक्टूबर तक वहां रहने वाला है। उसने कराची में समर्थकों को संबोधित करते हुए ये बातें कही हैं। उसने कहा, जब मैं पाकिस्तान आ रहा था, तो हमारे सामान का वजन करीब 1000 किलोग्राम था। मैंने पीआईए के सीईओ से बात की। स्टेशन मैनेजर ने मुझे आश्वासन दिया कि वह मेरे लिए कुछ भी करने को तैयार है। जब मैंने उन्हें बताया कि मेरे पास 500 से 600 किलोग्राम अतिरिक्त सामान है और मेरे साथ छह लोग यात्रा कर रहे हैं तो उन्होंने मुझे 50 प्रतिशत छूट की पेशकश की। मैंने उनसे कहा कि या तो सामान मुफ्त में दे दें या छोड़ दें। मैंने छूट लेने से मना कर दिया। जाकिर नाइक ने दावा किया कि जब कोई गैर-मुस्लिम उसे भारत में देखता है तो वे उसे मुफ्त में जाने देता है। उसने पूछा, यह भारत है जहां लोग डॉ. जाकिर नाइक को देखते हैं और 1,000 से 2,000 किलोग्राम अतिरिक्त सामान माफ कर देते हैं। लेकिन पाकिस्तान में मैं सरकार का मेहमान हूं और मेरे वीजा पर राज्य अतिथि लिखा हुआ है। इसके बावजूद पीआईए सीईओ मुझे 50 प्रतिशत छूट दे रहे हैं।

जाकिर नाइक ने शिकायत की कि एयरलाइंस ने उनसे हर 1 किलो अतिरिक्त सामान के लिए 101 मलेशियाई रिंगिट (लगभग 2,137 रुपये) का शुल्क लिया। उसने दुख जताते हुए कहा, मुझे बहुत दुख हुआ कि पीआईए मुझे राजकीय अतिथि के तौर पर 300 किलो अतिरिक्त सामान ले जाने की अनुमति भी नहीं दे सका।

इजरायल-ईरान जंग में कूदेगा चीन? लेबनान को बड़ी मदद भेजने का कर दिया ऐलान

हांगकांग, एजेंसी। मिडिल ईस्ट में इजरायल और ईरान के बीच सीधी जंग की आशंका के बीच अब चीन भी इसमें कूदता नजर आ रहा है। चीन की आधिकारिक विदेशी सहायता एजेंसी, चाइना इंटरनेशनल डेवलपमेंट कोऑपरेशन एजेंसी ने मंगलवार को कहा है कि चीन युद्धग्रस्त लेबनान को आपातकालीन चिकित्सा आपूर्ति प्रदान करेगा। वहीं लेबनान में इज़राइल ने हिज़्बुल्लाह पर हमले की तीव्रता और बढ़ा दी है। वहीं हिजबुल्लाह ने भी सोमवार को इजरायल के हाइफा शहर में 100 से ज्यादा मिसाइलें बरसाई हैं। चीन की इस सरकारी एजेंसी के प्रवक्ता ली मिंग ने एक बयान में कहा है कि हाल ही में जंग बढ़ने के बाद लेबनान में कई जगहों पर विस्फोट और हवाई हमले हुए हैं जिससे बड़ी संख्या में लोग हताहत हुए हैं। बयान में कहा गया है, लेबनान सरकार के अनुरोध पर चीनी सरकार ने लेबनान को स्वास्थ्य सुविधा में मदद करने के लिए आपातकालीन मानवीय चिकित्सा आपूर्ति प्रदान करने का फैसला लिया है। चीन ने इससे पहले भी लेबनान को मदद का आश्वासन दिया था। पिछले महीने चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने पिछले महीने लेबनान के विदेश मंत्री अब्दुल्ला हबीब से मुलाकात की थी और समर्थन का भरोसा दिया था।

हिजबुल्लाह ने इजरायल पर दागी 135 मिसाइलें, जवाब में लेबनान भी दहला; 120 ठिकाने तबाह

लेबनान, एजेंसी। इजरायली सेना लेबनान और गाजा में हिजबुल्लाह और हमास के खिलाफ जंग जारी रखे हुए है। कुछ दिन पहले इजरायली सेना ने लेबनान में एक साथ 1600 ठिकानों पर हमला किया और हिजबुल्लाह को कड़ी चोट पहुंचाई थी। सोमवार को हिजबुल्लाह ने सप्ताहभर में इजरायल पर दूसरा बड़ा हमला किया। उसने तीसरे बड़े शहर हाइफा में 135 फादी 1 मिसाइले दागी। जवाब में इजरायल ने भी लेबनान को दहलाया। हिजबुल्लाह के 120 ठिकानों पर बमबारी की और उन्हें तबाह कर दिया।

इज़रायली सेना ने कहा कि उसने सोमवार को व्यापक हमलों के तहत 60 मिनट की अवधि के भीतर दक्षिणी लेबनान में 120 से अधिक हिजबुल्लाह ठिकानों पर हमला किया और उन्हें तबाह कर दिया। सेना ने एक बयान में कहा, आईएएफ (वायु सेना) ने एक व्यापक हवाई अभियान चलाया और एक घंटे के भीतर दक्षिणी लेबनान में 120 से अधिक आतंकी ठिकानों पर हमला किया।

हिजबुल्लाह ने इज़रायल पर दागी 135 मिसाइलें : हिज़्बुल्लाह ने सोमवार को इज़रायल के तीसरे सबसे बड़े शहर हाइफ़ा पर रॉकेट दागे। गाजा में इजरायल से लड़ने वाले फिलिस्तीनी आतंकवादी समूह हमास के सहयोगी, ईरान समर्थित हिजबुल्लाह ने कहा कि उसने 135 फादी 1 मिसाइलों के साथ हाइफा के दक्षिण में एक सैन्य अड्डे को निशाना बनाया। इज़रायल की सेना ने कहा कि सोमवार शाम 5 बजे तक

इज़राइली क्षेत्रों बमबारी हुई। हमले से मध्य इज़राइल के हाइफ़ा क्षेत्र में दस लोगों और दक्षिण में दो अन्य लोगों के घायल होने की सूचना है।

खामेनेई बोले- 7 अक्टूबर फिलिस्तीनियों के लिए बेजोड़ याद

ईरान ने सोमवार को इजरायल पर हमास के 7 अक्टूबर के हमले को फिलिस्तीनियों के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ बताया। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई ने सोशल मीडिया पर लिखा- अल-अक्सा ऑपरेशन ने ज़ायोनी शासन को 70 साल पीछे धकेल दिया है। बता दें कि पिछले साल सात अक्टूबर को हमास ने दक्षिण इजरायल पर 20 मिनट में 5000 से अधिक मिसाइल दागी और 1200 लोगों को मार डाला। इसके बाद सीमा में घुसपैठ करके जमकर कत्लेआम किया। 250 से अधिक लोगों को बंधक बना दिया और सैकड़ों को मार डाला।

लेबनान हमले में कई निर्दोषों की जान गई : लेबनान के विभिन्न क्षेत्रों में इजरायली हवाई हमलों में 11 लोग मारे गए और 17 अन्य घायल हो गए हैं। लेबनान के आधिकारिक और सैन्य सूत्रों ने सोमवार को बताया कि रविवार रात इजरायली हमले में 11 लेबनानी मारे गये और 17 लोग घायल हो गये। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, माउंट लेबनान गवर्नरेट के एले जिले के कायफौन गांव में एक आवासीय इमारत पर इजरायली हवाई हमले में छह लोग मारे गए और 13 अन्य घायल हो गए।

न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर पर मनाई गई दुर्गा पूजा, लोगों में दिखा भारी उत्साह

न्यूयॉर्क , एजेंसी। भारतीय संस्कृति की धूम अब देश ही नहीं दुनिया में भी गूंज रही है। अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और रूस से लेकर दुनिया के कई देश सनातन धर्म को तेजी से अपना रहे हैं। ऐसा ही एक नजारा अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर के टाइम्स स्क्वायर पर नजर आया। न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर पर दुर्गा पूजा का भव्य आयोजन किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में भारतीय और अमिरिकी लोगों ने हिस्सा लिया। यह कार्यक्रम बंगाली क्लब की ओर से आयोजित किया गया था।

बता दें कि देश में कोलकाता का दुर्गा पांडाल सबसे ज्यादा प्रसिद्ध है। दिग्गज क्रिकेटर ब्रायन लारा ने रविवार को दक्षिण कोलकाता के सुरुचि संघ क्लब दुर्गा पूजा पंडाल का दौरा किया। पूर्व कैरेबियाई क्रिकेटर ने कहा कि दुर्गा पूजा एक अद्भुत त्योहार है। उन्होंने कहा कि त्योहार के मौसम में कोलकाता में यह उनका पहला मौका था। लारा ने कहा कि मुझे लगता है कि यह (दुर्गा पूजा) एक अद्भुत त्योहार है। मैं पहली बार यहाँ आया हूँ। जब भी मैं भारत में होता हूं खासकर आज जैसे दिन कोलकाता में तो हर कोई जो प्यार और प्रशंसा दिखाता है, वह बहुत खास है। दुर्गा पूजा को दुर्गोत्सव के नाम से भी जाना जाता है। देवी दुर्गा के सम्मान में प्रतिवर्ष मनाया जाने वाला एक प्रमुख हिंदू त्योहार है। यह बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है, क्योंकि देवी दुर्गा ने राक्षस महिषासुर को हराया था। यह त्योहार आम तौर पर 10 दिनों (नवरात्रि) तक चलता है, जिसमें मुख्य उत्सव अंतिम चार दिनों (सप्तमी, अष्टमी, नवमी और विजयादशमी) के दौरान होता है। वहीं, महाराष्ट्र में मुंबई महानगर और उसके उपनगरों में रहने वाले लाखों बंगाली भाषी लोग दुर्गा पूजा की तैयारी में जुटे हुए हैं। देश के 'प्रमुख शहरी क्षेत्र मुंबई में दुर्गा पूजा का इतिहास एक सदी से भी पुराना है। करीब एक सदी पहले पश्चिम बंगाल से इस पश्चिमी भारतीय राज्य में लोगों की आवाजाही बढ़ी थी। गौरतलब है कि वृहन मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) में मुंबई शहर और मुंबई उपनगरीय के जुड़वां जिले और तटीय कोंकण क्षेत्र के पड़ोसी पालघर, ठाणे और रायगढ़ जिले शामिल हैं और इन जगहों पर 150 से 200 से अधिक सार्वजनिक पूजाएं होती हैं।

हमास चीफ याह्या सिनवार जिंदा है, कतर से साधे संपर्क; रिपोर्ट में बड़ा दावा

दोहा, एजेंसी। हमास लीडर याह्या सिनवार जिंदा है और उसने चुपचाप कतर से संपर्क भी साधे हैं। इजरायली मीडिया आउटलेट द यरुशलम पोस्ट की रिपोर्ट में दावा किया गया है। यह खबर ऐसे समय सामने आई है जब इजरायल की ओर से सिनवार की संभावित मौत को लेकर जांच जारी है। ऐसा माना जा रहा था कि गाजा स्थित एक स्कूल शेल्टर पर हुए रॉकेट स्ट्राइक में सिनवार मारा गया। हालांकि, मीडिया रिपोर्ट के इस दावे को कतर के एक सीनियर अधिकारी ने खारिज कर दिया कि हमास नेता ने सीधा संपर्क बनाया था। उन्होंने कहा कि हमास के सीनियर लीडर खलील अल-हयाह के जरिए कॉन्टैक्ट हुआ था।

इजरायल ने 21 सितंबर को गाजा पर जोरदार हवाई हमला बोला था। ऐसा माना गया कि सिनवार की इसमें मौत हो गई क्योंकि उसने लंबे समय तक ऑफिशियल चैनल्स से कोई संपर्क नहीं साधा। इजरायली सेना का कहना रहा कि उसने अपनी एयर स्ट्राइक में हमास कमांड सेंटर को निशाना बनाया। हालांकि, फिलिस्तीन के स्वास्थ्य अधिकारी दावा करते रहे हैं कि इस हमले में महिलाओं ओर बच्चों समेत 22 लोगों की मौत हुई। बाद में मीडिया रिपोर्ट में कहा गया कि इजरायल के अधिकारी खुद इसकी जांच करने में जुटे हैं कि सिनवार मारा गया है या नहीं। पिछले साल 7 अक्टूबर को इजरायल में घुसकर हमास के लड़ाकों ने जो हमला किया था, उसका

मास्टरमाइंड सिनवार ही था। इस साल अगस्त में सिनवार को हमास चीफ बनाया गया था, ईरान में इस्माइल हानियेह की हत्या के बाद उसे यह जिम्मेदारी मिली थी। साल 1962 में जन्मे सिनवार को हमास के शुरुआती सदस्यों में से एक माना जाता है, जिसका गठन 1987 में हुआ। उसने इस आतंकी गुट के सिक्योरिटी विंग का कार्यभार संभाला, जिसका काम संगठन को इजरायल के जासूसों से बचाए रखना है। इस बीच, हमास के मुख्य वार्ताकार और उप गाजा प्रमुख खलील अल-हय्या ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि गाजा में बमबारी शुरू होने के एक साल बाद और हमास के लचीलेपन के बावजूद इजरायल अब भी संघर्ष विराम समझौते को रोक रहा है। अल हय्या ने हमास के अक्सा टेलीविजन पर दिखाए गए भाषण में कहा, हम पूरे विश्वास के साथ कह सकते हैं कि फिलिस्तीन का मुद्दा दुनिया में प्रमुख विषय बन चुका है।

फीनिक्स की तरह उठ खड़ा होगा हमास, निर्वासित नेता खालिद मेशाल का दावा

यरुशलम, एजेंसी। हमास के निर्वासित नेता खालिद मेशाल ने कहा कि इजराइल के साथ एक साल के युद्ध के दौरान भारी नुकसान के बावजूद फिलिस्तीनी समूह राख से फीनिक्स की तरह उठ खड़ा होगा और फिर से यह लड़ाकों की भर्ती और हथियारों का निर्माण करेगा. हमास के इजराइल पर हमले के एक साल बाद मेशाल ने यहूदी देश के साथ संघर्ष को 76 साल तक फैले एक नैरेटिव के रूप में पेश किया, जो फिलिस्तीनियों के नकबा कहे जाने वाले समय से शुरू होता है, जब 1948 के युद्ध के दौरान कई लोग विस्थापित हुए थे और इजराइल का निर्माण हुआ. 68 वर्षीय मेशाल ने रॉयटर्स को दिए एक इंटरव्यू में बताया, फिलिस्तीनी इतिहास चक्रों से बना है. हम ऐसे दौर से गुजरते हैं, जहां हम शहीदों (पीड़ितों) को खो देते हैं और हमारी सैन्य क्षमताओ का एक हिस्सा खत्म हो जाता, लेकिन फिर फिलिस्तीनी भावना फिर से उभर आती है।

इजराइल ने किया था मेशाल की हत्या का प्रयास : बता दें कि 1997 में इजराइल ने मेशाल की हत्या का प्रयास किया था और उन्हें जहर का इंजेक्शन दिया था. हालांकि, वह बच गए. उन्होंने कहा कि इस्लामी आतंकवादी समूह अभी भी इजराइली सैनिकों के खिलाफ घात लगाने में सक्षम है. हमास ने सोमवार की सुबह गाजा पर चार मिसाइलें भी दागीं. मेशाल ने बिना विवरण दिए कहा, हमने अपने गोला-बारूद और हथियारों का कुछ हिस्सा खो दिया है, लेकिन हमास अभी भी युवाओं की भर्ती कर रहा

है. मेशाल हमास में प्रभावशाली बने हुए हैं क्योंकि उन्होंने लगभग तीन दशकों तक इसके नेतृत्व में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और अब उन्हें व्यापक रूप से इसके कूटनीतिक चेहरे के रूप में देखा जाता है. मध्य पूर्व के विश्लेषकों ने कहा कि उनकी टिप्पणियों का उद्देश्य यह संकेत देना है कि समूह अपने नुकसान के बावजूद लड़ेगा.

हमास अभी भी जिंदा है : इंटरनेशनल क्राइसिस ग्रुप के मध्य पूर्व और उत्तरी अफ्रीका कार्यक्रम निदेशक जोस्ट आर हिल्टरमैन ने कहा, कुल मिलाकर मैं कहूंगा कि (हमास) अभी भी जीवित है और सक्रिय है और ... संभवतः गाजा में किसी समय वापस आएगा. उन्होंने कहा कि युद्ध समाप्त होने पर इजरायल ने गाजा के लिए कोई योजना नहीं बताई है और इससे हमास को खुद को फिर से स्थापित करने का मौका मिल सकता है, हालांकि, शायद उतनी ताकत या उसी रूप में नहीं. वहीं, इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने मेशाल की टिप्पणियों पर कमेंट करने से इनकार कर दिया है. इजराइली आंकड़ों के अनुसार, पिछले साल 7 अक्टूबर को हमास के हमले में लगभग 1,200 लोगों के मारे जाने और लगभग 250 लोगों को बंधक बनाए जाने के बाद इजराइल ने हमास के खिलाफ आक्रमण शुरू कर दिया. फिलिस्तीनी स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, गाजा का अधिकांश हिस्सा बर्बाद हो चुका है और हमले में लगभग 42,000 फिलिस्तीनी मारे गए हैं. इजराइल का कहना है कि हमास अब एक संगठित सैन्य संरचना के रूप में मौजूद नहीं है और यह गुरिल्ला रणनीति तक सीमित हो गया है, इजराइली अधिकारियों के अनुसार, गाजा में मारे गए फिलिस्तीनी लोगों में से कम से कम एक तिहाई, लगभग 17,000 लोग, हमास के लड़ाके हैं. गाजा में लड़ाई में लगभग 350 इजराइली सैनिक मारे गए।

लुधियाना में बाबा के खिलाफ मामला दर्ज... किशोर के साथ अश्लील हरकत

-3 से 4 बच्चों के साथ किया कुकर्म

लुधियाना ।पंजाब के लुधियाना में गुरुद्वारा नानकसर ठाठ साहिब में कीर्तन करने वाले एक बाबा के खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज किया है।बाबा पर आरोप है कि एक किशोर के साथ अश्लील हरकतें की है।पुलिस ने उक्त आरोपी बाबा जसबीर सिंह जस्सी के खिलाफ मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया है। पुलिस बाबा से कड़ी पूछताछ कर रही है, ताकि पता चल सके कि आज तक और कितने लोगों के साथ गंदा काम किया है ।पुलिस ने बताया कि आरोपी जस्सी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।पीड़ित ने पुलिस को बताया कि मैं छठी कक्षा तक पढ़ा हूं। 3 साल पहले जस्सी बाबा गांव काउंके कलां मुझे कमरे में प्रसाद देने के बहाने ले गया। वहां बाबा ने मेरे कपड़े उतार कर गलत हरकतें करनी शुरू कर दी। पीड़ित ने कहा कि जस्सी मेरे गुप्तांगो से छेड़छाड़ करने लगा।इतना ही नहीं बाबा ने वीडियो भी बनाई।बाबा ने धमकी दी की यदि उसने किसी को इस घटना के बारे बताया, तब वह उसकी वीडियो वायरल कर देगा।आज अपनी मां को उसने सारी बात बताई। जिसके बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया है।बाबा जस्सी की दो वीडियो सामने आई है। वीडियो में जस्सी बाबा ने बच्चे के साथ शारीरिक संबंध बनाए है।शारीरिक संबंध भी इस तरह से बनाए जो कि किसी को दिखा भी नहीं सकते।जब अपने स्तर पर जांच की और पता चला कि बाबा ने किसी एक बच्चे के साथ ऐसा नहीं किया बल्कि 3 से 4 बच्चों के साथ कुकर्म हुआ है।

दूसरे दलों के भरोसे चलने वाली पार्टी बन गई कांग्रेस : गुप्ता

जम्मू ।जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव परिणाम आने के बाद नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस की गठबंधन की सरकार बनने जा रही है।चुनाव में एनसी को 42 सीटें, वहीं कांग्रेस महज 6 सीट जीतने में कामयाब रही।बुधवार को भाजपा के वरिष्ठ नेता कविंदर गुप्ता ने चुनाव में कांग्रेस के प्रदर्शन पर चुटकी लेकर कहा कि कांग्रेस को अपनी मोहब्बत की दुकान पर शटर लगा देना चाहिए।कांग्रेस के एक प्रत्याशी ने राजौरी में कुछ हजार वोटों से जीत हासिल की।कांग्रेस बस एनसी के कंधे पर चलने वाली पार्टी बनकर रह गई है। इनके दिग्गज नेताओं की चुनाव में बुरी हालत देखने को मिली है।उन्होंने कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस गठबंधन के पास स्पष्ट बहुमत है, इस कारण सरकार नेशनल कॉन्फ्रेंस की बनेगी। अगर वे विकास के एजेंडे के साथ आगे बढ़ते हैं और जम्मू-कश्मीर की बेहतरी के लिए काम करते हैं, तब यह फायदेमंद होगा।जम्मू-कश्मीर में जो शांति व्यवस्था बनी है, उस शांति को कायम रखने का काम सरकार करती है, तब संभावित है कि सभी लोग का सरकार को समर्थन मिलेगा। गुप्ता ने कहा, 10 सालों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर में कई विकास कार्य हुए हैं।आज एम्स, केंद्रीय विश्वविद्यालय, आईआईटी, रिंग रोड, रेलवे लाइन और मेडिकल कॉलेज बने।आगामी सरकार अगर इसी राह पर चलती है, तब यह सभी के लिए बेहतर होगा। मैं सलाह दूंगा कि कश्मीर में जिनकी भी सरकार रही, जम्मू के साथ दूसरे दर्जे का भेदभाव करती रही, वह अब सहनीय नहीं होगा।इसलिए अगर सरकार बराबर का काम करेगी, तब अच्छा होगा। उमर ने हरियाणा चुनाव पर सवाल उठाए।इस पर भाजपा नेता गुप्ता ने कहा, चुनाव आयोग पर सवाल खड़े करना गलत है। यहां इनकी जीत हुई है, ये सभी ने स्वीकार किया है।

मणिपुर में उद्योग धंधे ठप्प, मणिपुर नहीं रहा स्मार्ट शहर, हिंसा के बाद दोनों समुदाय भुखमरी के शिकार

इंफाल।इंफाल में पिछले कई महीनो से हिंसा फैली हुई है।इस हिंसा में दोनों समुदाय के लाखों लोग भुखमरी और बेरोजगारी के शिकार हो गए हैं।2015 में इंफाल को स्मार्ट शहर का दर्जा मिला था।अब स्मार्ट सिटी जैसा कहीं देखने को नहीं मिल रहा है।मणिपुर राज्य में छोटे उद्योगों और हैंडीक्राफ्ट का एक बड़ा जाल बिछा हुआ था।जो पूरी तरह से समाप्त हो चुका है।हिंसा के बाद से सब कुछ बंद पड़ा हुआ है। राज्य चेंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा जो जानकारी निकल कर सामने आई है। उसके अनुसार मणिपुर राज्य की अर्थव्यवस्था में अभी तक 40000 करोड रुपए से अधिक का नुकसान हो चुका है।मणिपुर में 25 फ़ीसदी से अधिक महंगाई बढ़ गई है।इंफाल की 40 फ़ीसदी दुकाने बंद पड़ी हुई हैं। बड़े और लघु उद्योग लगभग लगभग समाप्त हो चुके हैं। मणिपुर राज्य से अन्य राज्यों में 80 फ़ीसदी से ज्यादा सामान जाता था।जो विदेशों में भी निर्यात होता था।वह कारोबार पूरी तरह से बंद हो गया है।मणिपुर राज्य की अर्थव्यवस्था खत्म हो जाने के कारण, बैंकों में एनपीए के मामले कई गुना बढ़ गए हैं।हजारों लोग अभी भी शिविरों में रह रहे हैं।दोनों पक्षों के बीच लगातार हिंसा होने से, मणिपुर राज्य के कारोबार बंद हो जाने से, अब लोगों के पास जीवन यापन करने के लिए भी पैसे नहीं रहे।जिसके कारण भुखमरी और महंगाई से यहां के लोग त्रस्त हो चुके हैं।यहां के कारोबारी भारी कर्ज में डूबे हुए हैं।ऐसी स्थिति में दिनों दिन मणिपुर की हालत खराब होती चली जा रही है।यदि यही हालत रही तो यह सीमावर्ती राज्य भारत के लिए कई चुनौतियां खड़ी कर सकता है।

महोबा मे 63 लाख के अवैध गांजा के साथ दबोचे गए दो तस्कर

महोबा।उत्तर प्रदेश मे महोबा जिले के कबरई क्षेत्र मे पुलिस की स्पेशल टास्क फ़ोर्स और नारकोटिक्स टीम ने एक संयुक्त कार्यवाही मे करीब 63 लाख रूपये कीमत के अवैध गांजा के साथ मादक पदार्थो के अंतर्राजयीय तस्कर गिरोह के दो तस्करो को गिरफ्तार किया गया है. अपर पुलिस अधीक्षक वंदना सिंह ने बताया की एक गोपनीय सूचना पर एस टी एफ और नारकोटिक्स टीम ने कबरई के बांदा तिराहा मे वाहनो की चेकिंग करते हुये एक कटेंनर ष्ट।।ह्र1अष्ट 7986 को पकड़ा. जिसकी जांच पड़ताल मे भारी मात्रा मे गांजा बरामद किया गया. तस्करों द्वारा कटेंनर मे खुफ़िया तरीके से बैल्डिंग द्वारा तैयार कराये गए एक बॉक्स मे छिपा कर यह गांजा आंध्रप्रदेश के विशाखा पटनम से तस्करी करके लाया जा रहा था.सयुंक्त टीम द्वारा बरामद दो कुंतल 51 किलो ग्राम वजन के गांजा की कीमत 62.75 लाख रूपये है.

भाजपा नेताओं को कई गांवों में घुसने नहीं दिया जा रहा था फिर भाजपा कैसे जीत गई: शिवसेना

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरियाणा में भाजपा और उसके नेताओं की स्थिति बहुत खराब थी। लोगों में भारी गुस्सा था। इनकी हालत इतनी खराब थी कि कई गांवों में उन्हे घुसने नहीं दिया। फिर भाजपा कैसे जीत गई है? ये सवाल शिवसेना के उद्धव गुट ने कांग्रेस की हार पर उठाए हैं। पार्टी ने निशाने साधते हुए इसे अति आत्मविश्वास और स्थानीय नेताओं की नाफरमानी का परिणाम बताया। सामना के संपादकीय में लिखा गया है, हरियाणा में कांग्रेस की हार की वजह फाजिल आत्मविश्वास और स्थानीय नेताओं की नाफरमानी है। ऐसा माहौल था कि भाजपा के मंत्रियों और उम्मीदवारों को गांवों में घुसने नहीं दिया जा रहा था, फिर भी परिणाम कांग्रेस के खिलाफ गए। शिवसेना ने भूपेंद्र हुड्डा की भूमिका पर भी सवाल उठाया है, यह पूछते हुए कि क्या उन्होंने कांग्रेस की नैया डुबो दी। संपादकीय में हुड्डा और कुमारी शैलजा के बीच के विवाद को भी हार का बड़ा कारण बताया गया है। सामना ने कहा कि हुड्डा और उनके समर्थकों ने कुमारी शैलजा का सार्वजनिक अपमान किया, और कांग्रेस

आलाकमान उनकी इस नाफरमानी को रोकने में विफल रहा। शिवसेना का मानना है कि हरियाणा चुनाव का असर महाराष्ट्र में नहीं होगा, लेकिन उसने कांग्रेस को सलाह दी है कि वह हरियाणा वाली गलतियाँ न दोहराए। सामना में कहा गया है, महाराष्ट्र की जनता हरियाणा की राह पर नहीं जाएगी और महाविकास आघाड़ी की जीत होगी।महाराष्ट्र की राजनीति में महाविकास गठबंधन की स्थिति मजबूत दिखाई दे रही है, जबकि कांग्रेस नेताओं को हरियाणा के नतीजों से सीख लेने की जरूरत है। शिवसेना का कहना है कि कांग्रेस ने 'आप' समेत कई घटकों को दूर रखा, जिससे पार्टी को सत्ता में हिस्सेदारी नहीं मिली और अंततः हरियाणा में सत्ता हाथ से निकल गई। इस प्रकार, हरियाणा और जम्मू-कश्मीर के चुनाव परिणामों ने कांग्रेस के लिए एक बड़ा सबक दिया है, जिससे वह आगामी चुनावों में रणनीति और गठबंधन की दिशा में सोचने को मजबूर होगी। बता दें कि हरियाणा और जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों के नतीजे आ गए हैं, जिनमें हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी की लगातार तीसरी जीत हुई है। इस जीत ने कांग्रेस के लिए मुश्किलें बढ़ा दी हैं, विशेष रूप से हरियाणा में, जहां भूपेंद्र सिंह हुड्डा की अगुवाई में पार्टी को हार का सामना करना पड़ा। जम्मू-कश्मीर में हालांकि कांग्रेस ने नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ गठबंधन में रहने के कारण सत्ता का कुछ सुख भोगने की संभावना दिखाई है। लेकिन हरियाणा में मिली हार ने पार्टी की स्थिति को कमजोर कर दिया है।

मानसून की विदाई होते-होते बारिश ने फिर दी दस्तक, 25 राज्यों में अलर्ट जारी

नई दिल्ली।देश से मानसून की विदाई के चलते बारिश ने एक बार फिर दस्तक दे दी है।मौसम विभाग ने मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ समेत 25 राज्यों में बारिश का अलर्ट जारी कर दिया है।मध्य प्रदेश के 21 जिलों से मानसून अभी विदा नहीं हुआ है। अगले 24 घंटे में छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला, डिंडौरी और अनूपपुर में हल्की बारिश की संभावना जताई जा रही है। 12 अक्टूबर के बाद मानसून लौट जाएगा।राजस्थान में मंगलवार को कई जिलों में बादल छाने के साथ तेज हवा भी चलीं। जैसलमेर में दोपहर बाद 2मिमी बारिश हुई।चूरू में दोपहर बाद तेज हवाओं के साथ बारिश ने गर्मी से राहत दिलाई।छत्तीसगढ़ के रायपुर में भी मंगलवार को तेज बारिश हुई।मौसम विभाग के मुताबिक 18 जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है। दक्षिण-पश्चिम मानसून की वापसी के कारण मौसम में बदलाव आया है। दूसरी तरफ, नेपाल में हुई भारी बारिश ने बिहार में बीते दिनों 30 जिलों में बाढ़ की स्थिति पैदा कर दी। गंडक, गंगा, कोसी जैसी नदियां उफाने लगीं।अब नदियों का जलस्तर घट रहा है।मौसम विभाग के मुताबिक, राज्य से अगले 4 से 5 दिनों में मानसून पूरी तरह से खत्म होगा।मध्य प्रदेश के दक्षिणी और पूर्वी हिस्से में अगले तीन दिन गरज-चमक के आसार हैं।यहां अगले कुछ दिनों से बूंदाबांदी हो रही है।अगले 24 घंटे में छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला, डिंडौरी और अनूपपुर में हल्की बारिश हो सकती है।भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, उज्जैन में आसमान साफ रहेगा। 12 अक्टूबर के बाद से बारिश का दौर खत्म हो सकता है।

हरियाणा-जम्मू में चला योगी का जादू, जहां-जहां किया प्रचार, खिल गया कमल

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ की लोकप्रियता ने हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में हालिया विधानसभा चुनावों में भी अपना प्रभाव दिखाया है। उनकी रैलियों की मांग हमेशा बनी रही और उम्मीदवारों के बीच उनकी उपस्थिति जीत की पक्की गारंटी मानी जाती है। योगी ने हरियाणा में 14 रैलियां और जम्मू में 4 रैलियां की थी। जम्मू में उन्होंने जिन विधानसभा क्षेत्रों में प्रचार किया, वहां बीजेपी ने जीत हासिल की।

हरियाणा में भी एंटी-इन्कंबेंसी माहौल के बावजूद योगी की रैलियों ने बीजेपी को 14 में से 9 सीटें जीतने में मदद की। क्योंकि पार्टी को पिछले दस सालों में सत्ता के खिलाफ जनता की नाराजगी का सामना करना पड़ा था। योगी की रैलियों में उमड़ने वाली भीड़ और उनका बोलने का अंदाज चुनावी नतीजों में सीधे तौर पर परिवर्तित होता है। उनकी लोकप्रियता के चलते बीजेपी ने दोनों राज्यों में उनकी रैलियों को एक प्रमुख रणनीति का हिस्सा बनाया था।

इन चुनावों के परिणाम ने यह साबित कर दिया कि सीएम योगी, पीएम मोदी के बाद, बीजेपी के सबसे लोकप्रिय चेहरे हैं। उनके प्रभावी प्रचार से न केवल बीजेपी की स्थिति मजबूत हुई, बल्कि उन्होंने पार्टी की जीत तय करने में भी अहम भूमिका निभाई है। इस प्रकार योगी की रैलियों की सफलता ने साबित किया है कि उनकी रणनीतियां अन्य राज्यों के चुनावों में भी बीजेपी के लिए फायदेमंद साबित हो सकती हैं।

हरियाणा चुनाव का असर महाराष्ट्र, झारखंड में होने वाले चुनावों पर दिखेगा

-6 राज्यों की 28 सीटों पर भी होना है उपचुनाव, दशहर बाद हो सकता है ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरियाणा और जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के नतीजे आ चुके हैं। जम्मू-कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस का गठबंधन 15 साल बाद सरकार बनाने जा रहा है। वहीं हरियाणा में बीजेपी तीसरी बार सत्ता में वापसी कर रही है। हरियाणा के गठन के बाद से अब तक कोई पार्टी लगातार तीसरी बार सरकार नहीं बना सकी है। हरियाणा जीत से पार्टी को बूस्ट मिला है, जिसका असर अगले तीन महीने में होने वाले महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनाव में भी दिखाई दे सकता है। महाराष्ट्र विधानसभा का कार्यकाल 26 नवंबर 2024 और झारखंड का 5 जनवरी, 2025 को खत्म हो रहा है।

चुनाव आयोग दशहरे के बाद महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान कर सकता है साथ ही 6 राज्यों की 28 सीटों पर उपचुनाव का ऐलान भी हो सकता है।

महाराष्ट्र में महायुति यानी शिवसेना, बीजेपी और एनसीपी अजित गुट की सरकार है। एंटी इन्कंबेंसी और छह बड़ी पार्टियों के बीच बंटने वाले वोट को साधना पार्टी के लिए बड़ी चुनौती होगी। 2024 लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र की 48 सीटों में इंडिया गठबंधन को 30 और एनडीए को 17 सीटें मिली थीं। इनमें बीजेपी को 9, शिवसेना को 7 और एनसीपी को 1 सीट हासिल हुई थी। बीजेपी को 23 सीटों का नुकसान हुआ था। 2019 लोकसभा चुनाव से एनडीए को 41 सीटें मिली थीं। 2014 में यह आंकड़ा 42 था। यानी आधे से भी कम।

विपक्षी गठबंधन के एक सर्वे में राज्य की 288 सीटों पर एमवीए यानी महाविकास अघाड़ी को 160 सीटें मिलने का अनुमान है। बीजेपी के लिए मराठा आंदोलन सबसे बड़ी चुनौती है। इसके अलावा शिवसेना और एनसीपी में तोड़फोड़ के बाद उद्धव ठाकरे और शरद पवार के साथ लोगों की सिंपथी है।

झारखंड में झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के नेतृत्व वाली सरकार है। इसमें कांग्रेस, राजद और वाम दल शामिल हैं। बीजेपी को झारखंड में सरकार बनाने के लिए संथाल परगना और कोल्हान प्रमंडल की 32 सीटों पर फोकस करना होगा। संथाल परगना की 18 विधानसभा सीटों में से सिर्फ तीन सीटें बीजेपी के पास हैं। पिछले चुनाव में कोल्हान प्रमंडल की 14 विधानसभा सीटों पर तो बीजेपी का खाता भी नहीं खुल पाया। जमशेदपुर पूर्वी से तत्कालीन सीएम रघुवर दास को भी हार का सामना करना पड़ा।

जनवरी में भ्रष्टाचार के मामले में सीएम पद से इस्तीफा देकर हेमंत सोरेन को जेल जाना पड़ा। हालांकि, जमानत मिलने के बाद वे बाहर आए और चंपई सोरेन से 156 दिन में सीएम का पद वापस ले लिया। इसके बाद चंपई बीजेपी में शामिल हो गए। झारखंड आंदोलन में शिबू सोरेन के साथी रहे चंपई को कोल्हान टाइगर भी कहा जाता है।

यूपी में 10, राजस्थान में 6, पंजाब में 5, बिहार में 4, मध्य प्रदेश में 2 और छत्तीसगढ़ में एक सीट पर उपचुनाव होना है। इनमें से पंजाब छोड़कर सभी जगह बीजेपी सत्ता में है। लिहाजा एंटी इन्कम्बेंसी फैक्टर से लड़ने के साथ उम्मीदवार का लोकल कनेक्ट ही चुनाव नतीजे तय करेगा। चुनाव लिस्ट में अगला नाम दिल्ली का है, जहां विधानसभा का कार्यकाल 23 फरवरी 2025 को खत्म होगा। दिल्ली में पिछले 10 साल से आम आदमी पार्टी सत्ता में है। दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल नवंबर में चुनाव कराने की मांग कर रहे हैं।

दलित ने मजदूरी मांगी तो मुंह पर थूका और शरीर पर कर दी पेशाब

मुजफ्फरपुर (एजेंसी)। बिहार में दलितों पर अत्याचार नहीं थम रहे हैं। यहां कभी उनके घर फूंके जा रहे हैं तो कभी उन्हे पीटा जा रहा है। इसी तरह की बीते रोज एक और घटना बोचहां थाना क्षेत्र के एक गांव में दलित मजदूरों ने अपनी मजदूरी के पैसे मांगे तो दबंगों ने उन्हे जमकर पीटा। जमीन पर पटक दिया और उनके मुंह पर थूंका और पेशाब कर दी। पीड़ित ने मंगलवार देर रात रमेश पटेल, अरुण पटेल व गौरव पटेल को आरोपित करते हुए थाने में आवेदन दिया। थानाध्यक्ष राकेश कुमार यादव ने बताया कि आवेदन के आधार पर तीन लोगों पर प्राथमिकी की गई है। आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए छापामारी की जा रही है।पीड़ित ने पुलिस को दिए आवेदन में कहा है कि आरोपितों ने हाल में ही पाल्ट्री फार्म बनाया है। इसमें उसने कई दिनों तक काम किया। दो दिन की उसकी मजदूरी रोक ली गई। मजदूरी मांगने गया तो रमेश पटेल, अरुण पटेल व गौरव पटेल ने मारपीट की। दलित शब्द का प्रयोग करते हुए पिटाई के साथ सभी ने उसके मुंह पर थूक दिया। आरोपित गौरव पटेल ने उसके शरीर पर पेशाब की।आरोपितों ने केस करने या थाने पर शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी। डर के कारण वह कई दिनों तक घर से नहीं निकला। मारपीट करते हुए किसी ने घटना का वीडियो बना लिया था। घटना का वीडियो इंटरनेट पर प्रसारित होने के बाद किसी तरह थाने पहुंचकर

शिकायत की।

मोतीपुर में महादलित बस्ती में दबंगों का हमला, झोपड़ी फूंकी

मोतीपुर में शेरा बरजी महादलित टोले में मंगलवार की रात दरवाजे पर गाली-गलौच के विरोध पर लाठी-डंडे से लैस दबंगों ने हमला कर दो महिलाएं समेत दर्जनभर से अधिक लोगों की पिटाई कर दी। यही नहीं, हमलावरों ने झोपड़ी में आग लगा दी। छोटे-छोटे बच्चों को भी बख्शा नहीं। पुलिस ने सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। घायलों में पुनदेव राम, सरिता देवी, सुमित्रा देवी, लालू राम, करण कुमार, मोहन राम, विजय राम, दशरथ राम, सुजीत कुमार (11), मंजीत कुमार (6) अभिषेक कुमार (5), रंजीत (10), सुजीत (8), अभिषेक (6) शामिल हैं। घायल पुण्यदेव राम ने पुलिस को बताया कि रात में गांव के ही दो युवक दरवाजे पर आकर गाली-गलौच करने लगे। दोनों नशे में थे। इसका विरोध करने पर दोनों चले गए। कुछ देर बाद करीब 20-25 की संख्या में लाठी-डंडे लेकर आए लोगों ने हमला कर दिया। छोटे-छोटे बच्चों की भी पिटाई कर दी। थानाध्यक्ष राजन कुमार पांडे ने बताया कि पुलिस मौके पर गई थी। सभी घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया गया है। पुलिस गांव में कैंप कर रही है। इस दौरान कई घरों से मोबाइल भी लूट लिया। दोनों कई बार चोरी व शराब के मामले में जेल भी जा चुका है। जाते समय लालू राम के झोपड़ीनुमा घर को आग के हवाले कर दिया। इससे घर में रखा सारा सामान जल गया। धमकाया कि थाने में केस दर्ज किया तो सभी को जान से मार दूंगा।

बेंगलुरु मर्डर केस: रॉय नहीं मारता तो महालक्ष्मी कर देती हत्या

बेंगलुरु (एजेंसी)। कुछ ही दिनों पहले बेंगलुरु में महालक्ष्मी नाम की महिला की हत्या हुई थी। उसके शव के कई दर्जन टुकड़े किए गए और उसे फ्रीज में भर दिया गया। इस केस में आरोपी मुक्ति रंजन रॉय ने आत्महत्या कर ली थी। इस मामले में जांच और आत्महत्या नोट से जो जानकारियां सामने आ रहीं हैं वो काफी चौंकाने वाली हैं। नोट में लिखा था, महालक्ष्मी का मकसद मुझे मारने के बाद मेरे शरीर के टुकड़े-टुकड़े कर, उन्हें सूटकेस में रखना और बाद में फेंकने का था। अगर मैं उसे नहीं मारता, तो वो मुझे मार देती और शव को ठिकाने लगा देती। मैंने उसे सेल्फ डिफेंस में मारा था। रॉय ने नोट में यह भी दावा किया है कि महिला उस पर लगातार शादी का दबाव बना रही थी। साथ ही उसकी मांगें पूरी नहीं होने पर उसके साथ मारपीट भी करती थी।

रिपोर्ट के अनुसार, रॉय ने नोट में स्वीकार किया था कि उसने 2-3 सितंबर की रात महिला की गला घोंट कर हत्या की थी। आगे कहा गया है कि उसने अगली सुबह बाजार से एक धारदार हथियार खरीदा और वॉशरूम में शव के टुकड़े-टुकड़े कर उन्हें फ्रिज में रख दिया। रिपोर्ट में नोट के हवाले से बताया गया है कि इसके बाद रॉय ने ओडिशा भागने से पहले वॉशरूम को एसिड से साफ किया था।नोट में यह भी दावा किया जा रहा है कि महिला उसे मारना चाहती थी और शव को ठिकाने लगाने के लिए काला सूटकेस भी खरीदा था। रिपोर्ट के अनुसार, महालक्ष्मी के घर पर फ्रिज के पास एक काला सूटकेस भी बरामद हुआ था।पुलिस रॉय की लोकेशन ट्रेस करते हुए ओडिशा को भद्रक पहुंची थी। हालांकि, पुलिस के पहुंचने से पहले ही आरोपी ने आत्महत्या कर ली थी। तब शव के पास एक नोट बरामद हुआ था, जिसमें रॉय ने महालक्ष्मी के साथ अपने रिश्ते को लेकर कई चौंकाने वाले खुलासे किए थे। खबरें हैं कि आरोपी ने महिला की हत्या के बाद उसके 50 से ज्यादा टुकड़े कर दिए थे।फिलहाल, पुलिस का कहना है कि इस मामले में जल्द ही चार्जशीट दाखिल की जाएगी। जिस हथियार से रॉय ने वारदात को अंजाम दिया, उसका पता नहीं लग सका है। रिपोर्ट का कहना है कि एक छोटी सी दुकान चलाने वाली महिला को जब रॉय की तस्वीर दिखाई गई, तो उसने पहचान कर ली है।

हरियाणा विधानसभा चुनाव में भी मायावती के हाथ आयी निराशा , वोट प्रतिशत और गिरा

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बाद अब हरियाणा में भी बहुजन समाज पार्टी को भारी निराशा हाथ लगी है। हरियाणा विधानसभा चुनाव में इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) से गठबंधन किया था, लेकिन उसका यह दांव काम नहीं आया। गठबंधन के बावजूद बसपा यहां एक भी सीट नहीं जीत सकी और वोट प्रतिशत में भी बड़ी गिरावट आई है। बसपा को यहां 1.82 फीसीद वोट मिले हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में बसपा का वोट प्रतिशत 4.21 था।

बसपा का काफी पहले से हरियाणा में जनाधार रहा है, लेकिन 2009 के बाद से इसमें गिरावट आई है। बसपा का वोट प्रतिशत 2009 में 6.76 था जो अब गिरकर 1.82 फीसदी पर आ गया है। बसपा ने 2009 में दो और 2014 में एक सीट पर जीत हासिल की थी। इसके बाद से वह एक सीट के लिए भी तरस रही है। बसपा इस बात पर जरूर संतोष कर सकती है कि लोकसभा चुनाव 2024 में हरियाणा में उसका वोट प्रतिशत 1.28 प्रतिशत था, जो अब 1.82 फीसदी हो गया है।

हरियाणा विधानसभा चुनाव में बसपा प्रमुख मायावती ने इनेलो के साथ चार संयुक्त सभाएं की थीं। इस चुनाव में उन्होंने आकाश आनंद को आगे किया था। वह भी रथ लेकर निकले और गांव-गांव चौपाल लगाईं, लेकिन प्रदर्शन में कोई सुधार आने की जगह पहले से भी खराब रहा। इससे पहले लोकसभा चुनाव में भी आकाश ने सभाएं की थीं, लेकिन उनको चुनाव के बीच में ही पद से हटा दिया गया था। हरियाणा चुनाव से पहले उनको एक बार फिर अहम जिम्मेदारी दी गई, लेकिन वह कुछ करिश्मा नहीं कर सके। उधर, बसपा के साथ गठबंधन करके इनेलो को जरूर फायदा हुआ है। पिछले विधानसभा चुनाव में इनेलो को एक सीट मिली थी। इस बार उसने दो सीटों पर जीत दर्ज की है, जबकि वोट प्रतिशत में भी इजाफा हुआ है। इनेलो को पिछले लोकसभा चुनाव में 2.41 फीसदी वोट मिले थे। इस बार उसे 4.14 फीसदी वोट मिले हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत

नवरात्रि में सूरत में दिल दहला देने वाली वारदात
किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म,दो गिरफ्तार-एक फरार की तलाश

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गुजरात के सूरत जिले में चल रहे नवरात्रि उत्सव के दौरान एक किशोरी के साथ तीन लोगों ने कथित तौर पर दुष्कर्म किया। वारदात को उस वक्त अंजाम दिया गया, जब वह अपने एक दोस्त के साथ बाहर गई थी। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) हितेश जॉयसर ने बताया कि मंगलवार रात करीब ११ बजे कोसांबा पुलिस थाने के अधिकार क्षेत्र में आने वाले मंगरोल तालुका के मोटा बोरसारा गांव के बाहरी इलाके में एक सुनसान जगह पर १७ वर्षीय किशोरी के साथ कथित तौर पर यौन उत्पीड़न किया गया। वारदात को वडोदरा के बाहरी इलाके में एक किशोरी के साथ सामूहिक दुष्कर्म के कुछ दिनों बाद अंजाम दिया गया, जब वह अपने दोस्त के साथ घूमने गई हुई थी।

किशोरी अपनी कोचिंग क्लास में भाग लेने के बाद अपने दोस्तों से मिलने किम गई थी। रात करीब १०.३० बजे उसने अपनी दो दोस्तों के साथ आइसक्रीम खाई। उसके बाद वह और दोस्त मोटा बोरसारा गांव के पास हाईवे पर पेट्रोल पंप पर जाने लगे। बीच में दोनों एक सुनसान जगह पर रूक गए और बात करने लगे। तभी तीन लोग उनके पास आए। तीनों ने लड़की को पकड़ लिया, जबकि उसका दोस्त भाग गया। घटनास्थल से भागने के बाद लड़की के दोस्त ने स्थानीय लोगों को सूचित किया, जो आधे घंटे के भीतर इलाके में पहुंच गए। इस बीच पुलिस को भी सतर्क कर दिया गया था। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए रेंज आईजी और पुलिस अधीक्षक समेत वरिष्ठ पुलिस अधिकारी कथित अपराध स्थल पर पहुंचे। मामले को सुलझाने के लिए १० से अधिक टीमों का गठन किया गया है।

पॉक्सो अधिनियम के तहत भी प्राथमिकी दर्ज

भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा ७०-बी (१८ वर्ष से कम उम्र की महिला से सामूहिक दुष्कर्म), ११५-बी (स्वेच्छा से चोट पहुंचाना), ५४ (अपराध के समय उकसाने वाले की मौजूदगी) और ३०९-४ (लूट के प्रयास में चोट पहुंचाना) तथा यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

वापी के होटल में हैदराबादी पनीर सब्जी में निकला कीड़ा
भोजन करने के बाद ग्राहक की तबीयत बिगड़ी

फूड एंड ड्रग विभाग ने १५ दिनों के लिए क्लोजर नोटिस जारी किया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वापी की एक होटल में हैदराबादी पनीर सब्जी में कीड़ा मिलने की घटना सामने आई है। इस घटना के बाद भोजन करने वाले ग्राहक की तबीयत बिगड़ गई। इस मामले की जानकारी मिलते ही फूड एंड ड्रग विभाग ने होटल की जांच की और १५ दिनों के लिए क्लोजर नोटिस जारी कर दिया है। ग्राहक की तबीयत बिगड़ने के बाद होटल प्रबंधन पर सवाल उठाए जा रहे हैं, और स्थानीय प्रशासन द्वारा मामले की जांच जारी है।

वापी, वलसाड जिले में हाईवे पर स्थित एक होटल में वकील अपने ५ दोस्तों के साथ भोजन करने गए थे, जहां हैदराबादी पनीर सब्जी में मरा हुआ कीड़ा मिला। ग्राहक ने होटल प्रबंधन को इस घटना की जानकारी दी, लेकिन प्रबंधन ने इसे गंभीरता से नहीं लिया और मामला टालने की कोशिश की। ग्राहक आशुतोष पांडे, जो पेशे से वकील हैं, ने तुरंत वलसाड फूड एंड ड्रग विभाग को इसकी सूचना दी। जांच के बाद विभाग ने होटल को १५ दिनों के लिए बंद करने का नोटिस जारी किया।

नवरात्रि के दौरान आशुतोष पांडे अपने दोस्तों के साथ सौराष्ट्र के सोमनाथ मंदिर और दमन घूमने आए थे। वापसी पर, वे वापी हाईवे पर स्थित पार्कोटेल होटल में भोजन के लिए रूके थे। उन्होंने हैदराबादी पनीर सब्जी का ऑर्डर किया, और जब वे भोजन कर रहे थे, तो आशुतोष की डिश में मरा हुआ कीड़ा मिला। इस घटना से आशुतोष की तबीयत बिगड़ गई, और उन्होंने उल्टी भी की।

फूड एंड ड्रग विभाग की टीम ने तत्काल होटल का निरीक्षण किया और १५ दिनों के लिए होटल को बंद करने का आदेश दिया।

गौ रक्षकों ने बछड़े को लेकर
कलेक्टर कार्यालय में घुसने पर हंगामा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

महाराष्ट्र और उत्तराखंड में जिस तरह गाय को राज्य माता का दर्जा दिया गया है, उसी तरह गुजरात में भी गाय को राज्य माता का दर्जा देने के लिए नवसारी जिले के गौ रक्षकों ने आज नवसारी जिला कलेक्टर कार्यालय में अतिरिक्त निवासी कलेक्टर को आवेदन दिया और राज्य सरकार तक पहुँचाने की मांग की।

एक गौ रक्षक बछड़े को लेकर कार्यालय में पहुंचा, जिसे देखकर अतिरिक्त कलेक्टर ने उसे बाहर ले जाने के लिए कहा। इस पर गौ सेवा समिति के अध्यक्ष ने कहा, "कलेक्टर तो कुत्ता लाते हैं, तो बछड़े में क्या परेशानी है?"

नवसारी जिले के गौ रक्षकों ने एकत्र होकर गाय और बछड़े को साथ लेकर कलेक्टर कार्यालय पहुंचे। वहां थोड़ी देर इंतज़ार करने के बाद अतिरिक्त निवासी कलेक्टर केतन जोशी ने उन्हें समय दिया। इस दौरान एक गौ रक्षक हाथ में बछड़े को उठाकर अतिरिक्त कलेक्टर के कार्यालय में प्रवेश कर गया, जहां बछड़े को देखकर अतिरिक्त कलेक्टर ने उसे बाहर ले जाने को कहा। इस पर गुजरात प्रदेश गौ सेवा समिति के अध्यक्ष साजन भरवाड़ ने सवाल उठाया कि "कलेक्टर कार्यालय में कुत्ता लाने में कोई समस्या नहीं है, तो बछड़े में क्यों?"

अतिरिक्त कलेक्टर ने कहा- 'इसे बाहर ले जाओ, ऐसा कार्यालय में नहीं लाया जाता', गौ रक्षक- 'कलक्टर साहब तो कुत्ता लेकर आते हैं!'

'कार्यालय में केवल पांच लोग आ सकते हैं'

गौ रक्षकों के इस सवाल के जवाब में अतिरिक्त कलेक्टर ने कहा, ऌवे मेरे अधिकारी हैं, इस पर मैं कुछ नहीं कह सकता। सार्वजनिक नोटिस के अनुसार, कलेक्टर कार्यालय में केवल पांच लोग आवेदन देने आ सकते हैं।ज्ञ इस आवेदन में पांच से अधिक गौ रक्षक कार्यालय में आते हैं, तो अतिरिक्त कलेक्टर ने नियमों का पालन करने के लिए कहा। इस बीच थोड़ी बहस के बाद, अतिरिक्त कलेक्टर ने आवेदन पत्र स्वीकार किया.

पलसाना में सार्वजनिक स्थानों पर
धूम्रपान करने वालों पर सख्त कार्रवाई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत जिला स्वास्थ्य विभाग द्वारा राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के तहत प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। सूरत जिला स्क्वॉड टीम ने पलसाना में अवैध तंबाकू विक्रेताओं और सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान करने वालों पर जुर्माना लगाया और ५,४०० रुपये का जुर्माना वसूला।

मुख्य जिला स्वास्थ्य अधिकारी और तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. अनिल पटेल के मार्गदर्शन में तंबाकू विरोधी अभियान चलाया गया और "सिगरेट एंड अदर टोबैको प्रोडक्ट्स एक्ट-२००३" के तहत कड़ी कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई के दौरान तंबाकू विक्रेताओं को आवश्यक मार्गदर्शन दिया गया और नियमों के अनुसार निर्धारित मापदंडों के तहत सूचना बोर्ड लगाने के लिए कहा गया।

इस कार्रवाई में स्क्वॉड टीम में एपिडेमिक मेडिकल ऑफिसर डॉ. कौशिक मेहता, राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के काउंसलर कीर्तीराज सोलंकी, सामाजिक कार्यकर्ता मुकेश श्रीवास्तव, तालुका हेल्थ सुपरवाइजर हसमुख परमार और पी.आई. बी.एल. गागिया, पुलिस कांस्टेबल दिनेशभाई राठवा समेत पलसाना पुलिसकर्मी शामिल हुए।

वलसाड में प्राचीन गरबा को जीवित रखने के लिए
रंगरसिया गुजरात महोत्सव

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वलसाड में उड़ान द विंग्स ऑफ टैलेंट संस्था द्वारा गुजरात की अस्मिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पारंपरिक प्राचीन गरबा को जीवित रखने के लिए "रंगरसिया - गरबे घूमे गुजरात महोत्सव-२०२४" का आयोजन किया गया। इस महोत्सव के अंतर्गत शेरगरबा, प्राचीन शेरगरबा, गरबा गायन प्रतियोगिता, झेरियु और घेरियु की प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता में वलसाड के १२ गांवों के साथ-साथ अमलसाड और नवसारी से कुल ५४ प्रस्तुतियाँ दी गईं। इस भव्य आयोजन में १०५८ प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

उड़ान संस्था की डॉ. जानकी त्रिवेदी द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवा खिलैयाओं ने भाग लिया। वलसाड के रमेश लिम्बानी, भाविन भाई, अरूण चावड़ा, महेंद्र शाह, मीनाबेन, डॉक्टर प्रतीची, ठाकोर ढीमर, परेश भानुशाली, मनीषा देसाई, और जतिन चौहान सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने इस कार्यक्रम में सहयोग दिया।

पुरस्कार वितरण समारोह में लायंस इंटरनेशनल के जिला गवर्नर ला. परेश पटेल, ला. मोनाबेन देसाई, ला. हेमल पटेल और अन्य विशिष्ट लोग उपस्थित थे।

सूरत में पांच पुलिस स्टेशन क्षेत्रों में पकड़ी गई
२४ लाख की शराब का पुलिस ने नाश किया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत पुलिस द्वारा समय-समय पर पुलिस स्टेशन क्षेत्रों में पकड़ी गई शराब का नाश किया जाता है। इसी क्रम में सूरत जोन ३ क्षेत्र में पकड़ी गई शराब को नष्ट किया गया। पांच पुलिस स्टेशनों के क्षेत्रों से पकड़ी गई २४ लाख की १४,००० शराब की बोतलों को रोड रोलर से कुचल दिया गया, जिससे सड़क पर शराब की नदी बहने लगी।

मिली जानकारी के अनुसार,महिधरपुरा, लाल गेट, चौक बाजार, कतारगाम, सिंगणपुर इन पांच पुलिस स्टेशनों में पकड़ी गई शराब का नाश किया गया। पांच पुलिस स्टेशनों से पकड़ी गई कुल १४,१५६ बोतलों की अनुमानित कीमत २४ लाख ४८ हजार ९५२ रूपये है। इस शराब का आज डभोली ब्रिज के नीचे शराब की बोतलों पर रोड रोलर चलाकर नाश किया गया।

डीसीपी पिनाकिन परमार ने बताया कि जोन ३ क्षेत्र के पांच पुलिस स्टेशनों में प्रोहिबिशन के तहत जो केस दर्ज किए गए थे और जिनमें विदेशी शराब की बोतलें पकड़ी गई थीं, उन सभी का आज नाश किया गया। डीसीपी सहित अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में इस शराब को नष्ट किया गया।

'गृह मंत्री, शर्म हो तो इस्तीफा दे दो'
१ महीने में ४० बेटियाँ शिकार बनीं: गेनिबेन

बनासकांठा की कांग्रेस सांसद गेनिबेन ठाकोर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके सरकार पर तीखा प्रहार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

राज्य में पिछले एक महीने में बालिकाओं पर बलात्कार और बलात्कार के प्रयास के कई मामले सामने आए हैं। दाहोद के तोयणी प्राथमिक स्कूल से लेकर वडोदरा, आनंद, सुरेन्द्रनगर और सूरत तक के मामलों के संदर्भ में आज बनासकांठा की कांग्रेस सांसद गेनिबेन ठाकोर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके सरकार पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने गृह राज्य मंत्री के इस्तीफे की मांग की है।

'गृह मंत्री... शर्म हो तो इस्तीफा दे दो' बनासकांठा की सांसद गेनिबेन ठाकोर ने पालनपुर सर्किट हाउस में प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए कहा कि नवरात्रि में वडोदरा, सूरत और सुरेन्द्रनगर में बालिकाओं और युवतियों पर गैंगरेप की घटनाएँ सामने आई हैं। दाहोद, बोटाद और मांडवी में शिक्षकों द्वारा शारीरिक छेड़छाड़, गैंगरेप, बलात्कार और हत्या की घटनाएँ सामने आई हैं। इसके लिए सरकार जिम्मेदार है। गृह मंत्री को आधा टका भी शर्म हो तो उन्हें अब इस्तीफा दे देना चाहिए। पिछले एक महीने में गुजरात में अपराधों का ग्राफ बढ़ा है। एक महीने में ३० से ४० बेटियाँ शिकार बनी हैं। पश्चिम बंगाल या अन्य राज्यों में ऐसी घटनाएँ होने पर गुजरात सरकार विरोध दर्ज कराती है, धरने करती है और ज्ञापन प्रस्तुत करती है, लेकिन खुद गुजरात में जब ऐसी घटनाएँ घटती हैं तो सरकार जिम्मेदारी स्वीकारने को तैयार नहीं है।

'शराब-नशे पर ज्यादा हप्ता मिलने के लिए...'सांसद गेनिबेन ठाकोर ने सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि राज्य सरकार ने नवरात्रि में गरबा खेलने के समय में इसीलिए बढ़ोतरी की है ताकि शराब और नशे का दुष्प्रभाव बढ़े और युवा बर्बाद हों, जिससे सरकार की आय में वृद्धि हो। नवरात्रि में गरबा खेलने पर गृह मंत्री ऐसे बयान देते हैं